जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

जालोर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 318 प्रभात जालोर, मंगलवार 24 फरवरी, 2026 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

लोकसभा अध्यक्ष अपने ''डिस्क्रेशनरी फण्ड'' का बहुत ''सही'' उपयोग कर रहे हैं!

अविश्वास प्रस्ताव को बेअसर करने के लिए, 60 देशों में सांसदों के प्रतिनिधिमंडल भेजे जाएंगे लोकसभा सचिवालय की ओर से, भारत की संसदीय व्यवस्था की सुंदर कहानी पेश करने के लिए

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 फरवरी। क्या लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला अपने व्यक्तिगत पीआर के लिए राष्ट्रीय खजाने का दुरुपयोग कर रहे हैं?

लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव 9 मार्च को सदन में चर्चा के लिए लाया जाएगा। जब सदन एक ब्रेक के बाद फिर से चलेगा, उसी दिन प्रस्ताव लाया जाएगा।

सांसदों और अधिकारियों के बीच गुपचुप चर्चा हो रही है कि स्पीकर ने भारतीय संसदीय लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए बड़ी तादाद में नेताओं व सांसदों को 60 देशों में भेजने का कार्यक्रम बनाया है।

विभिन्न समूह बनाए गए हैं, जो प्रधानमंत्री मोदी के ऑपरेशन सिंदूर के बाद के दौर में किए गए प्रयासों की तरह ही विभिन्न देशों के साथ संपर्क बनाने का कार्य करेंगे, ताकि भारत के दृष्टिकोण को सामने लाया जा सके।

- इस मकसद से 60 से अधिक देशों के साथ संसदीय मित्रता ग्रुप बनाए गए हैं।
- विभिन्न राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेताओं, जैसे पी. चिदम्बरम, शशि थरूर, रविशंकर प्रसाद, टी.आर. बालू, के.सी. वेणुगोपाल, अखिलेश, ओवैसी, अभिषेक बनर्जी, सुप्रिया सूले, अनुराग ठाकुर आदि को संसदीय मित्रता ग्रुप का अध्यक्ष बनाया गया है।
- श्री लंका, जर्मनी, न्यूज़ीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, इज़रायल, अमेरिका, रूस, यूरोपीयन यूनियन, ब्रिटेन, फ्रांस, जापान, इटली, ऑस्ट्रेलिया, ईरान व यू.ए.ई., को भेजे जाने वाले ग्रुप्स गठित हो चुके हैं तथा साथ ही इस सूची में सम्मिलित नाम साठ की संख्या पार कर जाएंगे।
- ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्र.मंत्री ने भी कई ग्रुप्स बनाये थे, जिन्हें विदेश भेजा गया था तथा इन ग्रुप्स की यात्रा का काफी व्यापक व सकारात्मक असर हुआ था। ओम बिड़ला चाह रहे हैं कि संसदीय ग्रुप की वर्तमान विदेश यात्राओं से भी ऐसा ही नतीजा निकलेगा।
- यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि लोकसभाध्यक्ष के ''डिस्क्रेशनरी फण्ड'' का कोई ऑडिट नहीं होता, राष्ट्रपति के ''डिस्क्रेशनरी फण्ड'' की भांति। अतः संसदीय मंत्री ग्रुप्स की विदेश यात्राएं निर्विघ्न रूप से पूर्ण होगी शीघ्र ही।

कहा जा रहा है कि स्पीकर के खिलाफ चल रही आलोचनाओं को दबाने के लिए यह कदम उठाया जा रहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रांची से दिल्ली जा रही एयर एंबुलैंस क्रैश

रांची, 23 फरवरी। रांची से एक मरीज को इलाज के लिए दिल्ली लेकर जा रही एक एयर एंबुलेंस सोमवार रात चतरा में क्रैश हो गई। इस विमान पर मरीज समेत कुल सात लोग सवार थे, जिनमें सभी की मौत हो गई।

बताया जाता है कि आग से गंभीर रूप से झुलसे, लातेहार के चंदवा निवासी मरीज संजय कुमार को शाम 7:11 बजे रांची के देवकमल अस्पताल से दिल्ली ले जाया जा रहा था।

रेड बर्ड एयरवेज़ प्राइवेट लिमिटेड के, बीच क्राफ्ट सी 90 एयर एंबुलेंस में

- चतरा जिले के पास सिमरिया में हुए हादसे में विमान में सवार मरीज सहित सभी सात लोगों की मौत हो गई।

मरीज संजय कुमार, उनकी पत्नी अर्चना देवी व एक अन्य स्वजन ध्रुव कुमार के अलावा एंबुलेस टीम के कैप्टन विवेक विकास भगत, कैप्टन स्वराज दीप सिंह, डॉ. विकास कुमार गुप्ता और पैरा मेडिकल स्टाफ सचिन कुमार गुप्ता सवार थे।

रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट के निदेशक विनोद कुमार ने बताया कि शाम 7.34 बजे एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से विमान का संपर्क अचानक टूट गया। संपर्क टूटते ही तत्काल हाई अलर्ट जारी कर दिया गया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हरदीप पुरी के बारे में नया विवाद खड़ा हुआ, एप्स्टीन से संबंधों के बारे में

सोशल एक्टिविस्ट कुणाल शुक्ला ने पुरी का एप्स्टीन को लिखा एक पत्र ट्विटर पर डाला

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 फरवरी। तथाकथित एपस्टीन फाइल्स से जुड़े नए खुलासों के बाद राष्ट्रीय राजधानी में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इन दावों में केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का नाम फिर से जांच के दायरे में आने की बात कही जा रही है।

सोशल मीडिया और राजनीतिक मंचों पर फैल रहे ताजा दावों के अनुसार, पुरी ने वर्ष 2013 में एक ऐसे व्यक्ति को निजी पत्र लिखा था, जो बदनाम वित्त कारोबारी जैफरी एप्स्टीन का करीबी बताया जाता है। पत्र में कथित रूप से एक एहसान के लिए उन्होंने अपनी बेटी की ओर से धन्यवाद दिया गया था।

हाल ही में ऑनलाइन सामने आए दस्तावेजों के अनुसार, यह पत्र वर्ष 2013 का है, जब पुरी न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि के पद से सेवानिवृत्त हुए थे।

यह पत्र, जो अब सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से शेयर किया जा रहा है, ने नई राजनीतिक बहस छेड़ दी है। विपक्षी दल और सिविल सोसायटी के कुछ वर्ग इस मामले में स्पष्टता की मांग कर रहे हैं।

- इस पत्र के अनुसार, पुरी ने एप्स्टीन के एक नज़दीकी मित्र को 2013 में पत्र लिखकर धन्यवाद दिया, पुरी की पुत्री हिमानी पुरी की व्यवसायिक कंपनी में 2,400 करोड़ रूपए इन्वेस्ट करने के लिए। यह उस समय की बात है जब 2013 में, हरदीप पुरी भारत की ''फॉरेन सर्विस'' की पोस्ट, यू.एन. में भारत के स्थायी प्रतिनिधि के पद से रिटायर हुए ही थे तथा उन पर आरोप था कि वे कंपनी से सम्बद्ध बिज़नेस के लिए ''लॉबिंग'' कर रहे थे।
- इस प्रसंग का एक रोचक पहलू यह भी है कि कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा की बड़ी सुस्त सी प्रतिक्रिया आई। खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस इस प्रकरण से जुड़े कागज़ातों की सच्चाई व विश्वसनीयता का गहराई से अध्ययन कर रही है तथा निष्कर्ष पर पहुँचकर ही अपनी प्रतिक्रिया देगी।

विवाद ने तब जोर पकड़ा जब सामाजिक कार्यकर्ता कुणाल शुक्ला ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए इसे पुरी का निजी पत्र बताया। अपनी पोस्ट में शुक्ला ने आरोप लगाया कि राजनयिक सेवा से सेवानिवृत्ति के बाद पुरी न्यूयॉर्क में अपनी बेटी के कारोबारी हितों को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे थे।

हालांकि, इस दस्तावेज की प्रामाणिकता और पत्राचार के संदर्भ की अब तक आधिकारिक स्रोतों से स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जल्दी ही अलवर तक भी आएगी रैपिड रेल

दिल्ली से मेरठ तक का पहला रैपिड रेल ट्रांसपोर्ट सिस्टम शुरु

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 फरवरी। भारत का पहला रैपिड रेल ट्रांसपोर्ट सिस्टम (आरआरटीएस), जो दिल्ली से 82 किमी की दूर स्थित मेरठ को जोड़ेगा, अब पूरी तरह से ऑपरेशनल हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को इस लाइन के अधूरे 26 किमी खंड का उद्घाटन किया। ट्रेनों का परिचालन 10 मिनट के अंतराल पर होगा, जो दिल्ली के सराय काले खान से लेकर मेरठ के मोदीपुरम तक की यात्रा 55 मिनट में पूरी करेंगी।

साथ ही, मेरठ मेट्रो का 23 किमी का खंड भी लॉन्च किया गया है- जो आरआरटीएस ट्रैकों और सिग्नलिंग सिस्टम का उपयोग करेगा। अधिकारियों ने कहा, इसे भारत की सबसे तेज मेट्रो रेल प्रणाली के रूप में पेश किया गया है, जिसकी अधिकतम संचालन गति 120 किमी/घंटा होगी, और पूरी यात्रा 30 मिनट में पूरी होगी। यात्री चार स्टेशनों पर आरआरटीएस और मेट्रो इंटरचेंज कर सकते हैं: मेरठ साउथ, शताब्दी नगर, बेगम पुल और मोदीपुरम।

अधिकारियों ने कहा, अब मेरठ के जुड़ने से, देश का मेट्रो नेटवर्क 24 शहरों में 1,100 किमी तक बढ़ चुका है।

180 किमी/घंटा की डिजाइन स्पीड और 160 किमी/घंटा की संचालन स्पीड के साथ, दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस भारत का पहला परिवहन प्रोजेक्ट है, जो क्लस्टर-आधारित शहरी विकास की अवधारणा

- प्रधानमंत्री ने रविवार को पहले रैपिड रेल ट्रांसपोर्ट सिस्टम का विधिवत् उद्घाटन किया।
- इसी बीच केन्द्रीय शहरी मामलात मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने दिल्ली-अलवर और दिल्ली-करनाल रैपिड रेल ट्रांसपोर्ट सिस्टम को कैबिनेट से मंजूरी मिलने की बात कही।
- पहले रैपिड रेल ट्रांसपोर्ट सिस्टम के शुभारंभ के साथ ही मेरठ मैट्रो का 23 किलोमीटर लंबा रेल खंड भी शुरु किया गया। अब देश का मैट्रो रेल नैटवर्क 1100 किलोमीटर तक बढ़ चुका है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन पुनः बिखराव की ओर

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 फरवरी। आगामी राज्य सभा और महाराष्ट्र विधान परिषद चुनावों ने विपक्षी खेमें में हलचल मचा दी है और महा विकास अघाड़ी

- इस बार मसला है, राज्यसभा की रिक्त हुई सीटों का। महाराष्ट्र से राज्यसभा की सात सीटें खाली होंगी, इनमें से सिर्फ एक विपक्ष को मिलेगी और महाराष्ट्र विकास अघाड़ी के तीनों घटक, शिव सेना, कांग्रेस व एनसीपी की इस एक सीट पर नज़र है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

असम में कांग्रेस से पलायन रोकना बड़ी चुनौती है प्रियंका के लिए

वरिष्ठ कांग्रेसी नेता भूपेन बोरा ने भाजपा में शामिल होकर प्रियंका के लिए चुनौती बढ़ा दी है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 फरवरी। असम विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों का चयन करने वाली स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी संभालते हुए, कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी ने राज्य का दो दिवसीय दौरा पूरा किया। यह दौरा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा के पार्टी से इस्तीफा देने के कुछ ही दिन बाद हुआ।

करीब 30 वर्षों तक कांग्रेस में रहे बोरा, जो जुलाई 2021 से मई 2025 तक असम इकाई के अध्यक्ष रहे, ने शुक्रवार को पार्टी छोड़ दी। सूत्रों के अनुसार, जब से गौरव गोगोई उनकी जगह राज्य पार्टी अध्यक्ष बने हैं, तब से वे असहज महसूस कर रहे थे। उन्हें लगता था कि नए प्रदेश अध्यक्ष धुबरी के सांसद रकीबुल हुसैन को अधिक महत्व दे रहे हैं।

शुक्रवार को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद, एनडीटीवी से बातचीत में बोरा ने कहा कि वे रविवार को भाजपा में शामिल होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि 8 मार्च तक कांग्रेस के कई अन्य नेता भी भाजपा में जा सकते हैं।

प्रियंका गांधी के लिए अब सबसे बड़ी प्राथमिकता इस संभावित पलायन को रोकना और चुनाव से पहले पार्टी को एकजुट रखना होगा।

स्क्रीनिंग कमेटी के अन्य सदस्यों में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री, डी के शिवकुमार छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और सांसद इमरान मसूरद शामिल हैं। अपने दौरे के दौरान, गांधी ने असम के 21 विधायकों, तीन सांसदों, जिला अध्यक्षों और ब्लॉक प्रमुखों से मुलाकात की।

उम्मीदवारों के चयन के अलावा, गांधी और कांग्रेस के सामने एक और बड़ी चुनौती भाजपा का सामना करने के लिए सही सहयोगियों का चयन करना होगा। ज्ञातव्य है कि भाजपा लगातार दो कार्यकाल से सत्ता में है और चुनाव से पहले उसे बढ़त मिलती दिखाई दे रही है। 2021 में, भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने राज्य की 126 में से 75 सीटें जीती थीं, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले महाजोत को केवल 50 सीटें मिली थीं।

- प्रियंका गांधी स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्ष हैं और उन पर सही प्रत्याशियों के चयन की भी जिम्मेवारी है, साथ ही गठबंधन के लिए सही सहयोगियों की तलाश भी उन्हें करनी है। इसके लिए वे फूंक-फूंक कर कदम उठा रही हैं।
- अपने हालिया असम दौरे में उन्होंने राज्य के सभी कांग्रेसी विधायकों, सांसदों व जिला तथा ब्लॉक अध्यक्षों से भी मुलाकात की।
- सूत्रों का कहना है कि राज्य में भाजपा का संगठन काफी मजबूत है, कांग्रेस भले ही बड़ी जीत प्राप्त न कर पाए, पर, अगर उसने स्थिति पहले से बेहतर कर ली तो भी इससे प्रियंका की सफलता माना जाएगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

असम के सीमावर्ती गांवों पर भाजपा का फोकस

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 फरवरी। चुनाव आयोग द्वारा आगामी असम विधानसभा चुनावों की घोषणा चन्द सप्ताहों में किये जाने की उम्मीद के साथ, भारतीय जनता पार्टी ने अपनी चुनावी मुहिम तेज कर दी है।

- गृह मंत्री अमित शाह ने सीमावर्ती गांवों के लिए 6839 करोड़ रूपए की लागत से ''वाइब्रैंट विलेज प्रोग्राम'' शुरु किया।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन के असम दौरे के बाद, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की दो दिवसीय असम यात्रा, 2026 के चुनावों के लिए भाजपा के प्रयासों को और गति देने का संकेत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप कहा करते थे ''टैरिफ'' बहुत सुन्दर शब्द है

पर सुप्रीम कोर्ट ने उनकी संपूर्ण गर्वोक्ति की हवा निकाल दी

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 फरवरी। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट द्वारा डॉनल्ड ट्रंप द्वारा लगाए टैरिफ (शुल्क) को रद्द करने से राष्ट्रपति को कई तरह से झटका लगा है। इससे उनके सर्वशक्तिमान होने के दावे को नुकसान पहुँचा है। इस फैसले ने उनके ''टैरिफ'' के प्रति लगाव को भी झटका दिया है। याद रहे, उन्होंने ''टैरिफ'' शब्द को सबसे सुंदर शब्द बताया था।

भारत के लिए यह ताज़ा फैसला कुछ अच्छी खबर लेकर आया है।

कम से कम शुरुआत में तो यह अंतरिम समझौता, जिसके तहत अमेरिकी सामान भारत में बिना टैक्स के आएगा और भारतीय सामान पर अमेरिका में 18 प्रतिशत शुल्क लगेगा, अब खत्म हो गया है। अब अमेरिकी सामान भारत में ड्यूटी फ्री नहीं आएगा और ट्रंप के फैसले के बाद सभी के लिए लगाए गए 10 प्रतिशत के वैश्विक टैरिफ के तहत 10 प्रतिशत शुल्क लगेगा।

अगले पाँच वर्षों में 500 अरब डॉलर की खरीद का जो वादा भारत ने किया था, जो कथित तौर पर इस अंतरिम व्यापार समझौते का हिस्सा माना जा रहा था, वह भी अब समाप्त हो गया है। हालांकि यह कोई बहुत बड़ा लक्ष्य नहीं था। इसका मतलब था कि भारत को इस समझौते के तहत हर साल लगभग 100 अरब डॉलर का सामान अमेरिका से खरीदना होता।

महंगे रक्षा उपकरण, विमान और अन्य उच्च हाई टैक्नॉलजी वस्तुओं की खरीद पर बहुत बड़ी राशि खर्च हो सकती है। इनमें से अधिकतर पर एक्सपोर्ट कंट्रोल लागू होता है और इन्हें खरीदने की भारत की पिछली कोशिशें कामयाब नहीं हुईं।

नई परिस्थितियों में जब व्यापार वार्ताकार एक नई व्यापार संधि पर चर्चा करेंगे, तो दोनों पक्षों के पास समझौते के लिए काफी गुंजाइश होगी। हालांकि, भविष्य के उस व्यापार समझौते की रूपरेखा पहले राजनीतिक नेतृत्व द्वारा तय की जाएगी। जब तक वार्ताकार विस्तार से काम शुरू करेंगे, तब तक चार साल कब बीत जाएँगे, पता नहीं चलेगा।

भारत को यू.एस. टैरिफ के ओवर ऑल रुख पर फैसले के असर का मूल्यांकन करने और डॉनल्ड ट्रंप आगे क्या कदम उठा सकते हैं, यह देखने का समय मिलेगा। वैसे भी, फैसले के बाद की प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने वादा किया है कि बाकी दुनिया को अमेरिका की ओर से कठोर टैरिफ और कदमों का सामना करना पड़ेगा।

प्रशासन जो भी कदम सोच सकता है, ट्रंप उसपर भड़क रहे हैं और कड़े उपाय तलाश रहे हैं। वे अन्य देशों के लिए बहुत नुकसानदायक कदम उठाने की बात कर रहे हैं। लेकिन अंत में इससे सबसे अधिक नुकसान उनके अपने नागरिकों को ही होगा, क्योंकि टैरिफ बढ़ेगा और व्यापार में बाधाएँ आने से अमेरिकियों पर ही सबसे ज्यादा असर पड़ेगा।

विशेषज्ञों को आशंका है कि आहत डॉनल्ड ट्रंप यू.एस. की इकॉनमी को ही ऐसे तरीकों से नुकसान पहुँचाना शुरु कर देंगे, जिससे गहरी मंदी आ सकती है। पिछली बार 1920 के दशक के अंत में जब बेहद विवादित स्मूट-हॉले अधिनियम पारित किया गया था, तो उसके बाद 1930 के दशक की महामंदी (ग्रेट डिप्रैशन) आई थी।

इसका असर केवल अमेरिकी नागरिकों पर ही नहीं पड़ेगा, बल्कि पूरी दुनिया पर इसका प्रभाव पड़ेगा। भारत को इन सभी घटनाओं पर नजर रखनी चाहिए और भारतीय अर्थव्यवस्था को इन प्रतिकूल परिस्थितियों से सुरक्षित रखने के लिए कदम उठाये जाने चाहिए।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने ट्रंप की छवि को गंभीर रूप से नुकसान पहुँचाया है। वे यह दिखाते थे कि वे जो चाहें कर सकते हैं। लेकिन इस फैसले ने उन्हें उनकी सीमाएँ दिखा दी हैं, अब उन्हें कानून बनाने वाली संस्था से परामर्श और मंजूरी लेनी होगी। अब वे टैरिफ के विकल्प तलाश रहे हैं और बेसब्री से इस बात पर विचार कर रहे हैं कि इन्हें अमेरिकी कांग्रेस से अलग होकर कैसे लगाया जा सकता है।

ट्रंप ने टैरिफ का इस्तेमाल सिर्फ एक ट्रेड हथियार के रूप में नहीं किया, उन्होंने इसे अपने निजी हथियार की तरह भी इस्तेमाल किया, उन लोगों और नेताओं के खिलाफ, जिन्हें वे पसंद नहीं करते थे। जो भी उनकी बात नहीं मानता था, उसे टैरिफ लगाकर दंडित किया जाता था। एक देश को इसलिए सज़ा दी जाती थी, क्योंकि ट्रंप उस देश के प्रमुख के साथ व्यक्तिगत रूप से सहज नहीं थे।

राजनीतिक रूप से, यह फैसला मध्यावधि चुनावों से पहले आना उनके

- अतः ट्रंप अब जिद्दी, बिगड़ैल बच्चे की भांति कुछ और प्रक्रिया अपनाना चाहते हैं, मित्र देशों को प्रोत्साहित व अमित्र देशों को प्रताड़ित करने के लिए।
- पर, इस अधरझूल स्थिति में, भारत के लिए खास बुरी खबर नहीं है। अब अमेरिकी सामान का ज़ीरो टैरिफ पर प्रवेश पाना व भारतीय सामान पर 18 प्रतिशत टैरिफ लगाने के लिए हुए समझौते भी अब लटक गए हैं। भारत का सामान अमेरिका में 10 प्रतिशत टैरिफ पर ही प्रवेश पा सकेगा तथा अमेरिकी सामान भी पुरानी कस्टम ड्यूटी की अदायगी के बाद भी भारत में भेजा जा सकेगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अनिल अंबानी पर बैंक की कार्यवाही से रोक हटी

मुंबई, 23 फरवरी। उद्योगपति अनिल अंबानी को बॉम्बे हाई कोर्ट से सोमवार झटका लगा। अदालत ने वह स्टे आदेश हटा दिया, जिसने बैंकों को उनके खिलाफ कार्रवाई करने से रोक रखा था। कोर्ट की डिवीजन बेंच ने सिंगल जज की उस अंतरिम राहत को रद्द कर दिया, जिसमें तीन बैंकों, बैंक ऑफ बड़ौदा, इंडियन ओवरसीज बैंक और आईडीबीआई बैंक तथा ऑडिटर बीडीओ इंडिया एलएलपी को कार्रवाई से रोका गया था।

- बॉम्बे हाईकोर्ट की डबल बैंच ने सिंगल बैंच का स्टे हटाया।

यह पूरा मामला आरबीआई की 2024 मास्टर डायरेक्शंस ऑन फ्रॉड क्लासिफिकेशन से जुड़ा है। सिंगल जज ने दिसंबर 2025 में अनिल अंबानी को राहत देते हुए कहा था कि फोरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट को तैयार करने वाले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

मेरे दोस्त किसी चीज़ को कुरूप ना कहो, सिवाय उस भय के जिसकी मारी कोई आत्मा स्वयं अपनी स्मृतियों से डरने लगे। –खलील जिब्रान

AI (Artificial Intelligence), AI (Aam Insaan) के लिये काम आए तो कितना अच्छा हो

17 से 20 फरवरी 2026 के दौरान भारत द्वारा पूरे विश्व की सबसे बड़ी AI summit आयोजित की गई। इसमें कई राष्ट्र अध्यक्षों के साथ ही लगभग 100 देशों के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस या कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विशेषज्ञों ने भाग लिया और इसके विभिन्न पहलुओं पर गहन चर्चा की। इस सफल आयोजन के लिए भारत सरकार बधाई की पात्र है, इसके बावजूद कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने चीन द्वारा विकसित रोबोट कुत्ते, ओरियन को अपना बताते हुए प्रस्तुत किया, जिससे काफी शर्मिंदा होना पड़ा।

इसके अतिरिक्त, युवा कांग्रेस के सदस्यों द्वारा किया गया बिना शर्ट के बेहूदा प्रदर्शन भी कोई अच्छा निर्णय नहीं था। इससे विश्व में भारत की छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ा। यह बात भी सही है कि अब भारत द्वारा एआइ पर अधिक बल दिया जा रहा है, जबकि इस क्षेत्र में चीन हमसे बहुत-बहुत आगे निकल चुका है। फिर भी यह अवश्य कहा जाना चाहिए कि इस क्षेत्र में विकास की असीम संभावनाओं को देखते हुए सरकार ने इस पर इसे उच्च प्राथमिकता तो दी है।

अब प्रश्न यह उठता है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का लाभ देश के किस वर्ग को मिलता है? क्या इसका लाभ वही ले पाएंगे जो पहले ही विकास की दौड़ में आगे हैं, सक्षम है और समर्थ हैं? यदि ऐसा हुआ तो देश में असमानता, जो पहले ही बहुत अधिक है, और अधिक बढ़ जाएगी। इससे देश में असंतोष बढ़ने की संभावना रहेगी। सरकार को यह समझना होगा कि एआइ तो एक हथियार मात्र है। इसके माध्यम से हम क्या हासिल करना चाहते हैं, यह सरकार की प्राथमिकताओं पर निर्भर करेगा।

देश में वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि इन्हें हमारे देश के वंचित वर्ग की समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए एआइ का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित किया जाए। पाठकों के लिए यह जानना दिलचस्प होगा कि भारत में शोध एवं विकास पर बहुत ही कम धनराशि खर्च की जाती है, जब कि विकसित देश इस पर हमसे कई गुना अधिक खर्च करते हैं। चीन भी इस क्षेत्र में भारत से बहुत अधिक व्यय कर रहा है और यही इस क्षेत्र में उसकी अप्रतिम सफलता का आधार भी है। सातवें दशक के अंत में चीन ने शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और उसका उसे भरपूर मिल रहा है। पूरे विश्व में उसके वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ छाए हुए हैं। एक सर्वे में यह बताया गया कि कुछ वर्षों पूर्व जहां 64 महत्वपूर्ण टेक्नोलॉजी में से 57 में अमेरिका प्रथम स्थान पर था वहीं यह केवल 6 में प्रथम स्थान पर रहा है और 54 में चीन ने प्रथम स्थान प्राप्त कर लिया है। एक प्रकार से तकनीकी विशेषज्ञता के महत्वपूर्ण क्षेत्र में चीन ने सभी को पीछे छोड़ दिया है, यहां तक कि अमेरिका भी उससे बहुत पीछे हो गया है।

अगर हम भारत के संदर्भ में बात करें तो हमें इसका उपयोग अब आम इंसान (एआइ) के लिए करने की जरूरत है। इनमें अधिकतर वे लोग हैं जो हाशिए पर हैं। इनकी वास्तविक स्थिति का अंदाज़ा किसी भी गांव में जाने पर अथवा किसी भी शहर की कच्ची बस्ती में कुछ देर रुकने से ही लग जाता है। ये वे लोग हैं जिनके बच्चों को या तो शिक्षा नहीं मिलती है या मिलती भी है तो कुछ इस प्रकार की, कि उसका जीवन में कोई उपयोग नहीं है। उन्हें जिस सरकारी भवन में बैठकर पढ़ाई करनी होती है, वह कब ध्वस्त हो जाएगा और उनकी जान ले लेगा, इसकी आशंका सदैव बनी रहती है। इन लोगों के पास इंटरनेट की सुविधा का अर्थ ही नहीं है क्योंकि उनके गांव में बिजली कभी कभार ही आती है। इन्हें दूषित पानी पीकर अस्वस्थता की ओर धकेल दिया जाता है। इन्हें अपने गांव में पानी शुद्ध नहीं मिलने के कारण और स्वास्थ्य सुविधा न होने के कारण अपने जीवन का बहुत महत्वपूर्ण समय इन्हीं के जुगाड़ में बिता देना पड़ता है। यदि एआइ उनके लिए कुछ समस्याओं का हल खोज सके और उनके जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य कर सके तो भारत के संदर्भ में यह कहीं अधिक उपयुक्त होगा। अब तक केवल प्रशासनिक आधार पर उनकी समस्याओं का हल निकालने का प्रयास किया गया लेकिन ये सब भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ने के कारण वास्तव में इन लोगों का कुछ विशेष भला नहीं हो पाया। विभिन्न योजनाओं में भ्रष्टाचार के चलते ही करोड़ों रुपए की सरकारी राशि व्यर्थ चली जाती है, चाहे वह सड़क बनाने के लिए हो, भवन बनाने के लिए, पुल बनाने के लिए, या बांध बनाने के लिए। जब एआइ इतनी तरक्की कर ही रहा है तो फिर इसका उपयोग करके, क्या हम अपने सिस्टम में से भ्रष्टाचार को कम नहीं कर सकते हैं? क्या इससे हम यह पता नहीं लगा सकते कि वास्तव में कौन गरीब है और किसको सरकारी सहायता की आवश्यकता है? क्या एआइ का उपयोग इस काम के लिए नहीं हो सकता कि गरीब बच्चों को लिए जहां शिक्षक उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं वहां पर एआइ के माध्यम से बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का काम प्रभावी रूप से किया जाए।

कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि सरकारी धन के दुरूपयोग पर एआइ के प्रभावी उपयोग से कड़ा अंकुश लगाया जा सकता है। इससे वास्तविक पात्र शत प्रतिशत लोगों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभ मिल सकेगा। सरकार में पैसे की कमी नहीं, अपितु उसके उपयोग पर कड़ी और सही मॉनिटरिंग की आवश्यकता है। यही काम एआइ की सहायता से बखूबी किया जा सकता है। आवश्यकता केवल इच्छा शक्ति की है। इसको कार्यान्वित करने के तो एआइ ने असीमित द्वार खोल दिए हैं।

यदि जवाब देही का काम एआइ के माध्यम से बेहतर तरीके से हो जाए तो न केवल इससे प्रशासनिक व्यवस्था सुदृढ़ होगी अपितु इससे भ्रष्टाचार पर चोट करने में भी सहायता मिलेगी। एआइ के उपयोग के बाद भ्रष्ट नेता और अफसर की मनमानी पर अंकुश लगने की संभावना बनेगी। बिना किसी विलंब के एआइ के उपयोग से कई समस्याओं का हल निकालना संभव हो पाएगा।

अपराध नियंत्रण में एआइ का बहुत बड़ा उपयोग होने की संभावना है। ऐसा करने पर गरीब लोगों को शोषण से बचाए जा सकेगा और यदि किसी ने ऐसा किया भी तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करना अवश्य ही संभव हो जाएगा।

मैं यह सोचता हूँ कि यदि हम एआइ का उपयोग निम्न समस्याओं का हल निकालने में कर सकें तो यह आम इंसानों की प्रगति अर्थात देश की सर्वांगीण प्रगति के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण होगा:–

एआइ से यह पता लगाना चाहिए कि जो लोग आयुष्मान योजना के अंतर्गत मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त करने के हकदार हैं, उनमें से कितनों को इसका लाभ मिला और जिन्हें नहीं मिला उसकी जानकारी तत्काल सबको उपलब्ध हो जाए। जिनके कारण लाभ नहीं मिला उनका विवरण भी तत्काल सार्वजनिक हो जाय तो भ्रष्टाचार करने की हिम्मत नहीं होगी।

जो बच्चे शिक्षा से वंचित हैं उनकी सही जानकारी मोहल्लावार, बटन दबाते ही मिल जाए तो संसाधनों का दुरुपयोग रोका जा सकेगा और सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ताओं को इस क्षेत्र में काम करने में सुविधा होगी। जो विद्यार्थी सरकारी योजना के अंतर्गत लैपटॉप, स्कूटी, साइकिल आदि प्राप्त करने के अधिकारी हैं, उन सबको यह सुविधा मिल जाए, इसे सुनिश्चित किया जा सकता है। एआइ की सहायता से सरकारी विद्यालयों में नामांकित बच्चों के शैक्षिक स्तर का आंकलन करना संभव है और इसके आधार पर शिक्षकों को जवाबदेह बनाया जा सकेगा। शिक्षकों के स्थानांतरण और पदोन्नति में भी इसके आधार पर एआइ को काम में लिया जा सकता है।

हाल ही में साइबर फ्रॉड के अनेक मामले सामने आ रहे हैं। क्या इन्हें रोकने में एआइ की मदद नहीं ली जा सकती?

बैंकों से लिए गये ऋण का सदुपयोग हुआ या नहीं यह पता करना सरल है, एआइ और अन्य तकनीकों का उपयोग करके।

श्रमिकों, विद्यार्थियों, कृषकों, महिलाओं के लिए अनेक योजनाएं सरकार द्वारा चलाई जा रही हैं किंतु घोर भ्रष्टाचार के कारण वास्तविक पात्र तो वंचित रह जाते हैं और तिकड़मबाज लोग, भ्रष्ट् सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों से मिलकर सरकारी पैसे को चूना लगाने में सफल हो जाते हैं। इनकी पहचान एआइ के माध्यम से करना न केवल संभव, अपितु आवश्यक भी है।

अनेक प्रभावशाली संपन्न लोग, गरीब बनकर, गरीबों के लिए बनी योजनाओं का पैसा हड़प लेते हैं। इस पर अंकुश लगाया जा सकता है, ऐसे व्यक्तियों द्वारा किए गए खर्चे की एआइ की सहायता से निगरानी करके। इससे इनकी संपन्नता सामने आ जाएगी।

कई लोग औद्योगिक क्षेत्रों में सस्ती ज़मीनें खरीद कर बिना उद्योग लगाए कुछ समय बाद इन्हें ऊंचे दामों में बेचकर गलत रूप से पैसा बना लेते हैं। इसे एआइ की सहायता से रोका जा सकता है, क्योंकि जिओ टैगिंग करके आवंटित भूखंड की मौके की वास्तविक स्थिति ज्ञात की जा सकती है।

कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि सरकारी धन के दुरूपयोग पर एआइ के प्रभावी उपयोग से कड़ा अंकुश लगाया जा सकता है। इससे वास्तविक पात्र शत प्रतिशत लोगों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभ मिल सकेगा। सरकार में पैसे की कमी नहीं, अपितु उसके उपयोग पर कड़ी और सही मॉनिटरिंग की आवश्यकता है। यही काम एआइ की सहायता से बखूबी किया जा सकता है।

आवश्यकता केवल इच्छा शक्ति की है। इसको कार्यान्वित करने के तो एआइ ने असीमित द्वार खोल दिए हैं।

आशा है, सरकार एआइ सम्मिट की सफलता को "Aam Insaan" (AI) की बेहतरी में काम लेगी। संक्षेप में कहें तो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) का उपयोग AI यानि "(Aam Insaan)" के लिए करने का समय आ गया है। यदि हम ऐसा करने में सफल हो पाए तो इस सम्मिट की सार्थकता कई गुणा बढ़ जाएगी।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

मरुस्थल की धड़कन : पोकरण

शौर्य, राजनीति और परमाणु शक्ति की ऐतिहासिक नगरी

जुगल किशोर बिस्सा

पश्चिमी राजस्थान की तपती रेत के बीच बसा पोकरण केवल एक कस्बा नहीं, बल्कि इतिहास, कूटनीति और राष्ट्रीय सुरक्षा का जीवंत प्रतीक है। राजपूत शौर्य की गाथाओं से लेकर आधुनिक भारत की परमाणु शक्ति तक, इस मरुस्थलीय नगरी ने हर युग में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

रियासतकाल की गौरवगाथा: लालकिला और चम्पावत ठिकाना

पोकरण की स्थापना लगभग 14वीं शताब्दी (1356 ई.) में मानी जाती है। यहाँ स्थित भव्य पोकरण लालकिला (बालागढ़) आज भी राठौड़ वीरता और स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण है। राजपूत समाज के पोकरणा जाती, मारवाड़ के संस्थापक राव जोधा के वंश से जुड़े चम्पावत राठौड़ यहाँ के ठिकानेदार रहे। पोकरण ठिकाने को मारवाड़ दरबार (जोधपुर) में विशेष सम्मान प्राप्त था और स्थानीय प्रशासन में इसकी निर्णायक भूमिका मानी जाती थी। लाल पत्थर से निर्मित यह किला मरुस्थलीय स्थापत्य की श्रेष्ठ धरोहर है।

व्यापारिक मार्ग का प्रमुख केंद्र – करियासत काल में पोकरण पश्चिमी व्यापारिक मार्गों का महत्वपूर्ण पड़ाव था। ऊँटों के कारवां यहाँ से सिंध, कंधार, काबुल और मध्य एशिया तक व्यापार करते थे। नमक, ऊन, मसाले और सूखे मेवों व सोना का व्यापार इस क्षेत्र की आर्थिक रीढ़ था। मरुस्थल में स्थित होने के बावजूद पोकरण व्यापारिक और सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण केंद्र बना रहा।

ब्रिटिश काल में राजनीतिक संपर्क –19वीं शताब्दी में जब राजपूत रियासतों ने अंग्रेजों के साथ संधियाँ कीं, तब मारवाड़ राज्य भी ब्रिटिश संरक्षण में आया। पोकरण, मारवाड़ रियासत का

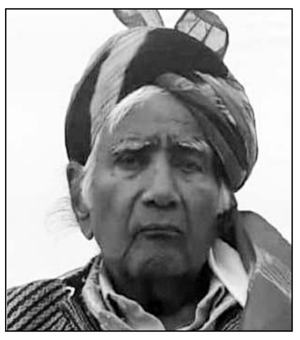

गुलाब सिंह रावलोत

प्रमुख ठिकाना होने के कारण अप्रत्यक्ष रूप से ब्रिटिश प्रशासनिक ढांचे से जुड़ा रहा। ठिकानेदारों और अंग्रेज अधिकारियों के बीच कूटनीतिक संपर्क होते रहे।

रियासतकालीन राजनीति में पोकरण की भूमिका रणनीतिक मानी जाती थी। हिंदुस्तान के पहले लोकतंत्र में इतिहास रचते हुए मेजर रिटायर्ड हड़वत सिंह रावलोत लोहारकी निवासी ने जैसलमेर के पहले 1952 में विधायक बनने का गौरव प्राप्त किया, वहीं उसी परिवार के गुलाब सिंह रावलोत ने 1993 में जैसलमेर जिले के विधानसभा में अपना दबदबा बनाए रखते हुए ऐतिहासिक मतों से भाजपा से निर्वाचित हुए। परमाणु स्थल के परमाणु नगरी के रूप में विश्व पहचान पोकरण को अंतरराष्ट्रीय पहचान तब मिली जब भारत ने यहाँ परमाणु परीक्षण किए। 18 मई 1974 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में स्माइलिंग बुद्धा परीक्षण लोहारकी गांव में किया गया। 11 और 13 मई 1998 को प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व खेतोलाई गांव में पाँच सफल परीक्षण

हड़वत सिंह रावलोत

किए गए। इन ऐतिहासिक घटनाओं के बाद पोकरण परमाणु नगरी के रूप में विश्व मानचित्र पर स्थापित हो गया और भारत की सामरिक शक्ति का प्रतीक बन गया।

लोकतंत्र की राह: राजनीति का केंद्र – स्वतंत्रता के बाद मारवाड़ रियासत भारतीय संघ में विलय हुई और राजस्थान राज्य के गठन के साथ पोकरण विधानसभा क्षेत्र अस्तित्व में आया। जैसलमेर जिले के गठन के बाद पोकरण क्षेत्र ने लोकतांत्रिक राजनीति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

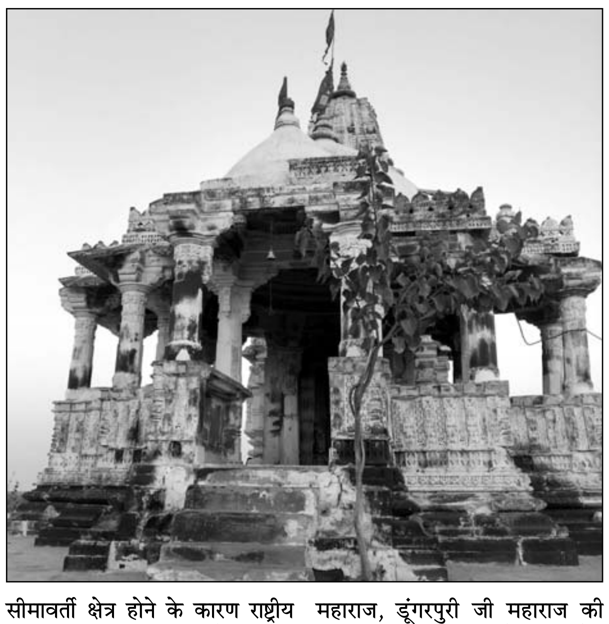

सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण राष्ट्रीय सुरक्षा, सेना की उपस्थिति और विकास कार्य यहाँ प्रमुख चुनावी मुद्दे रहे हैं। जातीय और सामाजिक समीकरण–राजपूत, ब्राह्मण, महाजन, मुस्लिम, ओबीसी और अनुसूचित जाति वर्ग–चुनावी परिणामों को प्रभावित करते हैं। अंतरराष्ट्रीय पाकिस्तान सीमा के निकट होने से रक्षा और विकास दोनों मुद्दे स्थानीय राजनीति का आधार बनते हैं। सेना, बीएसएफ और रक्षा परियोजनाओं की उपस्थिति स्थानीय अर्थव्यवस्था और राजनीतिक विमर्श को प्रभावित करती है।

आस्था और संस्कृति का संगम – पोकरण क्षेत्र धार्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। निकट स्थित तीर्थ नगरी रामदेवरा धाम देशभर के श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। स्थानीय परंपराओं में इसे भगवान परशुराम, चिड़िया नाथ जी महाराज, साधोजी महाराज, डूंगरपुरी जी महाराज की तपोभूमि भी माना जाता है। धर्म, शौर्य और राष्ट्रभक्ति की त्रिवेणी ने पोकरण की पहचान को विशिष्ट बनाया है।

पोकरण का इतिहास तीन प्रमुख आयामों में स्पष्ट होता है–

राजपूत ठिकाना और किला संस्कृति

मरुस्थलीय व्यापार और रियासती राजनीति

भारत की परमाणु शक्ति और आधुनिक सामरिक पहचान

आज पोकरण केवल जैसलमेर जिले का प्रवेश द्वार नहीं, बल्कि राजनीतिक चाणक्य नगरी, शौर्य भूमि और राष्ट्र गौरव का प्रतीक है। मरुस्थल की यह धड़कन आज भी इतिहास और आधुनिक युग के बीच सेतु बनकर खड़ी है।

–जुगल किशोर बिस्सा,
वरिष्ठ पत्रकार

'आवारा कुत्तों' पर सुप्रीम कोर्ट के जजमेंट के बाद जनमानस में उबाल

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर के सभी आवारा कुत्तों को शेल्टर होम्स में बंद करने का आदेश दिया था, आदेश के बाद देशभर में डॉग लवर्स का आक्रोश फूट पड़ा

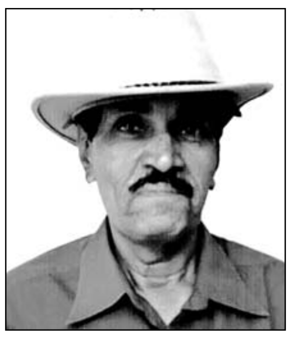

मिश्रीलाल पंवार

इन दिनों आवारा कुत्तों को लेकर देश में एक जंग छिड़ी हुई है। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की बेंच ने दिल्ली–एनसीआर के सभी आवारा कुत्तों को शेल्टर होम्स में बंद करने का आदेश दिया था। इस आदेश के बाद देशभर में डॉग लवर्स का आक्रोश फूट पड़ा। कई जगह लोग सड़कों पर उतर आए। सोशल मीडिया पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश का भारी विरोध होने लगा।

भारतीय संस्कृति को लेकर सुप्रीम कोर्ट के कई विवादित जजमेंट पहले भी आते रहे हैं, मगर कार्ट की अवमानना तथा जेल जाने के डर से लोग नहीं बोल पाते। मगर आजकल लोग हिम्मत दिखाने लगे हैं। इसी के परिणाम स्वरूप आवारा कुत्तों को लेकर सुप्रीम के दो जजों की बैंच के जजमेंट पर बोलने से नहीं डरे। जजमेंट के तुरंत बाद जगह जगह विरोध प्रदर्शन होने शुरू हो गए। सोशल मीडिया पर जीव हितेषियों ने हाहाकार मचा दिया। परिणाम यह हुआ कि दिल्ली–एनसीआर के सभी आवारा कुत्तों को शेल्टर होम्स में बंद करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के तीन जजों की बैंच बैठी और दो जजों की बेंच के आदेश में संशोधन किया। यह फैसला 11 अगस्त 2025 के उस आदेश के बाद आया, जिसमें सभी कुत्तों को शेल्टर में रखने की बात कही गई थी, जिसे 22 अगस्त 2025 को संशोधित कर दिया गया। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने स्वतः संज्ञान लेते हुए इस मामले में फ़ैसला सुनाया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हर शैक्षिक संस्थान, अस्पताल, स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, बस स्टैंड, डिपो, रेलवे स्टेशनों इत्यादि की अच्छी तरह से बाड़बंदी ज़रूरी है, ताकि आवारा कुत्तों को घुसने से रोका जा सके। तीन न्यायाधीशों के इस जजमेंट के बाद डॉग लवर्स और पशु प्रेमी कार्यकर्ताओं को काफी राहत मिली।

जोधपुर निवासी मंजू दहिया ने कहा कि मनुष्य सैंकड़ो हजारों वर्षों से अन्य जीवों के साथ प्रेम पूर्वक रहता आया है। प्रकृति ने सबको जीने का समान अधिकार दिया है। अगर मनुष्य खुद को सर्वश्रेष्ठ समझने तथा अन्य जीवों को धरती का बोझ समझने की भूल करेगा तो ईश्वर कोरोना जैसी आपदा से मनुष्य को सजा देने में भी देरी नहीं करेगा। मनुष्य को ऊपर वाले के जजमेंट से थोड़ा डरना भी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज भी सनातनी परंपरा में घर की माताएं पहली रोटी गाय के लिए तथा दूसरी रोटी कुत्ते के लिए निकालती है। दुनिया की किसी कोर्ट को यह अधिकार नहीं है कि गाय कुत्तों के लिए प्रथम रोटी देने वाली मां को जेल भेजने की बात करें। उन्होंने कहा कि मूक पशु बोल नहीं सकते, इसका मतलब यह तो नहीं कि उन्हें इंसाफ नहीं चाहिए।

इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता कि भारतीय संस्कृति में सब जीवों को बराबर का दर्जा दिया गया है। संत नामदेव और कुत्ते का प्रसंग आज दुनिया में किसी से छुपा नहीं है। महान संत नामदेव एक दिन भोजन बना रहे थे। उन्होंने रोटी बनाई और सोचा कि सब्जी बनाकर भगवान को भोग लगा लूं। उन्होंने रोटी बनाकर रखी ही थी कि एक कुत्ता अचानक से उनकी कुटिया में आया और रोटी लेकर भाग गया। संत नामदेव ने देखा तो विचार किया कि मैंने रोटी पर घी तो लगाया ही नही।

उनकी ईश्वर के प्रति अटूट आस्था और सर्वव्यापी दृष्टि थी। कुत्ता नामदेव की रोटियां लेकर भागा, तो वे हाथ में घी का कटोरा लेकर पीछे दौड़े। बोले, 'रोटी रुखी है, मत खाओ' कहते–कहते कुत्ते के पीछे दौड़ते रहे। कुत्ता आगे–आगे और संत नामदेव पीछे–पीछे भागने लगे। हाथ में कटोरा लिए संत नामदेव से तेजी से नहीं भागा जा रहा था। इसलिए वे जोर–जोर से आवाज भी लगाते रहे कि 'प्रभु, रोटी पर घी तो लगाने दो।'

दरअसल संत नामदेव हर जीव में भगवान का दर्शन करते थे। उन्हें उस कुत्ते में भगवान नजर आ रहे थे। रोटी में घी लगाकर खिलाना चाहते थे, ताकि प्रभु को रूखी रोटी न खानी पड़े। यह प्रसंग इस बात का प्रमाण है कि भारतीय संस्कृति में अन्य जीवों में भगवान का स्वरूप देखने की परम्परा रही है।

हिंदू धर्म में कुत्ते को भगवान भैरव (शिव के उग्र रूप) का वाहन माना गया है, जो सुरक्षा, निष्ठा और सतर्कता का प्रतिनिधित्व करते हैं। कुछ कथाओं में कुत्ते को यमदूत का सहचर और मृत्यु के बाद आत्माओं का मार्गदर्शक भी माना गया है। कुछ लोकमान्यताओं में कुत्तों को सीधे भैरव बाबा का अवतार भी माना जाता है। संक्षेप में, कुत्ता हिंदू धर्म में एक पवित्र प्राणी है, जो सुरक्षा, निष्ठा और संरक्षण का प्रतीक है।

कुत्ते को लेकर एक अन्य प्रसंग भी बहुत प्रसिद्ध है। महाभारत के अंत के बाद पाण्डव द्रौपदी के साथ स्वर्गारोहण यात्रा पर निकल पड़े थे। बद्रीनाथ के बाद जब पाण्डव हिमालय की पहाड़ियों में आगे बढ़ने लगे तो एक कुत्ता उनके साथ–साथ चल पड़ता है। मार्ग में द्रौपदी, सहदेव, नकुल, अर्जुन और भीम की मृत्यु हो गई। युधिष्ठिर पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ता है। कुत्ता भी उनके दुख में सहभागी बना रहा। कुछ विश्राम के बाद युधिष्ठिर स्वर्गारोहण यात्रा पर आगे के लिए रवाना हो गए। इस दौरान वह कुत्ता भी उनके साथ रवाना हो गया। दोनों चलते चलते सतोपंथ तीर्थ पहुंचे। वहां स्नान के बाद जब युधिष्ठिर कुत्ते के साथ यात्रा के अंतिम पड़ाव पर पहुंचे तो भगवान इंद्र अपने रथ के साथ उन्हें लेने आए। धर्मराज युधिष्ठिर के साथ एक कुत्ते को देखा तो इन्द्र ने कुत्ते को स्वर्ग में ले जाने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि कुत्ते के साथ स्वर्ग प्रवेश वर्जित है। उस कुत्ते को यहीं छोड़ना पड़ेगा।

इस पर धर्मराज युधिष्ठिर ने दृढ़ता से कहा कि जिसने अंतिम समय में मेरा साथ दिया, वफादारी निभाई, उसे अंतिम क्षण में नहीं छोड़ सकता। उन्होंने कहा, "स्वर्ग का सुख इस वफादार साथी को छोड़ने के दुख के आगे कुछ भी नहीं है"।

धर्मराज युधिष्ठिर की जीव के प्रति करुणा देखकर भगवान इन्द्र प्रसंन्न हो उठे। इतने में कुत्ते के रूप में मौजूद धर्मदेव अपने स्वरूप में प्रकट हों गए। उन्होंने बताया कि उन्होंने उनकी परीक्षा लेने के लिए कुत्ते का रुप धारण किया था। हिन्दू धर्म के ग्रन्थों में ऐसे अनेक उदाहरण भरे पड़े हैं, जिसमें कुत्ते तथा गाय को 'आवारा' नहीं बल्कि, 'पूज्यनीय' बताया गया है।

-मिश्रीलाल पंवार,
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार है)

राशिफल मंगलवार 24 फरवरी, 2026

पंडित अनिल शर्मा

फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, कृत्तिका नक्षत्र दिन 3:07 तक, ऐन्द्रयन योग प्रातः 7:24 तक, वणिज करण प्रातः 7:03 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य–कुम्भ, चन्द्रमा–वृष, मंगल–कुम्भ, बुध–कुम्भ, गुरू–मिथुन, शुक्र–कुम्भ, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

त्रिपुष्कर योग सूर्योदय से प्रातः 7:03 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 3:07 तक है। ज्वालामुखी योग प्रातः 7:03 से दिन 3:07 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:5 से 11:15 तक, लाभ–अमृत 11:15 से 2:05 तक, शुभ 3:30 से 4:35 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 7:00, सूर्यास्त 6:20

मेष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयास सफल रहेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

वृष

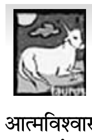

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आज व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। अनावश्यक धन खर्च होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में संयम रखना ठीक रहेगा।

कर्क

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

सिंह

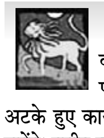

व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

तुला

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज व्यावसायिक कार्यों के कारण मानसिक तनाव बना रहेगा।

वृश्चिक

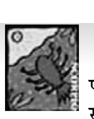

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में आज धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मकर

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ

घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सार-समाचार

जोधपुर रेलवे स्टेशन पर श्रमदान

जोधपुर, (कासं)। यात्रियों को स्वच्छ और बेहतर रेल परिसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल पर सोमवार को जोधपुर रेलवे स्टेशन पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। डीआरएम अनुराग त्रिपाठी के निर्देशानुसार अभियान में रेल अधिकारियों-कर्मचारियों ने श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। पार्सल कार्यालय से एमडीडीटीआई क्षेत्र तक सघन सफाई कार्यक्रम संचालित किया गया। इस दौरान परिसर में जमा कचरा हटाया गया,प्लेटफॉर्म व आसपास के क्षेत्रों की सफाई की गई तथा स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए विशेष ध्यान दिया गया। कार्यक्रम में सफाई कर्मियों के साथ विभिन्न विभागों के रेल कर्मचारियों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई और श्रमदान करते हुए स्टेशन परिसर की साफ-सफाई में सहयोग किया। इस अवसर पर अधिकारियों ने कर्मचारियों को स्वच्छता के महत्व के बारे में भी बताया और सभी को अपने कार्यस्थल को साफ-सुथरा रखने के लिए प्रेरित किया। स्वच्छता अभियान में मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक दिलीप कुमार, दीपक त्रिवेदी, मुख्य वाणिज्य निरीक्षक मान सिंह राठौड़,मुख्य पार्सल पर्यवेक्षक किशनलाल चांवरिया,मुख्य टिकट निरीक्षक सुनील तथा स्टेशन प्रबंधक विजयलाल शर्मा सहित अन्य रेल कर्मचारियों ने भाग लिया और श्रमदान किया।

डेजर्ट ट्रेकिंग शिविर में 4 रोवर का चयन

पाली, (नि.सं.)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड राज्य मुख्यालय जयपुर के तत्वावधान में 24 से 28 फरवरी 2026 तक आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय डेजर्ट ट्रेकिंग रोवर रेंजर शिविर में जिले के 4 रोवर का चयन हुआ है। सी ओ स्काउट गोविन्द मीना ने बताया कि जैसलमेर में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय डेजर्ट ट्रेकिंग शिविर में राजस्थान प्रदेश के विभिन्न जिलों से 150 रोवर रेंजर सहभागिता करेंगे, शिविर में सहभागिता करने वाले रोवर रेंजर प्रतिदिन 10 से 15 किलोमीटर की पैदल ट्रेकिंग कर विभिन्न दर्शनीय स्थलों का भ्रमण करेंगे। रात्रि हाइक, नाइट कैंपिंग, डेजर्ट सफारी, ओर भारत पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा का विजिट कर भारतीय सेना के जवानों के साथ अनुभव सांझा करेंगे। पाली जिले से इस शिविर में राजकीय बांगड़ महाविद्यालय पाली से 3 रोवर विवेक, भावेश ओर जितेंद्र टांक तथा शिवाजी ओपन रोवर क्रू से रोवर सुरेश कुमार का चयन राज्य मुख्यालय द्वारा शिविर में सहभागिता के लिए किया गया है। शिविर में चयन होने पर सी ओ गाइड डिंपल दवे, जिला मुख्य आयुक्त, जिला प्रशिक्षण आयुक्त प्रकाश चंद्र सिंघाड़िया ओर जिला संगठन के विभिन्न पदाधिकारी ने बधाई दी एवं शुभकामनाएं दी है।

फूलों की होली, फाग गीतों पर नृत्य

जोधपुर, (कासं)। सूर्यनगरी में इन दिनों होली का त्योहार नजदीक आने के साथ ही अनेक गली-मोहल्लों, मंदिरों में फाग उत्सव मनाए जा रहे हैं। इस दौरान फागणियां पोशाक में शामिल हो रही महिलाएं फाग गीतों की प्रस्तुतियां भी दे रही हैं। आज उदयमंदिर स्थित विष्णु भवन में फागोत्सव मनाया गया। चिंकी राजपूत ने बताया कि फागोत्सव की शुरूआत गणेशजी के भजन की गई। भगवान गणेश के जयकारों, फाग गीतों और भजनों से भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिलाओं ने भजन-कीर्तन प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में वीणा कंवर, उमा कंवर, संजू कंवर, चिंकी राजपूत, बबीता कंवर, श्रुति सिंह, देवेन्द्र कौर, विमला नागपाल, पिंकी बमोत्रा, किरण बाला, अम्बिका सिंह, अर्चना गुर्जर, सीमा बागरेचा, सुमन कंवर, पूजा मिश्रा, कविता सैन, प्रीति शर्मा, कल्पना प्रजापत, संजू भाटी, जसोदा भाटी, कमला राजपुरोहित, निर्मला खत्री आदि महिलाओं ने पुष्पों की होली खेलकर प्रेम और आस्था का संदेश दिया, जिससे पूरा माहौल दिव्य सुगंध और भक्तिरस से सराबोर हो गया। महिलाओं ने फाल्गुनी धुनों ने वातावरण को आध्यात्मिक आनंद से भर दिया।

अवैध निर्माण पर तत्काल कार्रवाई मांगी

जालोर , (कासं)। जालोर शहर के आसन की पोल के वास हो रहा अवैध निर्माण कार्य रुकवाने को लेकर गोस्वामी समाज सेवा समिति, जालोर की ओर से आयुक्त, नगर परिषद जालोर को ज्ञापन सौंपकर सार्वजनिक सडक पर किए जा रहे अवैध निर्माण को तत्काल रुकवाने एवं ध्वस्त करवाने की मांग की गई है। ज्ञापन में बताया गया कि संस्था की भूमि/परिसर के समीप स्थित नगर परिषद की सार्वजनिक सडक पर कुछ व्यक्तियों द्वारा बिना वैध स्वीकृति एवं नक्शा पास कराए नियमों के विरुद्ध निर्माण कार्य किया जा रहा है। इससे सार्वजनिक मार्ग अवरुद्ध हो रहा है और आमजन को आवागमन में भारी असुविधा का सामना करना पड रहा है। समिति का कहना है कि यह निर्माण नगर परिषद के नियमों का खुला उल्लंघन है तथा सार्वजनिक भूमि पर अति मण कर जनहित और कानून व्यवस्था के विपरीत है। यदि समय रहते इसे नहीं रोका गया तो भविष्य में यह स्थायी अति मण का रूप ले सकता है, जिससे संस्था एवं क्षेत्रवासियों को गंभीर परेशानी उठानी पड सकती है। समिति ने मांग की है कि संबंधित स्थान पर हो रहे अवैध निर्माण को तत्काल रुकवाया जाए, जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए नगर परिषद की भूमि/सडक पर अतिक्रमण को ध्वस्त किया जाए।

फिजियोथैरेपी-एक्यूप्रेशर शिविर संपन्न

जोधपुर, (कासं)। स्व. राजकुमार सिंह भण्डारी की स्मृति में स्व. राजकुमार सिंह भण्डारी मेमोरियल ट्रस्ट एवं दिव्यालोक सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय निःशुल्क फिजियोथैरेपी एवं एक्यूप्रेशर शिविर सोमवार को सम्पन्न हुआ। शिविर में 500 से अधिक रोगियों का उपचार किया गया। संस्थान की सेंटर प्रभारी संजुलता गौड़ ने बताया कि शिविर में जांच एवं उपचार के लिए साढ़े चार सौ से अधिक लोगों ने पंजीकरण करवाया। इसके अलावा भी आने वाले रोगियों का उपचार किया गया। समापन अवसर पर संस्थान अध्यक्ष घनश्याम ओझा ने कहा कि आहत से राहत के उद्देश्य से स्थापित संस्थान ने पूरी तन्मयता के साथ शिविर का आयोजन कर जरूरतमंदों को राहत प्रदान की, जो सराहनीय है। सुमेरमल गौड़ ने कहा कि परोपकार से बड़ा कोई धर्म नहीं होता। स्वर्गीय राजकुमार सिंह भंडारी हमेशा दूसरों की मदद के लिए तत्पर रहते थे और आज उनका परिवार भी उसी समर्पण भाव से समाज सेवा से जुड़ा हुआ है। सेवाएं देने वाले थेरेपिस्टों का सम्मान भी किया गया। ।

स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग का ज्ञापन

रेवदर, (निसं)। गुलाबगंज गांव से होकर गुजर रहे राष्ट्रीय राजमार्ग-168 पर स्पीड ब्रेकर लगाने को लेकर जिला कलक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि ग्राम गुलाबगंज से होकर गुजर रहे राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की अत्यधिक तेज गति होने के कारण आए दिन दुर्घटनाएँ होती रहती हैं हाल ही में दो दुर्घटनाएँ घटित हुई हैं, जिनमें एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई तथा दूसरे व्यक्ति को गंभीर चोटें आईं हैं। ग्रामवासियों की सुरक्षा एवं दुर्घटनाओं की रोकथाम के साथ-साथ विद्यालय में पढने वाले बच्चों की सुरक्षा भी अत्यंत आवश्यक है। विद्यालय के पास से प्रतिदिन सैकडों बच्चे आते-जाते हैं, और तेज गति से गुजरते वाहनों के कारण उनकी जान को गंभीर खतरा बना रहता है। ज्ञापन के माध्यम से सभी ग्रामवास निम्न स्थानों पर स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के लिखमिदास मंदिर के पास ओर सरकारी विद्यालय के पास बच्चों की सुरक्षा हेतु गुलाबगंज बस स्टैंड पर दो स्पीड ब्रेकर लगाए जाए। इन स्थानों पर स्पीड ब्रेकर लगाए जाने से दुर्घटनाओं में कमी आएगी और विशेषकर विद्यालय के बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। लक्ष्मण सिंह बीका, जीवा राम चौधरी, रूपा राम, प्रदीप माली, अर्जुन बोराना आदि मौजूद रहे।

डॉ. उम्मेद कंवर का नीट पीजी में चयन

जालोर, (कासं)। जालोर शहर की कालका कॉलोनी निवासी डॉ. उम्मेद कंवर को प्रथम प्रयास में नीट पीजी परीक्षा 2025 में एम डी (रेडिएशन ऑनकोलॉजी) के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल चंडीगढ अलॉट हुई है । जालोर की इस होनहार बेटी ने वर्ष 2025 में एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर से एमबीबीएस की डिग्री कंप्लीट की तथा इंटर्नशिप के साथ ही प्रथम प्रयास में राजकीय सेवा में मेडिकल ऑफिसर (चिकित्सक) बनी। प्रथम प्रयास में ही नीट पीजी की सीट निकालने में सफलता हासिल करने पर समाज बंधुओ ने बधाई देकर खुशी जाहिर की। यह बालिका प्रारम्भ से ही पढने में अव्वल रही है। इनके पिता पुखसिंह भाटी राज्य सेवा में नायब तहसीलदार के पद पर कार्यरत है। वर्तमान में प्राथमिक चिकित्सा केंद्र गोदन में कार्यरत है।

युवक-युवती परिचय सम्मेलन होगा

जोधपुर, (कासं)। श्री प्रजापति समाज सोनी बाई भवन सरदारपुरा के तत्वावधान में अखिल भारतीय कुम्हार (प्रजापति) समाज द्वारा युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन 5 अप्रैल को किया जाएगा। यह सम्मेलन श्री विश्वकर्मा पब्लिक स्कूल (जांगिड़ भवन) शास्त्री नगर दल्ले खां चौराहा के पास पाल रोड में आयोजित होगा।

जोधपुर में जे.डी.ए. का 1789 करोड़ का बजट पारित

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) का बजट आज अध्यक्ष व सम्भागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह की अध्यक्षता में बोर्ड बैठक में पारित किया गया। इस साल 1789 करोड़ का बजट सर्वसम्मति से पारित किया गया।

जेडीए आयुक्त उत्साह चौधरी ने बताया कि जोधपुर शहर के चहूंमुखी विकास एवं प्राधिकरण की आय के स्त्रोत बढ़ाने के क्रम में प्राधिकरण द्वारा शहरवासियों के लिए बजट वर्ष 2026-27 में चार नवीन योजनाएं प्रस्तावित की गई है। जोधपुर विकास प्राधिकरण द्वारा ग्राम चौखा में सरदार पटेल आवासीय विस्तार योजना, बासनी लाच्छा में प्रस्तावित नवीन आवासीय योजना, मोगड़ा कलां में ट्रांसपोर्ट नगर एवं ऑटोमोबाईल विस्तार योजना के साथ-साथ ग्राम चौखा में नवीन आवासीय योजना प्रस्तावित की गई।

वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रस्तावित बजट 178900 लाख रुपए की प्राप्तियां के मुख्य स्त्रोत भूमि की ब्रिकी से आय, वर्गीकृत आवासीय योजनाओं से प्राप्तियां, भूमि रूपान्तरण से आय, नगरीय कर एवं शहरी जमाबन्दी से प्राप्तियां, निक्षेपों एवं धरोहर से प्राप्तियां तथा अन्य आय यथा ऋणां से प्राप्तियां, शुल्क, शास्तियां, ब्याज, किराया, डिपोजिट कार्य से प्राप्तियां, वेतन से कटौती एवं अग्रिम वसूली आदि से आय का अनुमान है।

इसी प्रकार वित्तिय वर्ष 2026-27 के दौरान 178900 लाख रुपए के कुल व्यय एवं भुगतानों का अनुमान के अन्तर्गत सामान्य प्रशासन, विकास कार्यों पर व्यय, राज्य सरकार का अंशदान तथा अन्य व्ययों का प्रावधान रखा गया है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 में विकास कार्यों पर व्यय के लिए प्रस्तावित 152191 लाख रुपए के बजट प्रावधान अनुसार प्राधिकरण द्वारा प्रस्तावित महत्वपूर्ण कार्यों के अन्तर्गत जोधपुर शहर में भाटी चौराहा, जलजोग चौराहा एवं अन्य स्थानों पर अन्डरपास निर्माण कार्य के लिए 5000 लाख रुपए, मेहरानगढ़ फोर्ट के लिए राव जोधा मार्ग (घोडा घाटी रोड) के विकास, सौन्दर्यकरण तथा लाईटिंग के कार्य के लिए 1000 लाख रुपए, लूणी पंचायत समिति से राजाराम शिक्षण संस्थान तक फुटओवर ब्रिज का निर्माण कार्य के लिए 500 लाख रुपए, पंचकुंडा क्षेत्र के सौंदर्यकरण तथा संबंधित अन्य विकास कार्य हेतु 500 लाख रुपए, श्री गणेश मंदिर रातानाडा में विकास एवं सौन्दर्यकरण के कार्य के लिए 600 लाख रुपए, सालावास से कांकाणी तक सड़क निर्माण कार्य के लिए 500 लाख रुपए का बजट प्रावधान किया गया है।

प्राधिकरण के वंचित क्षेत्रो में सीवरेज लाईन एवं एसटीपी की डीपीआर, कंसल्टेंसी एवं निर्माण कार्य के लिए 2000 लाख रुपए, विवेक विहार एसटीपी से उपचारित अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग के लिए डीपीआर कंसल्टेंसी एवं आवश्यक निर्माण कार्य के लिए 1000 लाख रुपए, मुख्य सडक़ों पर स्मार्ट स्पीड डिटेक्शन सिस्टम के लिए 175 लाख रुपए, मुख्य स्थानों पर डिजिटल आउटडोर एलईडी डिस्पले पैनल बीओटी के लिए 400 लाख रुपए, आउटर रिंग रोड जोधपुर के लिए डीपीआर कार्य के लिए 200 लाख रुपए, कायलाना से सिद्धनाथ तक सडक़ सुदृढीकरण एवं चौड़ाईकरण कार्य के लिए 300 लाख रुपए एवं जोधपुर के अनकवर्ड क्षेत्रों में ट्रैफिक सिग्नल लाईट्स लगवाने के कार्य के लिए 100 लाख रुपए का भी बजट प्रावधान किया गया है।

जोधपुर विकास प्राधिकरण द्वारा विकास कार्यों पर व्यय के लिए प्रस्तावित 152191 लाख रुपए के बजट प्रावधान अनुसार श्रेणीवार मुख्यतः प्राधिकरण योजना क्षेत्र, प्राधिकरण की योजनाओं से इतर प्राधिकरण क्षेत्र, शहरी क्षेत्र में विकास कार्य एवं मुख्यमंत्री बजट घोषणा एवं डिपोजिट कार्य पर व्यय किया जाएगा तथा कार्यवार शहरी क्षेत्र में सडक़ निर्माण, नाला-नाली निर्माण, विद्युतीकरण, जलापूर्ति, सीवरेज, यातायात सुधार, वृक्षारोपण एवं अन्य विकास कार्यों के लिए जोनवार बजट प्रावधान किया गया है।

इसके अतिरिक्त पार्क, सामुदायिक भवन, चारदीवारी, बस क्यू शेल्टर, अन्य यूटिलिटी सेवाओं के विकास के लिए भी आवश्यक बजटीय प्रावधान किए गए है।

बैठक में सचिव चंचल वर्मा, एडीएम सिटी-प्रथम अंजूम ताहिर सम्मा, जेडीए निदेशक, उपायुक्त सहित डिस्कॉम, राज. आवासन मण्डल, पीएचईडी, पीडब्ल्यूडी के उच्च अधिकारी मौजूद रहे।

सम्पर्क पोर्टल की परिवेदनाओं का निस्तारण करें : डॉ. गावंडे

जालोर, (कासं)। जिला कलैक्टर जालोर डॉ. प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई। जिसमें संपर्क पोर्टल की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने संपर्क पोर्टल पर प्राप्त परिवेदनाओं की विभागवार समीक्षा की तथा विभागीय अधिकारियों को संपर्क पोर्टल पर प्राप्त आमजन की परिवेदनाओं का त्वरित रूप से निस्तारण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी औसत समय में कमी लाते हुए परिवेदनाओं का गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करें।

उन्होंने जिले में राज्य सरकार के निर्देशानुसार ग्राम एवं ब्लॉक स्तर पर आयोजित होने वाली जनसुनवाई एवं समाधान व्यवस्था शिविर की समीक्षा करते हुए कहा कि विभागीय अधिकारी जनसुनवाई के दौरान जिले के नागरिकों की परिवेदनाओं का गुणवत्तापूर्ण समाधान करें।

इस अवसर पर जिला परिषद जालोर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नंद किशोर राजोरा, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी लादेश शर्मा, सीएमएचओ डॉ. भेराराम जाणी, वन विभाग के एसीएफ भंवर सिंह सोढ़ा, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र के महाप्रबंधक संग्रामराम देवासी, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के उप निदेशक डॉ. धनसिंह राजपुरोहित, जिला रसद अधिकारी आलोक झरवाल, नगर परिषद के आयुक्त दिलीप माथुर, सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त निदेशक कपिल लूणा, पीएचईडी के एसई संजय शर्मा, सहित अधिकारी-कार्मिक उपस्थित रहे।

खड़े वाहनों में आग लगाई

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में बदमाशों ने घर के बाहर खड़े डंपर, ट्रक, कार और कैम्पर में आग लगा दी। आरोपियों ने ज्वलनशील पदार्थ फेंक कर पीड़ित के घर को भी नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें ये वाहन जलते हुए दिखाई दे रहे हैं।

राजीव गांधी नगर थाने में एडवोकेट रविंद्र चौधरी ने बताया कि रविवार रात करीब 3 बजे 10 से ज्यादा बदमाश चारदीवारी फांदकर अंदर घुसे। उन्होंने वहां खड़े वाहनों पर पेट्रोल और कांच की बोतलों में भरे ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी। दोनो पक्षों के बीच केरू गांव में पत्थर के खनन को लेकर विवाद चल रहा है।

राजसखी मेला आयोजित

पाली, (नि.सं.)। जिला प्रशासन एवं राजीविका के तत्वावधान में स्थानीय रामलीला मैदान में आयोजित दो दिवसीय 'राजमखी मेला' ग्रामीण महिला उद्यिमयों के लिए अत्यंत सफल रहा। 21 एवं 22 फरवरी को आयोजित इस मेले में शहरवासियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। सोजत ब्लॉक से राजीविका समूह से जुड़ी महिलाओं ने मेले का भ्रमण कर विभिन्न स्टॉलों से खरीदारी की।

मेले के दौरान विभिन्न स्वयं सहायता समूहों द्वारा स्थापित स्टॉलों के माध्यम से कुल 2 लाख रुपये से अधिक का व्यापार दर्ज किया गया।

मेले के उद्घाटन के साथ ही जिले के विभिन्न स्वयं सहायता समूहों की स्टॉलों पर ठााहकों की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली। हस्तशिल्प, घरेलू मसाले, सजावटी सामठाी एवं पारंपरिक राजस्थानी परिधानों की विशेष मांग रही।

रविवार को अवकाश होने के कारण आगंतुकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जिससे बिक्री में जबरदस्त उछाल आया और कुल व्यापार 2 लाख रुपये के आंकड़े को पार कर गया।

मेले में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए शुद्ध एवं पारंपरिक राजस्थानी व्यंजनों ने आगंतुकों को विशेष रूप से आकर्षित किया। स्वच्छता एवं घर जैसे स्वाद के कारण फूड स्टॉलों पर दिनभर भीड़ बनी रही, जिससे कुल बिक्री में महत्वपूर्ण योगदान मिला।

मजदूर के घर में हुई चोरी के दो आरोपी पकड़े

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की बासनी पुलिस ने सांगरिया फांटा स्थित अमरावती नगर में दिनदहाड़े एक मजदूर के मकान में हुई चोरी का खुलासा करते हुए दो शातिरों को पकड़ा है। एक के खिलाफ पहले ही आठ प्रकरण अलग अलग धाराओं के सामने आए है।

आरोपियों से चोरी के चांदी के आभूषण भी बरामद किए गए है। घटना 19 फरवरी की है।

थानाधिकारी नितिन दवे ने बताया कि सांगरिया फांटा स्थित अमरावती नगर में रहने वाले एक मजदूर मुकेश पुत्र ओमाराम भाट ने रिपोर्ट दी कि वह 19 फरवरी को मजदूरी पर गया था। पत्नी भी साथ थी। वापिस शाम को लौटा तो ताले टूटे मिले। अलमारी का लॉक भी टूटा हुआ था। अज्ञात चोरों ने वहां से चांदी का कंदोरा, बिचुडियां, पायजेब, अंगुठियां, सोने की लूंग जोड़ी आदि जेवरात चोरी कर ले गए।

थानाधिकारी नितिन दवे ने बताया कि चोरी की इस घटना के खुलासे के लिए पुलिस की टीम एएसआई पप्पाराम, कांस्टेबल दिनेश सैन एवं राकेश की लगाई गई। पुलिस ने आस पास लगे सीसीटीवी फुटेज से दो शातिर नकबजन राधा कृष्ण विहार सांगरिया फांटा निवासी विकास कुमार पुत्र गौरीशंकर एवं भोमियाजी कॉलोनी सालावास रोड निवासी सुनील पुत्र ओमप्रकाश की पहचान की। बाद में दोनों को गिरफ्तार किया।

आरोपियों के पास चांदी के कुछ आभूषण जब्त किए गए है। अन्य चोरियों की वारदातों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।आरोपी विकास कुमार के खिलाफ पूर्व में आठ प्रकरण बासनी, जीआरपी थाने में दर्ज हो रखे है। जिसमें चोरी, आर्म्स एक्ट आबकारी आदि में दर्ज है।

अंग्रेजी शराब बरामद की

जोधपुर, (कासं)। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल पर चलाई जा रही स्पेशल चेकिंग ड्राइव के दौरान ट्रेन में अवैध रूप से ले जाई जा रही बड़ी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की गई है। चैकिंग देख कर शराब लेकर सफर कर रहा यात्री ट्रेन से फरार हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जोधपुर मंडल के सीनियर डीसीएम हितेश यादव ने बताया कि जालोर के वाणिज्य निरीक्षक नटवर दान चारण को विशेष जांच के दौरान 22 फरवरी को जैसलमेर से रवाना हुई ट्रेन संख्या 20491 जैसलमेर-साबरमती सुपरफास्ट एक्सप्रेस के जनरल कोच में 22 फरवरी की रात रानीवाड़ा और भीलड़ी स्टेशनों के बीच एक संदिग्ध ट्रॉली बैग दिखाई दिया। बैग के पास बैठे यात्री से पूछताछ करने पर वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया।

इसी दौरान ट्रेन जब मारवाड़ रतनपुर स्टेशन के पास धीमी हुई तो वह यात्री बैग छोड़कर मौके से फरार हो गया। इसके बाद बैग की जांच करने पर उसमें करीब 100 क्वार्टर अंग्रेजी शराब बरामद हुई। वाणिज्य निरीक्षक चारण ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए बरामद शराब ट्रॉली बैग सहित जीआरपी जालोर को सुपुर्द कर दी।

सीनियर डीसीएम ने बताया कि डीआरएम अनुराग त्रिपाठी के निर्देशानुसार जोधपुर मंडल की ट्रेनों में अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए इस तरह के विशेष जांच अभियान लगातार चलाए जा रहे हैं और आगे भी जारी रहेंगे।

आयुर्वेद वि.वि. में राष्ट्रीय विद्धकर्म कार्यशाला हुई

जोधपुर, (कासं)। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय में एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला एवं हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्धकर्म का आयोजन किया गया। यह अकादमिक कार्यक्रम मानव संसाधन विकास केंद्र एवं स्नातकोत्तर शल्य तंत्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कुलगुरु प्रोफेसर (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल की अध्यक्षता एवं कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलगुरू प्रोफेसर वी.एस. जैतावत के मुख्य आतिथ्य में हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं धन्वंतरि वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर पुणे के प्रख्यात आयुर्वेदाचार्य एवं विद्धकर्म विशेषज्ञ डॉ. अमोल उत्तम बंसोड़े मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

कुलगुरु प्रोफेसर (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि आयुर्वेद की पारंपरिक पराशल्य विधाओं का वैज्ञानिक पुनर्स्थापन समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, कि विद्धकर्म जैसी प्राचीन एवं प्रभावी चिकित्सा पद्धित को शोध एवं प्रशिक्षण के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाना हमारा दायित्व है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर जैतावत ने कहा कि आयुर्वेद एवं कृषि विश्वविद्यालय साथ मिलकर के आमजन की स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करेंगे। मुख्य वक्ता डॉ. अमोल उत्तम बंसोड़े ने अपने विस्तृत व्याख्यान में विद्धकर्म की मूल अवधारणा, शास्त्रीय संदर्भ, प्रक्रिया-विधि एवं वैज्ञानिक आधार पर प्रकाश डाला।

कार्यशाला का प्रमुख आकर्षण लाइव डेमो एवं हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण सत्र रहा, जिसमें प्रतिभागियों को बिंदु चयन, सुई प्रवेश की तकनीक, गहराई नियंत्रण एवं पश्चात् देखभाल की व्यावहारिक जानकारी दी गई। स्नातकोत्तर विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों एवं चिकित्सकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विशेषज्ञ मार्गदर्शन में प्रत्यक्ष प्रशिक्षण प्राप्त किया।

इस अवसर पर उप प्राचार्य प्रोफेसर ए नीलिमा, शल्य तंत्र विभागाध्यक्ष प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा, बोर्ड ऑफ स्टडीज के अध्यक्ष प्रो. गोविंद प्रसाद गुप्ता एवं परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर राजाराम अठावाल , डॉ राकेश कुमार शर्मा , प्रोफेसर दिनेश शर्मा सहित संकाय सदस्य, छात्र उपस्थित रहे।

शल्य तंत्र विभाग के संकाय सदस्यों में प्रो. राजेश कुमार गुप्ता, सह प्राध्यापक डॉ. विष्णु दत्त शर्मा, सह प्राध्यापक डॉ. नीरज कुमार शर्मा, सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रेम कुमार एवं डॉ. राजीव सोनी सहित अन्य समस्त संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

हादसे में एक जने की मौत

पिण्डवाडा, (निसं)। सिरोही से पिण्डवाडा आने वाले राष्टीय राज्य मार्ग जनापुर चौराहा हाईवे मार्ग पर यात्रियों से भरी रोडवेज बस को बचाने के चलते सिरोही की ओर से आ रहा ट्रक टेलर अनियंत्रित होकर चौराहे के किनारे पर पलट गया। चौराहे पर खडे दो मोटरसाइकिल सवार ट्रक के नीचे दब गए।इस दुर्घटना में ट्रक के नीचे दबने से एक युवक की हुई गंभीर मौत और एक अधेड गंभीर घायल हुआ।

इस दुर्घटना के बाद हाईवे पर कई किलोमीटर तक जाम लग गया। जानकारी के अनुसार सोमवार दोपहर 1.45 बजे करीब शहर के फॉर लाइन हाईवे मार्ग की जनापुर चौराहे पर सिरोही रोड बस स्टैंड से राजस्थान रोडवेज की यात्रियों से भरी हुई बस सिरोही की ओर रवाना हुई थी यात्री बस जैसे ही जनापुर चौराहे हाईवे मार्ग पार करने लगी। इस दौरान सिरोही की ओर से राखोडा जिप्सम मिट्टी से भरा हुआ ट्रेलर ट्रक आया। बस को बचाने के चलते अचानक ब्रेक लगे। ट्रक विपरीत दिशा में जाकर पलट गया।

सार-समाचार

प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी

जालोर, (कासं)। जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने गुरू गोलवलकर आकांक्षी ब्लॉक विकास योजना के तहत चयनित जालोर ब्लॉक के विकास के लिए 1.5 करोड़ रूपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की है। जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने बताया कि गुरू गोलवलकर आकांक्षी ब्लॉक विकास योजना के तहत चयनित जालोर ब्लॉक में शिक्षा विभाग को 62 लाख 80 हजार रूपये, महिला एवं बाल विकास विभाग जालोर को 56 लाख व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जालोर को 31 लाख 20 हजार की राशि विभिन्न संसाधनों के उपापन व क्रियान्वयन के लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की गई हैं। जिसके तहत शिक्षा विभाग में 62 लाख 80 हजार की राशि से स्मार्ट क्लास रूप के लिए आईएफपीडी सेट व प्रोजेक्टर सेट लगाए जाएंगे। महिला एवं बाल विकास विभाग में 56 लाख की राशि से पूर्व प्राथमिक कक्षाओं में फर्नीचर व आईसीटी (स्मार्ट टीवी) आंगनवाड़ी केन्द्र के लिए व्यय किए जाएंगे। इसी प्रकार चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में 31 लाख 20 हजार की राशि से प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण, आईईसी एवं कार्यशाला, बीपी मशीन, स्टेथेस्कॉप, फेटोस्कॉप, वेइंग मशीन (वजन तौलना), थर्मामीटर, एचबी (डिजिटल), ग्लूकोमीटर, ग्लूकोमीटर स्ट्रिप्स, शार्प डिस्पोजल कंटेनर, इनफेन्ट वेइंग स्केल, ऑटोक्लेव, रेडियंट वार्मर, सक्शन मशीन, मल्टीपर मीटर पेशेंट मॉनीटर, अब्स्टेट्रिक्स लेबर टेबल, स्पुतम कलेक्शन कंटेनर, लेबर टेबल, क्रेश कार्ड ट्रोली, बकेट ट्रोली व ऑटोक्लेव फॉर लेबर रूम आदि संसाधानों का उपापन व क्रियान्वयन किया जायेगा।

विकसित भारत युवा संसद आयोजित

जालोर, (कासं)। वीर वीरमदेव राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जालोर में 25 फरवरी को जिला स्तरीय विकसित भारत युवा संसद 2026 का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से परिचित कराना तथा उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम में जिले के 18 से 25 आयु वर्ग के युवा प्रतिभागी भाग लेंगे। प्रतिभागियों के लिए रिपोटिंग समय प्रातः 9 बजे से निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम के सफल आयोजन सुनिश्चित करने के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य मनीष अखावत की अध्यक्षता में महाविद्यालय परिसर में आयोजन समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें महाविद्यालय प्रशासन के स्टाफ सदस्य आर.एल.नोगिया, कृष्णा देवल ,डॉ.प्रताप सिंह, दिनेश कुमार मीणा, राजल मिश्रा आदि व मेरा युवा भारत केन्द्र के प्रतिनिधि चन्दन भी उपस्थित रहे तथा आयोजन की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। आयोजकगण डॉ. मनीष सिंह एवं राज कुमार जलवानिया ने बताया कि युवा संसद कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने विचार प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने, संसदीय परंपराओं को समझने तथा समसामयिक विषयों पर सार्थक संवाद करने का अवसर प्राप्त होगा।

सैन समाज ने मांग बताई, ज्ञापन दिया

जालोर, (कासं)। सैन समाज जालोर ने बीकानरे के रणजीपुरा गांव में समाज के एक की बालिका की हत्या के आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर फांसी की सजा दिलवाने की मांग को लेकर जिला कलैक्टर डॉ.प्रदीप के गांवडे को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में बताया कि बीकानेर के रणजीपुरा गांव (बज्जु) में 21 फरवरी को सेन समाज की बारह वर्षीय बेटी वसुंधरा जो कक्षा आठवीं की छात्रा थी । जिसकी कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा उसका अपहरण करके उसका बलात्कार किया गया। उसके बाद उसकी निर्मल हत्या कर की गई। वही उसके शव को पास ही जंगल में फेंक दिया गया। सोमवार को घटना को तीन दिन होने को आ गए है। अभी तक पुलिस ने दोषियों की गिरफ्तारी नहीं कर पा रही है। अभी तक उस नाबालिग बेटी का पोस्टमार्टम भी नहीं होगा। जब तक सैन समाज की बेटी को न्याय नही मिलेगा। वही परिवार को आर्थिक सहायता समय रहते नही देकर न्याय नही दिया गया तो राजस्थान का सम्पूर्ण सैन समाज बीकानेर में महापडाव करेगा। जिसकी जिम्मेदारी राजस्थान सरकार व प्रशासन की रहेगी। ज्ञापन में आरोपियो को जल्द से जल्द गिरफतार क सजा दिलाने की मांग की गई। ज्ञापन देने जोगेश सैन, नारायणलाल, मांगीलाल, पी.बी.सैन,अशोक, दिपेश, अमृत सहित काफी संख्या में सैन समाज के लोग मौजूद रहे।

बादल बारोट बने मिस्टर मॉडल महाराष्ट्र

जालोर, (कासं)। अन्तर्राष्ट्रीय फैशन फैस्ट एण्ड अवार्ड 2026 का ऑल इंडिया फैशन एसोसिएशन एवं हिन्दूस्तान ब्रेड क्लब की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में जालोर के बादल बारोट मिस्टर मॉडल महाराष्ट्र चुने गये। कार्यक्रम में फैशन, टैलेंट और ग्लैमर का अनूठा संगम देखने को मिला। जहाँ देशभर से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर जालोर (राजस्थान) के उभरते हुए मॉडल बादल सिंह बारोट मिस्टर मॉडल महाराष्ट्र और मिस मॉडल महाराष्ट्र राजश्री राठौड, टीन मॉडल महाराष्ट्र गणपत परमार , टीन मॉडल महाराष्ट्र और निशा रावल को 'मॉडल ऑफ महाराष्ट्र अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान संस्थापक आईआईएफए शिवायसिंह परमार एवं सावित्री जोशी संस्थापक दिल्ली मॉडलिंग स्कूल द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम में बॉलीवुड के कई चर्चित सितारे, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, फैशन डिजाइनर एवं कोरियोग्राफर उपस्थित रहे। साथ ही प्रेसिडेंट आरबीसी सेंडी राजपूत की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की शोभा बढाई। इस उपलब्धि से जालौर सहित पूरे राजस्थान में गर्व और उत्साह का माहौल है।

बालोतरा पुलिस का अभियान कीटनोद से

बालोतरा, (निसं)। जिले में सुरक्षित और नशामुक्त समाज की संकल्पना को साकार करने के लिए बालोतरा पुलिस द्वारा अपना गांव, अपनी जिम्मेदारी अभियान का आगाज किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अभियान के प्रथम चरण की औपचारिक शुरुआत कल, 24 फरवरी 2026 को दोपहर 3 बजे जसोल थाना क्षेत्र के कीटनोद गांव से होगी। इस विशेष जनजागरूकता कार्य म में पुलिस अधीक्षक रमेश कुमार से लेकर बीट कांस्टेबल राकेश तक के अधिकारी सीधे ग्रामवासियों के बीच मौजूद रहेंगे। अभियान का मुख्य उद्देश्य पुलिस और जनता के बीच की दूरी को कम करना और जनसंवाद के माध्यम से स्थानीय समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम को रोचक और प्रभावी बनाने के लिए सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का सहारा लिया जाएगा कला और संगीत- संगीत एवं नाटकों के माध्यम से नशे के घातक दुष्परिणामों को दर्शाया जाएगा, ताकि युवा पीढी को इस लत से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जा सके। डिजिटल जागरूकता- साइबर अपराधों के बढते खतरों को देखते हुए विशेषज्ञों द्वारा डिजिटल प्रेजेंटेशन दी जाएगी। इसमें ऑनलाइन ठगी से बचाव, सुरक्षित डिजिटल लेनदेन और सोशल मीडिया के सतर्क उपयोग के गुर सिखाए जाएंगे।

पानी की डिग्गी में डूबने से महिला की मौत

बालोतरा, (निसं)। डंडाली गांव की पानी की डिग्गी में पानी भरते समय पैर फिसलने से गहरे पानी में एक महिला चली गई, जिसकी डूबने से मौत हो गई। जिसकी सूचना पर बालोतरा से राजेश भाई पंजाबी के साथ रवाना हो कर बचाप दल के सदस्य डंडाली पहुंचे। बालोतरा तैराक टीम के जवान राजस्थान होमगार्ड से गौतम गहलोत सिविल डिफेंस के जनक माली और स्थानीय तैराक गोपाल माली ने रात्रि में बडे कठिनाइयों के साथ ठंडे पानी से शव को बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू कर शव को रात्रि 11 बजे तक बाहर निकाला। इस दौरान सिणधरी डीओ तन सिंह मौजूद रहे।

प्रतिनिधित्व मांगा

जालोर, (कासं)। भारतीय जनता पार्टी के जयपुर स्थित प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड को जोधपुर संभाग के भील समाज को पार्टी संगठन में उचित प्रतिनिधित्व देने की मांग को लेकर ज्ञापन सौपा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ज्ञापन में बताया वर्ष 2011 की जनगणना का हवाला देते हुए बताया गया है कि जोधपुर संभाग में भील समाज की लगभग 9.5० लाख जनसंख्या है।

पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि करीब 8० प्रतिशत भील समाज परंपरागत रूप से भाजपा का समर्थक और मतदाता रहा है।

आम सूचना

मैं विनोद कुमार पुत्र श्री मांगी लाल उम्र 33 वर्ष जाति सोनी, निवासी फोलावास, जालोर, तहसील व जिला जालोर, राज्य राजस्थान-343001 इस आम सूचना के जरिये हर आम व खास को सूचित करता हूँ कि मेरी फर्म मैसर्स श्री शान्तिनाथजी असेइंग एंड हॉलमार्किंग सेंटर जिसका रजिस्ट्रेशन नम्बर-RF/JLR/2026/53 दिनांक 06.01.2026 को पता-आदर्श कॉम्प्लेक्स, एसबीआई बैंक के पास, तिलक द्वार, जालोर तहसील व जिला जालोर में 50% की भागीदारी है, जिसमें से मैंने दिनांक 20.02.2026 को भागीदारी निकाल ली है। अगर इसमें किसी को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो कृपया इस आम सूचना से 10 दिनों के भीतर जिला उद्योग केन्द्र, जालोर को सूचित करें। अब इस फर्म में राज कुमार सोनी व नीलम कुमारी सक्रिय भागीदार है।

इति दिनांक 20.02.2026

विनोद कुमार पुत्र श्री मांगी लाल
(मो.नं. 9782737474)

सक्रिय भागीदार-
1. राज कुमार सोनी पुत्र श्री जुगराज सोनी (मो.नं. 7014384293)
2. नीलम कुमारी पत्नि श्री विनोद कुमार (मो.नं. 9521507404)

छात्रा की हत्या के मामले में तीसरे दिन भी विरोध जारी, नहीं हुआ शव का पोस्टमार्टम

बीकानेर कलैक्टर और एसपी ने घटना स्थल का दौरा किया और प्रतिनिधिमंडल से वार्ता की

- **कोलायत विधायक अंशुमान सिंह भाटी ने जयपुर में गृहमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म से मुलाकात कर निष्पक्ष, त्वरित और उच्च स्तरीय जांच की मांग की**
- **गृहमंत्री ने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार इस संवेदनशील मामले को गंभीरता से ले रही है और जांच पूरी पारदर्शिता और तत्परता से की जा रही है**

बज्जू, (निसं)। क्षेत्र में एक छात्रा से दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई। छात्रा शनिवार, 21 फरवरी को आठवीं बोर्ड परीक्षा देने घर से निकली थी, लेकिन परीक्षा केंद्र नहीं पहुंची। परिजनों को सूचना मिलने पर तलाश शुरू की गई, जिसके बाद जंगल में उसका अर्धनग्न शव मिला। इस घटना से पूरा क्षेत्र आक्रोशित है। शव 22 फरवरी से बज्जू के उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखा है।

सोमवार को बीकानेर जिला कलैक्टर नम्रता वृष्णि और एसपी कावेंद्र सागर ने घटना स्थल का दौरा किया। उन्होंने अस्पताल के मीटिंग हॉल में 21 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल से पोस्टमार्टम को लेकर वार्ता की। इस प्रतिनिधिमंडल में जैसला धाम के महन्त रामाचार्य महाराज, पूर्व कैबिनेट मंत्री गोविंदराम मेघवाल, पूर्व मंत्री भंवरसिंह भाटी और भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया जैसे प्रमुख लोग शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार के लिए एक करोड़ रुपये की सहायता, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और आरोपियों की गिरफ्तारी होने तक शव का पोस्टमार्टम न कराने की मांग रखी। वार्ता के दौरान, पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सागर ने पुलिस द्वारा की जा रही कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले की सबसे प्रभावी पुलिस टीमें मामले को सुलझाने में लगी हैं और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

जिला कलैक्टर ने अपील की कि समय बीतने के साथ शव से साक्ष्य मिटने की आशंका रहती है। उन्होंने जोर दिया कि जल्द पोस्टमार्टम होने से आरोपियों को पकड़ने और सजा दिलाने में मदद मिलेगी। इस बीच, न्याय की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन कर रहे लोगों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर आक्रोश व्यक्त किया और नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि घटना के 48 घंटे बाद भी पुलिस को कोई सुराग नहीं मिला है, जिससे आरोपियों की गिरफ्तारी पर सवाल उठ रहे हैं।

विधायक भाटी ने गृहमंत्री से की मुलाकात :- छात्रा की हत्या के मामले में कोलायत विधायक अंशुमान सिंह भाटी ने सोमवार को जयपुर में गृहमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म से मुलाकात की। उन्होंने इस घटना पर गंभीरता से चर्चा करते हुए निष्पक्ष, त्वरित और उच्चस्तरीय जांच की मांग की। विधायक भाटी ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और उनके खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया। विधायक भाटी ने इस घटना को अत्यंत गंभीर बताया। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। गृहमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने विधायक भाटी को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार इस संवेदनशील मामले को गंभीरता से ले रही है। उन्होंने बताया कि संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं और जांच पूरी पारदर्शिता और तत्परता से की जा रही है। गृहमंत्री ने कहा कि दोषियों को हर हाल में कानून के दायरे में लाया जाएगा।

विधायक भाटी ने यह भी बताया कि वे मंगलवार को इस मामले पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से भी मुलाकात करेंगे। इसका उद्देश्य प्रकरण में त्वरित न्याय सुनिश्चित करना और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सख्त एवं प्रभावी कदम उठाना है। भाटी ने जोर दिया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था को मजबूत करना और बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

बाइक चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। पुलिस थाना शाहपुरा ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल चोरी की वारदात का मात्र 24 घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। वहीं पुलिस मामले को लेकर गिरफ्तार किये गये आरोपी से पूछताछ शुरु की है।

उप महानिरीक्षक पुलिस सह पुलिस अधीक्षक, जिला जयपुर ग्रामीण राशि डोगरा डूडी ने बताया कि परिवादी आशीष कुमावत निवासी दिल्ली रोड, कस्बा शाहपुरा ने 21 फरवरी को थाना शाहपुरा में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि 21 फरवरी को सुबह उसकी मोटरसाइकिल अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ली गई, जिस पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

इस पर थानाधिकारी शाहपुरा रिया चौधरी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन कर तकनीकी साक्ष्य व आसूचना संकलन के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे कस्बा विराटनगर से डिटेन किया। पूछताछ के बाद भरतमल सैनी पुत्र बाबूलाल, निवासी कस्बा विराटनगर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई।

OFFICE OF EXECUTIVE ENGINEER WATERSHED DEVELOPMENT & SOIL CONSERVATION, PANCHAYAT SAMITI, DHOLPUR

File no. 111 Date: 13.02.2026

NOTICE INVITING BID

NIT NO: 3/2025-26

NIB No. WSC2526A1673 YEAR 2025-26

Bids for MPT in MJSA-2.2 Project Area, P.S. Rajakhera of estimated value INR 69.86 Lakh are invited from interested bidders Date from 16.02.2026, 10:00 AM To 25.02.2026, 6:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state and department website.

UBN: WSC2526WSOB02899

(Lakhan Singh Meena) EXECUTIVE ENGINEER WATERSHED DEVELOPMENT & SOIL CONSERVATION PANCHAYAT SAMITI, DHOLPUR

DIPR/C/3766/2026

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF POLICE RAJ JAIPUR

V-15(6)PS/SAMGRI/MPF/2025-26/1749 DATED-11.02.2026

NOTICE INVITING BIDS

NIB NO. POL2526A0047

Bids for Many Item's of estimated value INR 1,27,11,000 are invited from interested bidders up to 23.02.2026 at 11.00 am. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in) (https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state, and https://www.police.rajasthan. gov.in

UBN.

Mobile Data Terminal	POL2526GLOB00120
Portable Generator	POL2526GLOB00121

Supdt. of Police Central Stores, PHQ Raj. Jaipur Tel-0141-2744289

DIPR/C/3293/2026 Mail ID-sp.cstore.pmw@rajpolice.gov.in

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

रेल्वे अस्पताल के सामने, रातानाडा, जोधपुर – 342001

क्रमांक :– अ.अ/पीएचई/2025–26/ दिनांक : 05.12.2026

::ई–बिड सूचना संख्या:– जोन पीएचई/16/2025–26 दिनांक 05.12.2025

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से सीवरेज के कार्य हेतु संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है। इन उक्त कार्य की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्ते आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in, www.jodhpurjda.org, www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB CODE :- JOD2526A0255

Tender ID/UBN No. :- (JOD2526SLOB00571)

अधिशाषी अभियन्ता (पीएचई) जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

राज.संवाद/सी/25/20999

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED PROJ.DIVISION KARAULI

HQ TODABHM ((e-mail: eeesnpkaroli@gmail.com)

Sr. No. 7180-88 **NOTICE INVITING BID** Date: 13/02/2026

Bid for various work in Proj Division Karauli is invited from interested bidder ap to 24.02.2026 other particular of the bid may be visited on the procuarement portal sppp.raj.aic.in of the state.

BUV CIDEI OGE2526A6566

S.N.	NIT NO	UBN NO
1	136/2025-26	PHE2526WSOB14145
2	137/2025-26	PHE2526WSOB14147
3	138/2025-26	PHE2526WSOB14149
4	139/2025-26	PHE2526WSOB14151
5	140/2025-26	PHE2526WSOB14153
6	141/2025-26	PHE2526WSOB14155
7	142/2025-26	PHE2526WSOB14156
8	143/2025-26	PHE2526WSOB14157
9	144/2025-26	PHE2526WSOB14158

Executive Engineer Public Health Engineering Department Proj. Division Karauli HQ Todabhim

DIPR/C/3734/2026

भीलवाड़ा में कपड़ा गोदाम में लगी आग से लाखों का नुकसान

आग की चपेट में दो से तीन गोदाम भी आ गए, दमकल कर्मियों ने आग बुझाई

भीलवाड़ा/जयपुर। भीलवाड़ा के औद्योगिक क्षेत्र रीको थर्ड फेज में सोमवार शाम एक कपड़ा गोदाम में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और दो से तीन गोदाम इसकी चपेट में आ गए। आसमान में उठते काले धुएं के गुबार और ऊंची लपटों से आसपास के क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

प्रताप नगर थाने के सहायक उप निरीक्षक विजय सिंह के अनुसार, थर्ड फेज स्थित एमडी क्रिएशन के गोदाम में अज्ञात कारणों से आग लग गई। प्रारंभिक रूप से आग एक गोदाम में लगी थी, लेकिन वहां रखे कपड़े और अन्य ज्वलनशील सामग्री के कारण तेजी से फैल गई। आग गोदाम के पीछे स्थित दूसरे परिसर तक पहुंच गई, जिससे नुकसान का दायरा बढ़ गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की पांच से छह गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। आग की तीव्रता को देखते हुए अतिरिक्त संसाधन भी लगाए गए। दमकल कर्मियों को आग पर नियंत्रण पाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। कई घंटों तक लगातार पानी की बौछार कर लपटों को काबू में लाने का प्रयास किया गया। एहतियातन फैक्ट्री परिसर के चारों ओर सुरक्षा घेरा बनाकर आमजन की आवाजाही रोक दी गई।

घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। पुलिस और प्रशासन ने भीड़ को हटाकर राहत एवं बचाव कार्य को सुचारू रूप से संचालित किया। फिलहाल किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है, लेकिन गोदाम में रखा कपड़ा, तैयार माल और मशीनरी के जलकर नष्ट होने की आशंका है। आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट खुलासा नहीं हुआ है। विद्युत शॉर्ट सर्किट या तकनीकी खराबी की आशंका जताई जा रही है।

प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और फैक्ट्री प्रबंधन से भी विस्तृत जानकारी ली जा रही है। इस घटना के बाद औद्योगिक क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। जिला प्रशासन ने रीको क्षेत्र की फैक्ट्रियों और गोदामों में अग्नि सुरक्षा उपकरणों की जांच के निर्देश दिए हैं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

झुंझुनूं में बारिश होने से किसानों में खुशी

झुंझुनूं, (निसं)। जिले में अचानक मौसम का मिजाज बदल गया और सोमवार दोपहर बाद आसमान में बादल छा गए। इसके बाद क्षेत्र में रिमझिम बारिश का दौर शुरू हो गया, जिससे मौसम सुहावना हो गया।

झुंझुनूं शहर सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। अचानक हुई इस बारिश से किसानों को राहत मिली। किसानों के चेहरे भी खिल उठे। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार यह बारिश रबी की फसलों के लिए काफी लाभदायक मानी जा रही है। खासकर गेहूं, चना और सरसों की फसल को इससे अच्छा फायदा मिलेगा। जिससे उत्पादन में बढ़ोतरी की संभावना है। किसानों का कहना है कि इस समय हुई बारिश फसलों के लिए अमृत समान है। जिससे सिंचाई की आवश्यकता भी कुछ हद तक कम हो जाएगी। साथ ही खेतों में नमी बनी रहने से फसलों की वृद्धि बेहतर होगी। फिलहाल, इस बारिश ने जहां मौसम को खुशनुमा बना दिया है। वहीं किसानों के लिए उम्मीद की नई किरण भी जगाई है।

झुंझुनूं : धनूरी टोल प्लाजा पर ग्रामीणों का आंदोलन फिर शुरु

- **प्रमुख मांगों में टोल प्लाजा के 20 किमी दायरे के गांवों को टोल से मुक्त करना, दो टोल प्लाजा के बीच न्यूनतम 60 किमी की दूरी सुनिश्चित करना आदि शामिल है**

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के धनूरी टोल प्लाजा पर विभिन्न मांगों को लेकर ग्रामीणों का आंदोलन एक बार फिर तेज हो गया है। पुलिस द्वारा रात में बल प्रयोग कर धरनार्थियों को हटाने के बाद आंदोलनकारियों ने पुनः संगठित होकर टोल के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

जानकारी के अनुसार पुलिस कार्रवाई के बाद दोपहर बाद टोल प्लाजा से कुछ दूरी पर ग्रामीणों और संघर्ष समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए एक बार फिर टोल बंद करवा दिया गया और धरना पुनः शुरू कर दिया गया। ग्रामीणों और टोल संघर्ष समिति के सदस्यों ने टोल प्लाजा के पास फिर से धरना देते हुए अपनी मांगों पर अड़े रहने का ऐलान किया है। क्षेत्र में एक बार फिर तनावपूर्ण स्थिति बन गई है और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुटे हुए हैं। आंदोलनकारियों की प्रमुख मांगों में टोल प्लाजा के 20 किलोमीटर दायरे के गांवों को टोल से मुक्त करना, दो टोल प्लाजा के बीच न्यूनतम 60 किलोमीटर की दूरी सुनिश्चित करना और नियमों के विपरीत स्थापित टोल प्लाजा को हटाना शामिल है। उनका कहना है कि लंबोर बड़ी और धनूरी के बीच की दूरी करीब 43 किलोमीटर है, जो निर्धारित मानकों का उल्लंघन है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि टोल रोड निर्माण के दौरान 16 हजार 700 पेड़ लगाने का प्रावधान था, लेकिन अब तक यह कार्य पूरा नहीं किया गया। साथ ही स्टेट हाइवे से जुड़े अन्य दिशा-निर्देशों का भी पालन नहीं किया गया है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगों का समाधान नहीं किया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

SKN COLLEGE OF AGRICULTURE

(Sri Karan Narendra Agriculture University)

JOBNER- 303329 Distt. Jaipur (Raj.)

Phone: 01425-254022 (O), E-mail: dean.skncoa@sknau.ac.in

Website: https://skncoa.sknau.ac.in

No.F.()/CS/SKNCOA/2026/2867 Date: 17.02.2026

NIB

Bids are invited up to 02.00 P.M. of 26.02.2026 for Supply & Installation of various laboratory equipment's & other items. The details are available in the Bidding Documents which can be availed from the office of Dean, SKNCOA, Jobner-303329 or can be accessed or downloaded from State Procurement Portal website "sppp.rajasthan.gov.in" or "https://eproc.rajasthan.gov.in" or website "www.sknau.ac.in". The bidding document after filling up properly can be uploaded on website "https://eproc.rajasthan.gov.in" along with payment of Rs. 500/- (Rs. 500/- for SSI Units of Rajasthan) through banker's cheque/demand draft in favour of Dean, SKNCOA, Jobner-303329.

UBN: SKN2526GLOB00468

Raj.Samwad/C/25/21008 Dean

कार्यालय नगरपालिका छोटीसादड़ी जिला-प्रतापगढ़ (राज.)

क्रमांक/न.पा.छो.सा./स्टोर/2025–26/4915 दिनांकः– 16.02.2026

निविदा सूचना

नगरपालिका द्वारा वित्तिय वर्ष 2026–27 (31 मार्च 2027 तक) हेतु निम्न कार्य कराये जाने हेतु नीचे अंकितानुसार खुली बोली पद्धती से ई निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विस्तृत विवरण www.sppp.raj.gov.in एंव www.eproc.raj.gov.in पर उपलब्ध है।

NIB No. – DLB2526B1770

क्र.सं.	यूबीएन संख्या
01	DLB2526SLOB34636
02	DLB2526SLOB34637
03	DLB2526SLOB34638
04	DLB2526SLOB34639

Important Date

1	निविदा डाउनलोड करने की दिनांक	17/02/2026 से 03/03/2026 तक (सांय 06:00 बजे तक)
2	निविदा अपलोड करने की दिनांक	17/02/2026 से 03/03/2026 तक (सांय 06:00 बजे तक)
3	धरोहर राशि/निविदा शुल्क/प्रोसेसिंग फीस एंव ESI, EPS, GST, PAN No. के दस्तावेज भौतिक रूप से जमा करने की दिनांक	04/03/2026 दोपहर 02:00 बजे तक
4	तकनीकी बिड खोलने की दिनांक	04/03/2026 सांय 04:00 बजे
5	वित्तीय बिड खोलने की दिनांक	तकनिकी बिड परीक्षण पश्चात्।

राज.संवाद/सी/25/20962 अधिशाषी अधिकारी

बस कंडक्टर से मारपीट, ऑटो चालक गिरफ्तार

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के गुढ़ा मोड़ क्षेत्र में एक बस कंडक्टर के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना के बाद बस यूनियन में आक्रोश व्याप्त है और यूनियन ने प्रशासन से ऑटो चालकों की मनमानी पर रोक लगाने की मांग की है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक ऑटो चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

पीड़ित बस कंडक्टर विक्रम के अनुसार विवाद की शुरुआत चनाना क्षेत्र से हुई, जहां एक ऑटो चालक सवारियां बैठा रहा था। विक्रम ने उसे समझाया कि ऑटो केवल नगरपालिका क्षेत्र के भीतर ही संचालित किए जा सकते हैं और वहां से सवारी नहीं बैठाई जाए। इस बात पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि जब बस झुंझुनूं के गुढ़ा मोड़ पहुंची, तब पहले से मौजूद ऑटो चालक और उसके 4-5 साथियों ने विक्रम पर हमला कर दिया। हमले में कंडक्टर को शरीर के कई हिस्सों में चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही बस यूनियन के सदस्य मौके पर पहुंचे और विरोध जताया।

निवाई में वर्ल्ड कप टी-20 मैच पर 1.44 करोड़ का सट्टा पकड़ा, एक गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। निवाई कस्बा क्षेत्र के भगत सिंह कॉलोनी में वर्ल्ड-कप मैच में 1.44 करोड़ का सट्टा लगाते एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वहीं मौके से नकदी व अन्य सामग्री जब्त की है।

- **नौ मोबाइल, एक वॉकी टॉकी, एक लैपटॉप, डेढ़ लाख रुपए नगद व एक एलइडी टीवी जब्त**

जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पुलिस उपाधीक्षक निवाई रवि प्रकाश के सुपरविजन मे जिला स्पेशल टीम प्रभारी ओमप्रकाश द्वारा गठित टीम ने रविवार देर रात को निवाई कस्बा क्षेत्र के भगत सिंह कॉलोनी में छापामार कार्रवाई की है, जिसमें भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका वर्ल्ड कप टी-20 मैच पर करोड़ों रुपए का ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा पकड़ा गया है।

निवाई कस्बा क्षेत्र में पुलिस ने मौके से नकदी व अन्य सामग्री जब्त की।

इस कार्रवाई के दौरान जिला स्पेशल टीम ने 9 मोबाइल, एक वॉकी टॉकी, एक लैपटॉप, डेढ़ लाख रुपए नगद, एक एलइडी टीवी जब्त किए व करीबन एक करोड़ 44 लाख ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा का हिसाब-किताब बरामद किया गया। कार्रवाई के बाद मौके से लोकेश पुत्र केदार नारायण निवासी पटेल रोड निवाई को गिरफ्तार किया गया है। वही अन्य एक अन्य आरोपी के खिलाफ निवाई पुलिस थाने में प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर आरोपियों से ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा के संबंध में मिली लाइनों से आगे के नेटवर्क की गहनता से जांच की जा रही है।

19 सिलेंडर सीज़

कोटपूतली, (निसं)। घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक दुरुपयोग के मामलों पर नियंत्रण के लिए चलाया जा रहे अभियान के तहत प्रवर्तन अधिकारी पुष्पेंद्र सिंह एवं प्रवर्तन निरीक्षक विश्राम गुर्जर द्वारा कार्रवाई की गई। कोटपूतली शहर एवं बानसूर में विभिन्न प्रतिष्ठानों से 19 घरेलू एलपीजी सिलेंडर सीज किए गए। यह प्रकरण कलैक्टर को प्रस्तुत किया जाएगा।

कार्यालय नगर पालिका लवाण (राजस्थान)

क्रमांकःन.प.लवाण/सफाई/2026/1622 दिनांक 17.02.2026

ई–निविदा सूचना/2026

नगर पालिका लवाण द्वारा निम्न सम्पूर्ण नगरपालिका क्षेत्र में साफ– सफाई, कचरा सग्रहण, कचरा परिवहन करने हेतु सफाई श्रमिक व कचरा वाहन/संसाधन उपलब्ध कराने हेतु वार्षिक दर संविदा कार्य के अन्तर्गत श्रम विभाग की दरों पर कुशल एवं अकुशल कार्मिक उपलब्ध कराने हेतु इच्छुक बोलीदाताओं से निम्न विवरणनुसार कार्य आधारित ई–निविदा आंमत्रित की जाती हैं। निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in व http://www.sppp.rajasthan.nic.in/ से Download/Upload की जा सकती है :–

निविदा के कुल कार्यो की संख्या	निविदा प्रकाशन तिथि	निविदा Download/Upload करने की अन्तिम दिनांक एवं समय	प्रोसेसिंग शुल्क, निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि भौतिक रूप में जमा कराने की दिनांक व समय	ऑनलाईन निविदा की बिड खोलने की दिनांक व समय	UBN No.
01	16.02.2026	26.02.2026 को 6:00 पीएम तक	27.02.2026 01:00 पीएम तक	27.02.2026 दोपहर 2:00 बजे पश्चात्।	DLB2526SLRC34611

राज.संवाद/सी/25/20977 अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका लवाण

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड

CIN:- U40102RJ2000SGCO16484 (राजस्थान सरकार का उपक्रम)

कार्यालय मुख्य अभियंता (थर्मल डिजाईन), 602, इनवेस्टमेंट बिल्डिंग, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर

ऑनलाइन निविदा आमंत्रण सूचना : TN-65(RVU2526GLOB02387)

रा.वि.उ.नि. के विभिन्न ताप विद्युत गृहों के लिए रिंग ग्रैनुलेटरों के जाली इस्पात दांतेदार रिंग हथौड़ों की आपूर्ति हेतु ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण वेबसाइट www.eproc.rajasthan.gov.in (ई–निविदा हेतु), www.energy.rajasthan.gov.in/rvunl एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/25/21014 RVUN/PR-4354 अधीक्षण अभियन्ता (टी.डी.–I)

OFFICE OF EXECUTIVE ENGINEER WATERSHED DEVELOPMENT & SOIL CONSERVATION, PANCHAYAT SAMITI, DHOLPUR

File no. 110 Date: 13.02.2026

NOTICE INVITING BID

NIT NO: 2/2025-26

NIB No. WSC2526A1672 YEAR 2025-26

Bids for ECD in MJSA-2.2 Project Area, P.S. Dholpur of estimated value INR 26.10 Lakh are invited from interested bidders Date from 16.02.2026, 10:00 AM To 25.02.2026, 6:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state and department website

UBN: WSC2526WSOB02898

(Lakhan Singh Meena) EXECUTIVE ENGINEER WATERSHED DEVELOPMENT & SOIL CONSERVATION PANCHAYAT SAMITI, DHOLPUR

DIPR/C/3755/2026

कार्यालय उप वन संरक्षक, करौली (राज.)

गढ़का चौकी करौली Phone & Fax No. 07464-297003 Email-def.kroli.forest@rajasthan.gov.in)

जैम पोटर्ल बिड संख्या GEM/2026/B/7198529

इस कार्यालय अधीन आरएफबीडीपी योजना में स्कूलों हेतु फर्नीचर क्रय हेतु जैम पोटर्ल पर बिड आमंत्रित की गई है। अत इच्छुक फर्म http://sppp.raj.nic.in एवं जैम पोर्टल पर देख कर बिड में बोली लगा सकते है।

क्र. सं.	यू बी एन नम्बर	लागत लाखों में	जारी दिनांक	जमा व खोलने की दिनांक
1	UBN NO. FOR2526GLOB005473	50.00	05.02.2026	25.02.2026

(सुमित बंसल) उप वन संरक्षक, करौली

DIPR/C/3842/2026

अवैध मादक पदार्थ सहित आरोपी गिरफ्तार, बाइक जब्त

- **पुलिस ने दो जगह पर कार्रवाई की**

पावटा, (निसं)। अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन नॉकआउट' अभियान के तहत पुलिस थाना शाहपुरा ने 6.53 ग्राम स्मैक बरामद कर सप्लाई में प्रयुक्त वाहन मोटरसाइकिल जब्त कर एक युवक को गिरफ्तार किया है। वहीं 1 किलो 790 ग्राम गांजा, गांजा बेचान राशि 31,300 रुपये नगद जब्त कर एक महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

उप महानिरीक्षक पुलिस सह पुलिस अधीक्षक, जिला जयपुर ग्रामीण राशि डोगरा डूडी ने बताया कि जिले में अवैध मादक पदार्थ व शराब के कारोबार में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 21 फरवरी को शाहपुरा थानाधिकारी रिया चौधरी के नेतृत्व में टीम गठित की गई, जहां पुलिस टीम गश्त के दौरान पीपली तिराया होते हुए खातेडी मोड़ पहुंची। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि अमरपुरा रोड पर हीरालाल के मकान के पास एक युवक मोटरसाइकिल पर खड़ा होकर स्मैक बेचने की फिराक में है। सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर युवक घबरा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम रोहित (25) पुत्र हीरालाल निवासी अमरपुरा, थाना शाहपुरा बताया। तलाशी के दौरान आरोपी की पैंट की जेब से सिल्वर फॉयल में लिपटी पारदर्शी प्लास्टिक की थैली बरामद हुई, जिसमें हल्का भूरा पाउडरनुमा पदार्थ मिला। जांच करने पर वह स्मैक (हेरोइन) पाया गया। आरोपी से लाइसेंस/परमिट मांगा गया, जो उसके पास नहीं था। बरामद पदार्थ का वजन 6.53 ग्राम पाया गया। पुलिस ने स्मैक सहित मोटरसाइकिल को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

वहीं कस्बा शाहपुरा व ईलाका थाना में गश्त करती हुई पुलिस मण्डी तिराया शाहपुरा पर पंहुची तो मुखबिर के जरिए प्राप्त सूचना पर सजना देवी पत्नी राजू सांसी निवासी पार्क के पास शंकर कॉलोनी शाहपुरा अपने मकान के बाहर सिढ़ियों में बैठी अवैध मादक पदार्थ गांजा रखकर गांजा को बैचान कर अवैध धंधा करती पाई गई तथा सजना देवी के पास अवैध मादक पदार्थ गांजा की बाहर से सप्लाई होना पाया गया। सूचना पर थानाधिकारी रिया चौधरी मय टीम उक्त स्थान पर पहुंचकर महिला सजना देवी की तलाशी ली गई तो उसके पास अवैध मादक पदार्थ 1 किलो 790 ग्राम गांजा तथा बेचान की राशि 31,300 रुपये मिली, जिसको जब्त कर महिला को गिरफ्तार किया।

कार्यालय सदस्य सचिव एवं प्रमुख चिकित्सा अधिकारी, राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी, सामान्य चिकित्सालय, करौली

क्रमांक-रामेरिसो/निविदा/2026-27/557 दिनांक-16.02.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 01-09/2026-27

कार्यालय सामान्य चिकित्सालय करौली में उपयोग हेतु सर्विस प्रदाता ऐजेन्सी से वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मुहरबंद ई-निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा के नियम एवं शर्ते स्पेसिफिकेशन विवरण निविदा प्रपत्र में अंकित है। निविदा प्रपत्र एवं संबंधित दस्तावेज वेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in एवं sppp.rajasthan.gov.in पर देखे एवं प्राप्त किए जा सकेंगे।

निविदा संख्या	सामान/कार्य का विवरण	अनु.लागत (लाखों में)	निविदा प्रपत्र शुल्क	निविदा प्रपत्र बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय	निविदा जमा कराने की अंतिम तिथी एवं समय	निविदा खोलने की तिथी एवं समय
01/2026-27	मैन पॉवर हैल्पर (MHS2526SSOB06559)	64.00	1000	25.02.2026 3.00 P.M.	25.02.2026 4.30 P.M.	26.02.2026 12.00 P.M.
02/2026-24	मैन पॉवर सफाईकर्मी (MHS2526SSOB06561)	59.00	1000	25.02.2026 3.00 P.M.	25.02.2026 4.30 P.M.	26.02.2026 12.00 P.M.
03/2026-27	मैन पॉवर कम्प्यूटर ऑपरेटर्स मशीन विद मैन. ब्लड बैंक काउन्सलर (MHS2526SSOB06562)	64.00	1000	25.02.2026 3.00 P.M.	25.02.2026 4.30 P.M.	26.02.2026 12.00 P.M.
04/2026-27	सुरक्षा गार्ड, स्वास्थ्य मार्गदर्शक सुपर वाईजर, लैब टेक्नीशियन फार्मासिस्ट, लैब सहायक, वाहन चालक एवं प्लम्बर आदि (MHS2526SSOB06563)	48.00	1000	25.02.2026 3.00 P.M.	25.02.2026 4.30 P.M.	26.02.2026 12.00 P.M.
05/2026-27	मुद्रण एवं लेखन कार्य (MHS2526SSOB06564)	15.00	1000	26.02.2026 3.00 P.M.	26.02.2026 4.30 P.M.	27.02.2026 12.00 P.M.
06/2026-27	एक्स-रे/सिटी स्केन सोनोग्राफी फिल्म व जैली सामग्री आपूर्ति (MHS2526SSOB06565)	26.00	1000	26.02.2026 3.00 P.M.	26.02.2026 4.30 P.M.	27.02.2026 12.00 P.M.
07/2026-27	प्रयोगशाला सामग्री केमिकल एवं जॉच किट्स एवं ब्लड बैंक सामग्री (MHS2526SSOB06566)	26.00	1000	26.02.2026 3.00 P.M.	26.02.2026 4.30 P.M.	27.02.2026 12.00 P.M.
08/2026-27	सर्जिकल एवं कन्जूमेब सामग्री डिस्पोजल सिरेन्ज, आईवी सेट्स कैनुला एवं अन्य सामग्री (MHS2526SSOB06567)	15.00	1000	26.02.2026 3.00 P.M.	26.02.2026 4.30 P.M.	27.02.2026 12.00 P.M.
09/2026-27	मेषज एवं औषधियों (जैनरिक) आपर्ति (MHS2526SSOB06569)	22.00	1000	26.02.2026 3.00 P.M.	26.02.2026 4.30 P.M.	27.02.2026 12.00 P.M.

नोट-उक्त निविदा दिनांकों में यदि कोई राजकीय अवकाश/अन्य अवकाश, आकस्मिक रूप से घोषित होता है तो उक्त दिवस से सम्बन्धित निविदा कार्यवाही आगामी कार्य दिवस को सम्पन्न की जायेगी।

सदस्य सचिव एवं प्रमुख चिकित्सा अधिकारी सामान्य चिकित्सा करौली

DIPR/C/3773/2026

कांग्रेस विधायक दल की बैठक में धारीवाल और डोटासरा के बीच हुई तीखी बहस

डोटासरा द्वारा बैठक में बोलने का अवसर न दिए जाने से नाराज होकर शांति धारीवाल बैठक छोड़कर चले गए और बाद में सदन में भी उपस्थित नहीं रहे

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान विधानसभा की ''ना पक्ष'' लॉबी में सोमवार सुबह 10 बजे कांग्रेस विधायक दल की बैठक हुई। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कांग्रेस के अधिकांश विधायक शामिल हुए, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी पहुंचे और चर्चा में भाग लिया। बैठक के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और पूर्व मंत्री शान्ति धारीवाल के बीच बहस भी हुई। डोटासरा द्वारा बोलने का अवसर न दिए जाने से नाराज धारीवाल बैठक छोड़कर चले गए और बाद में सदन में भी उपस्थित नहीं रहे।

■ **बताया जा रहा है कि कांग्रेस विधायक दल की यह बैठक सरकार को सदन में घेरने की रणनीति बनाने के लिए बुलाई गई थी**

बताया जा रहा है कि कांग्रेस विधायक दल की यह बैठक सरकार को सदन में घेरने की रणनीति बनाने के लिए बुलाई गई थी। बैठक का मुख्य उद्देश्य विधानसभा के शेष सत्र में सरकार को प्रभावी ढंग से घेरने की रणनीति तैयार करना था। हाल के दिनों में सदन में 2 साल बनाम 5 साल के मुद्दे पर भाजपा और कांग्रेस के बीच तीखी बहस और हंगामा हुआ था। शनिवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपनी सरकार के 2 वर्षीय कार्यकाल की उपलब्धियों का प्रतिवेदन पेश किया और कांग्रेस के 5 साल के शासन की तुलना में बेहतर प्रदर्शन का दावा किया, जिसके विरोध में कांग्रेस ने सदन से वॉकआउट किया था। इस पृष्ठभूमि में कांग्रेस ने बैठक में तय किया कि वह सदन में आक्रामक रुख अपनाएगी और सरकार की कमियों को उजागर करेगी। रणनीति के तहत कांग्रेस ने कई प्रमुख मुद्दों पर फोकस करने का फैसला किया। इनमें बंदरों के आतंक से किसानों-नागरिकों की परेशानी, पेंशन संबंधी शिकायतें, महंगाई, बेरोजगारी, किसान कर्जमाफी की प्रगति, स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था की खामियां शामिल हैं।

कांग्रेस विधायक दल ने तीन विभागों की अनुदान मांगों पर बहस के दौरान सरकार से सवालों की बौछार करने की योजना बनाई। साथ ही, प्रश्नकाल में विभागीय जवाबदेही सुनिश्चित करने और याचिकाओं के माध्यम से जनहित के मुद्दे उठाने पर जोर दिया गया।

जूली ने बैठक के बाद संकेत दिए कि कांग्रेस अब सिर्फ विरोध नहीं, बल्कि ठोस विकल्प पेश करेगी। मुख्य सचेतक रफीक खान ने बताया कि विधायकों में एकजुटता दिखी और सभी ने सरकार की घोषणाओं पर आधारित राजनीति की आलोचना की। बैठक में यह भी तय हुआ कि सत्र के दौरान हंगामे से बचते हुए जनता से जुडे मुद्दों पर लगातार दबाव बनाया जाएगा।

पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट्स को समय पर पूरा करें : भजनलाल शर्मा

8 गीगावाट बिजली उत्पादन के लिए चिन्हित 6 पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट्स पर मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट्स के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक ली।

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को पर्याप्त और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि बिजली बचाना भी विद्युत उत्पादन के समान है।

इसी क्रम में उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जमीनी स्तर पर सघन दौरे कर बिजली चोरी के मामलों पर सख्त कार्रवाई की जाए। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट्स के संबंध में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट्स सस्ते होने के साथ ही लम्बी अवधि के लिए कारगर हैं, जिससे आने वाले समय में पर्याप्त बिजली मिलना संभव हो सकेगा। इससे किसानों के साथ-साथ घरेलू उपभोक्ता को भी गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन प्रोजेक्ट्स को समय पर पूरा किया जाए, ताकि इनका लाभ उपभोक्ताओं को शीघ्र मिल सके।

■ **किसानों को पर्याप्त और निर्बाध बिजली आपूर्ति राज्य सरकार की प्राथमिकता : सीएम**

उन्होंने प्रोजेक्ट्स की क्लीयरेंस के लिए विभिन्न विभागों को आपसी समन्वय स्थापित करने एवं कार्यों की सतत् मॉनिटरिंग करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने सभी राजकीय कार्यालयों पर जल्द से जल्द सोलर पैनल लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन कार्यालयों में अब तक सोलर पैनल नहीं लगे हैं, उन्हें सूचीबद्ध कर शीघ्र कार्य शुरू किया जाए। बैठक में 8 गीगावाट बिजली उत्पादन के लिए चिन्हित 6 प्रोजेक्ट्स पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

बीकानेर में नाबालिग से दुष्कर्म-हत्या को लेकर सदन में हंगामा, कांग्रेस ने किया वॉकआउट

गृह राज्यमंत्री ने सदन में कहा ''पुलिस जांच जारी है, जल्द ही आरोपी पकड़ लिए जाएंगे''

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में सोमवार को शून्यकाल के दौरान बीकानेर में नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के मामले को लेकर तीखी नोकझोंक और हंगामा हुआ। आरोप-प्रत्यारोप के बीच कांग्रेस विधायकों ने वॉकआउट कर दिया।

शून्यकाल में कांग्रेस विधायक डूंगरराम गेदर ने बीकानेर की घटना को उठाते हुए सरकार से जवाब मांगा। इस पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि मामले में पुलिस जांच जारी है। नाबालिग का शव मोर्चरी में रखा गया है और बीकानेर के पुलिस अधीक्षक सहित वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं।

■ **परंतु नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि ''प्रदेश में लगातार दुष्कर्म की घटनाएं सामने आने के बावजूद सरकार अपराध नियंत्रण पर गंभीरता से काम नहीं कर रही।''**

उन्होंने आश्वासन दिया कि आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा।नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि अपराधियों की गिरफ्तारी कब होगी, यह स्पष्ट किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि सरकार अपराध नियंत्रण पर गंभीरता से काम करती तो ऐसी घटनाएं नहीं होतीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगातार दुष्कर्म की घटनाएं सामने आ रही हैं। इस पर सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने नेता प्रतिपक्ष पर मामले में राजनीति करने का आरोप लगाया। जवाब में बेढ़म ने कहा कि एक गंभीर अपराध के मामले में भी राजनीति करना उचित नहीं है और इसे ओछी राजनीति बताया। इस पर टीकाराम जूली ने कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी के बारे में पूछना राजनीति नहीं है। इससे पहले, विधानसभा में इस प्रकरण को लेकर कांग्रेस और बीजेपी विधायकों के बीच जमकर नोकझोंक भी हुई।

फर्जी पट्टे बनाकर प्लॉट बेचने वाले गिरफ्तार

जयपुर। एयरपोर्ट थाना पुलिस ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर प्लॉट बेचने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त पूर्व संजीव नैन बताया कि पीड़ित की शिकायत पर एयरपोर्ट थाने में मामला दर्ज किया गया था। आरोप है कि दीपक अग्रवाल ने अपने साथी के साथ मिलकर एक प्लॉट के फर्जी कागजात तैयार किए और उसे बेच दिया।

जिस पर एयरपोर्ट थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल करते हुए आरोपित विमलेश शर्मा (40) निवासी भांडा खेड़ा, थाना आंधी, जिला जयपुर ग्रामीण ओर दीपक अग्रवाल (50) निवासी फ्लैट नंबर 107, एपल रेजिडेंसी, कटारिया कॉलोनी, श्याम नगर, जयपुर को गिरफ्तार किया है।

डॉ. सतीश पूनियां ने भेंट की पुस्तक

जयपुर। भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने राजस्थान विधानसभा पहुंचकर ''अग्निपथ नहीं जनपथ'' पुस्तक विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व मंत्री राजेंद्र पारीक, मंत्री राज्यवर्धन राठौड़, अविनाश गहलोत, सुमित गोदारा, मंजू बाघमार, हेमंत मीणा, विधायक उदयलाल भडाना, विश्वनाथ मेघवाल, ताराचंद सारस्वत, आदूराम मेघवाल, हमीर सिंह भायल, चंद्रभान आक्या, ऋतु बनावत, रामविलास मीणा, अनीता भदेल, दीप्ति माहेश्वरी, पब्बाराम विश्नोई, छगन राजपुरोहित तथा पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को भेंट की।

10 साल की सेवा पूरी होने पर एसीडीपीओ का वेतनमान देने के आदेश

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता महिला पर्यवेक्षकों को दस साल की सेवा पूरी होने पर सुप्रीम कोर्ट के मंजू रानी के फैसले के आधार पर एसीडीपीओ पद पर पदोन्नत कर चयनित वेतनमान देने को कहा है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश सुनीता व 38 अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में वरिष्ठ अधिवक्ता हनुमान चौधरी और अधिवक्ता तरुण चौधरी ने बताया कि याचिकाकर्ता साल 2010 में महिला पर्यवेक्षक पद पर नियुक्त हुई थी।

पूर्व में हाईकोर्ट की एकलपीठ ने महिला पर्यवेक्षक को दस साल के अनुभव पर एसीडीपीओ और उसके 9 साल बाद सीडीपीओ का चयनित वेतनमान देने के निर्देश दिए थे। इस आदेश के खिलाफ दायर अपील को खंडपीठ ने खारिज कर दिया था। वहीं बाद में सुप्रीम कोर्ट ने भी एकलपीठ के आदेश को सही मानते हुए एसएलपी खारिज कर दी थी।

44 ग्राम गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। अवैध मादक पदार्थों की बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत मानसरोवर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक महिला गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी महिला तस्कर के कब्जे से 44 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया है। फिलहाल पुलिस आरोपी महिला से पूछताछ की जा रही है।

बालिका से दुष्कर्म-हत्या के दोषियों की जल्द होगी गिरफ्तारी : भाटी

जयपुर (विसं)। कोलायत विधायक अंशुमान सिंह भाटी ने विधानसभा परिसर में सोमवार को मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि मेरे विधानसभा क्षेत्र के बज्जू तहसील अंतर्गत सीमावर्ती उप- तहसील रंजीतपुरा गाँव में एक अत्यंत दुखद एवं संवेदनशील घटना सामने आई है।

यहां 21 फरवरी को एक 12 वर्षीय बालिका अपने घर से परीक्षा देने के लिए निकली थी, जिसे दोपहर 1 बजे परीक्षा केंद्र पहुँचना था, परंतु वह नहीं पहुंची।

उन्होंने बताया कि विद्यालय प्रशासन द्वारा परिजनों को सूचना दी गई, जिसके बाद परिजन एवं ग्रामीणों ने खोजबीन प्रारंभ की। खोज के दौरान बालिका का शव रंजीतपुरा गाँव के समीप स्थित एक पोखर में मिला। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक एवं आक्रोश का माहौल है। भाटी ने कहा सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस अधिकारी मौके पर पहुँचे। शाम तक उच्च अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक भी घटनास्थल पर पहुँच गए।

मामले की गंभीरता को देखते हुए विभिन्न जांच कमेटियों का गठन किया गया है तथा एफएसएल टीम द्वारा साक्ष्य एकत्र किए गए हैं। प्रशासन द्वारा शीघ्र ही दोषियों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया गया है। ग्रामीणों ने मांग की है कि दोषियों की गिरफ्तारी से पूर्व पोस्टमॉर्टम नहीं कराया जाएगा। इसी मांग को लेकर 22 फरवरी से धरना जारी है। प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा लगातार ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर समाधान का प्रयास किया जा रहा है। प्रशासन से मांग है कि दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दी जाए।

'विपक्ष के पास ना खुद की उपलब्धियां और ना ही कोई मुद्दा, इसलिए कर रहे है हंगामा'

जयपुर (विसं)। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने विधानसभा में मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा सरकार के सवा दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सदन में दिए गए वक्तव्य ने राज्य की राजनीति में व्यापक चर्चा को जन्म दिया है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में स्पष्ट रूप से कहा कि जो कार्य पूर्ववर्ती सरकार अपने पाँच वर्ष के कार्यकाल में नहीं कर पाई, वे कार्य वर्तमान सरकार ने अल्प समय में पूर्ण कर दिखाए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद विपक्ष, विशेष रूप से कांग्रेस दल में हलचल तेज हो गई है।

राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस नेतृत्व में आंतरिक असंतोष भी देखा गया है। यह भी सामने आया है कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से उनकी सदन में भूमिका को लेकर सवाल किए गए हैं। उन्होंने कहा कांग्रेस के वरिष्ठ नेतृत्व ने यह भी पूछा कि यदि पूर्व सरकार ने उल्लेखनीय कार्य किए थे, तो उन्हें सदन में प्रभावी ढंग से प्रस्तुत क्यों नहीं किया गया। इसी संदर्भ में हाल के दिनों में पार्टी के भीतर चल रही आंतरिक मतभेदों की चर्चाएँ भी तेज हुई हैं, बताया जा रहा है कि हाल ही में दिल्ली में हुई बैठकों के दौरान प्रदेश नेतृत्व को विधानसभा में अपेक्षित प्रदर्शन न करने को लेकर भी फटकार मिली। विशेष रूप से यह मुद्दा उठाया गया कि कई महत्वपूर्ण विषयों पर प्रभावी ढंग से पक्ष नहीं रखा गया। इस दौरान हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य ने कहा कि हमारी सरकार ने ऐतिहासिक फैसले लिए व ऐतिहासिक कार्य किए हैं। उपचुनावों में विकास के दम पर हमें विजय प्राप्त हुई। कांग्रेस सिर्फ घोषणाएं करती है काम नहीं करती। कांग्रेस सदन में चर्चा में भाग नहीं ले रही है, उनके पास कोई मुद्दा नहीं है। कांग्रेस दलित विरोधी है तथा दलित नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया जा रहा है।

धौलपुर में सैंचुरी से रास्तें बंद

जयपुर (विसं)। कांग्रेस विधायक संजय जाटव ने धौलपुर जिले में सेंचुरी क्षेत्रों के कारण ग्रामीणों को हो रही परेशानियों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि वन विभाग ने गांवों के रास्ते बंद कर दिए हैं और फोर्स तैनात कर दी गई है। जाटव ने कहा कि जिन गांवों को उनके पूर्वजों ने सदियों पहले बसाया, आज वहां के लोगों को घुट-घुटकर जीना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्राम सभाओं के फैसलों को नहीं माना जा रहा और परंपरागत वन भूमि से लोगों को बेदखल किया जा रहा है।

''2 साल बनाम 5 साल'' पर सियासी बयानबाजी तेज

राजेन्द्र राठौड़ ने गहलोत को दी खुली बहस की चुनौती

जयपुर (कासं)। राजस्थान में दो साल बनाम पांच साल को लेकर सियासी घमासान और तेज हो गया है। पूर्व उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ''एक्स'' पर ट्वीट कर पूर्व मुख्यमंत्री के हालिया बयान पर तीखा पलटवार किया है। राठौड़ ने गहलोत के बयान को ''उल्टा बांस बरेली'' वाली कहावत बताया।

राठौड़ ने कहा कि 21 फरवरी को विधानसभा में वर्तमान और पूर्ववर्ती सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा निर्धारित थी। यह बहस प्रदेश की जनता के सामने दोनों कार्यकालों की उपलब्धियों और नीतियों का तुलनात्मक विश्लेषण रखने का अवसर था, लेकिन कांग्रेस विधायकों ने सुनियोजित तरीके से हंगामा कर चर्चा से किनारा कर लिया।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के पास अपने 5 साल के कार्यकाल का ठोस रिपोर्ट कार्ड नहीं था, इसलिए बहस से बचने की कोशिश की गई। मुख्यमंत्री स्वयं सदन में उपस्थित थे और विपक्ष के हर प्रश्न का तथ्यात्मक उत्तर देने के लिए तैयार थे।

इसके बावजूद कांग्रेस ने सदन में अपनी बात रखने के बजाय बाहर बयानबाजी का रास्ता चुना।

कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर राठौड़ ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय प्रदेश में अपराध और महिला अत्याचार के मामलों को लेकर गंभीर सवाल उठे थे। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान सरकार के दो वर्षों में कुल अपराधों में लगभग 14 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

उनके अनुसार, हत्याओं में 25 प्रतिशत, हत्या के प्रयास में 19 प्रतिशत, महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में 10 प्रतिशत, अनुसूचित जाति-जनजाति के विरुद्ध अत्याचारों में 28 प्रतिशत, डकैती में 47 प्रतिशत और लूटपाट में 51 प्रतिशत की कमी आई है। राठौड़ ने विकास कार्यों को लेकर भी गहलोत सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि जिन परियोजनाओं और योजनाओं का श्रेय गहलोत ले रहे हैं, वे धरातल पर मौजूदा सरकार के कार्यकाल में साकार हुई हैं।

उन्होंने गहलोत को खुली चुनौती देते हुए कहा कि यदि कानून-व्यवस्था, विकास या शासन के किसी भी पहलू को लेकर कोई शंका है तो सदन में खुली और तथ्याधारित बहस की जाए।

जनता सब देख रही है और तथ्यों के आधार पर निर्णय करना जानती है। राठौड़ के इस बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर सत्तापक्ष और विपक्ष आमने-सामने नजर आ रहे हैं। दो साल बनाम पांच साल का मुद्दा आने वाले दिनों में और ज्यादा राजनीतिक गर्मी पैदा कर सकता है।

जयपुर को मिली ब्रिक्स बैठक की मेजबानी

मुख्य सचिव ने की ब्रिक्स वित्त मंत्रियों एवं केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक की तैयारियों पर चर्चा

जयपुर (कासं)। जयपुर में आयोजित होने वाली ब्रिक्स देशों के वित्त मंत्रियों एवं केंद्रीय बैंक गवर्नरों (एफएमसीबीजी) की प्रथम बैठक की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सचिवालय में सोमवार को समीक्षा बैठक ली। बैठक में आर्थिक मामलात विभाग वित्त मंत्रालय भारत सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक के उच्च अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने कहा कि जयपुर में इस महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय बैठक का आयोजन राज्य के लिए गर्व और सौभाग्य की बात है। यह अवसर राज्य की संस्कृति, पर्यटन, विकास और प्रशासनिक क्षमता को विश्व स्तर पर प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए समयबद्ध रूप से तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने 4 से 7 मार्च के प्रस्तावित कार्यकमों में मंत्रिस्तरीय बैठक, प्रतिनिधियों के आगमन, आवास, परिवहन, सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भ्रमण तथा अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने जयपुर में आयोजित होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन की तैयारियों को लेकर सोमवार को उच्चाधिकारियों की बैठक ली।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि प्रतिनिधिमंडलों की आवाजाही के लिए सुचारु परिवहन व्यवस्था, पायलट वाहन तथा आवश्यकतानुसार रूट क्लीयरेंस सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने आयोजन स्थल, होटलों, भ्रमण स्थलों एवं मार्गों पर कड़ी सुरक्षा रखने के निर्देश दिए। उन्होंने शहर के प्रमुख मार्गों, आयोजन स्थलों एवं भ्रमण मार्गों की साफ-सफाई, सौंदर्यीकरण और रखरखाव सुनिश्चित करने को कहा। स्वास्थ्य सुविधाओं के तहत 24 घंटे चिकित्सा दल, एंबुलेंस, आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता तथा नजदीकी अस्पतालों से समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

मुख्य सचिव ने आमेर किले में प्रस्तावित भ्रमण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से राजस्थान की समृद्ध संस्कृति, लोकनृत्य, संगीत और आतिथ्य की परंपरा की झलक विश्व समुदाय को दिखनी चाहिए। प्रतिनिधियों के लिए प्रशिक्षित गाइड, पार्किंग व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में प्रतिनिधियों के लिए राज्य की कला एवं हस्तशिल्प से जुड़े स्मृति-चिह्न तैयार करने तथा पर्यटन पुस्तिका की व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडलों के साथ समन्वय के लिए लायज़न अधिकारियों की नियुक्ति तथा प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में आर्थिक मामलात विभाग वित्त मंत्रालय भारत सरकार की अतिरिक्त सचिव अनु पी. मथाई, संयुक्त सचिव अमित सिंगला और निदेशक प्रकाश राजपुरोहित सहित जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव पर्यटन एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह विभाग भास्कर आत्माराम सावंत, प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग गायत्री ए. राठौड, प्रमुख शासन सचिव वित्त विभाग वैभव गालरिया, प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास विभाग डॉ. देबाशीष पृष्टी, प्रमुख शासन सचिव सामान्य प्रशासन विभाग नवीन जैन, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (इंटेलिजेंस), पुलिस आयुक्त जयपुर, विभिन्न विभागों के शासन सचिव तथा अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भट्टा बस्ती में चाकू मारकर किशोर की हत्या, दो आरोपी हिरासत में

जयपुर। भट्टा बस्ती इलाके में मामूली कहासुनी के बाद युवक (किशोर) की चाकू मारकर हत्या करने का मामला सामने आया है। गंभीर रूप से घायल युवक ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।

पुलिस के अनुसार घटना भोमियाजी की बस्ती की है। यहां रहने वाले आदिल का आसपास के कुछ युवकों से विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी झगड़े में बदल गई और आरोपियों ने आदिल पर चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल आदिल को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (उत्तर) बजरंग सिंह शेखावत ने बताया कि मृतक के परिजनों की शिकायत पर समीर,अरबाज सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों पक्षों के बीच पहले भी कई बार कहासुनी और विवाद हो चुका था। रविवार रात मामूली बात को लेकर विवाद बढ़ गया और आरोपियों ने चाकू से हमला कर दिया।

घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया और कुछ लोग भट्टा बस्ती थाने के बाहर आरोपियों की गिरफ्तारी का मांग को लेकर थाने का बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। तब पुलिस ने लाठीचार्ज कर लोगों को वहां से हटाने की कोशिश की। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और पूरे मामले की गहन जांच जारी है।

जोधपुर : जाट महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश बेनीवाल पर हमला

आसोप थाना अंतर्गत गछीपुरा गांव के पास हमलावरों ने प्रकाश बेनीवाल का रास्ता रोककर मारपीट की, वहीं दहशत फैलाने के लिए चार राउंड फायरिंग भी की

- हमले में प्रकाश बेनीवाल का एक साथी भी गंभीर रूप से घायल हुआ है, जोधपुर रेफर किया
- जाट समाज के नेता पर हुए इस हमले के बाद जाट समाज सहित सर्व समाज में नाराजगी, पुलिस ने हमलावरों की तलाश में नाकाबंदी की

जोधपुर, (कासं)। अखिल भारतीय आदर्श जाट महासभा के प्रदेशाध्यक्ष प्रकाश बेनीवाल पर कुछ लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया है। हमलावरों ने न केवल बेनीवाल का रास्ता रोककर मारपीट की, बल्कि दहशत फैलाने के लिए चार राउंड फायरिंग भी की। इस हमले में बेनीवाल का एक साथी भी गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिन्हें जोधपुर रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार, प्रकाश बेनीवाल पूर्व विधायक नारायणराम बेड़ा के परिवार में आयोजित एक शादी समारोह में शिरकत करने आसोप थाना अंतर्गत गछीपुरा गांव गए थे। जब बेनीवाल समारोह से वापस लौट रहे थे, तभी करीब 10 से 15 हमलावरों ने पूर्व नियोजित प्लानिंग के तहत उनका रास्ता रोक लिया। बदमाशों ने बेनीवाल और उनके साथियों पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया और हवा में गोलियां चलाईं। हमले में एक साथी के सिर पर गंभीर चोट आई है। घायलों को तुरंत भोपालगढ़ उप जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें जोधपुर के मथुरादास माथुर हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। प्रकाश बेनीवाल ने आसोप थानाधिकारी से संपर्क कर आरोपियों की तुरंत पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने की मांग की है।

जाट समाज के नेता पर हुए इस हमले के बाद न केवल जाट समाज, बल्कि सर्व समाज में भारी नाराजगी है। स्थानीय लोगों और समाज के संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि हमलावरों को जल्द से जल्द गिरफ्तार नहीं किया गया, तो वे सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करेंगे। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए हमलावरों की तलाश में नाकाबंदी कर दी है।

पच्चीस हजार की रिश्वत लेते बीसीएमओ गिरफ्तार

आरोपी अधिकारी

- एएनएम से मूल पदस्थापन स्थान पर लगाने की एवज में 30 हजार की रिश्वत मांगी थी
- आरोपी अधिकारी डॉ. बतीलाल मीणा कुछ महीनों बाद सेवानिवृत्त होने वाला था

गंगापुर सिटी, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने सवाई माधोपुर के गंगापुर सिटी में ब्लॉक चीफ मेडिकल ऑफिसर (बीसीएमओ) बत्ती लाल को 25 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। आरोपी ने ट्रांसफर करने की एवज में परिवादी से रिश्वत मांगी थी।

एसीबी के एएसपी ज्ञान सिंह चौधरी ने बताया कि एसीबी चौकी सवाई माधोपुर को एक शिकायत मिली थी। इसमें आरोप था कि परिवादी से डेपुटेशन के स्थान की बजाय उसे मूल पदस्थापन स्थान पर लगाने की एवज में 30 हजार रुपए की रिश्वत मांगी जा रही है। शिकायत का सत्यापन करवाया गया। इसमें आरोपी ने 5 हजार रुपए पहले ले लिए और बाकी 25 हजार रुपए की रिश्वत राशि सोमवार को लेना तय किया गया। इसके बाद एसीबी भरतपुर रेंज के डीआईजी डॉ. रामेश्वर सिंह और एएसपी ज्ञान सिंह चौधरी के नेतृत्व में ट्रैप की कार्रवाई की गई। इस दौरान आरोपी को परिवादी से 25 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए मौके पर ही डिटेन कर लिया।

टीम के अनुसार बत्ती लाल पर पहले भी कार्रवाई हुई है। पिछले साल अक्टूबर में चिकित्सा विभाग के तत्कालीन संयुक्त शासन सचिव ने आदेश जारी बत्तीलाल को पद से हटाया था। बीसीएमओ के पद से हटाकर उन्हें निदेशक जन स्वास्थ्य मुख्यालय जयपुर हाजिरी देने के निर्देश दिए गए थे। तब बतीलाल पर पद पर रहते हुए टेंडर प्रक्रियाओं में घालमेल और ग्रामीण चिकित्सा केंद्रों में पैसे लेकर चिकित्सा कर्मियों की नियुक्ति करने के गंभीर आरोप लगे थे।

एसीबी के महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी चौकी सवाई माधोपुर को एक परिवाद प्राप्त हुआ था, जिसमें शिकायतकर्ता एएनएम ने आरोप लगाया कि उसे व्यवस्थार्थ पदस्थापन स्थान से वापस मूल पदस्थापन स्थान पर लगाने की एवज में 30 हजार रुपए की रिश्वत मांगी जा रही थी। रिश्वत नहीं देने पर उसे लगातार परेशान किया जा रहा था। शिकायत मिलने पर एसीबी टीम ने पहले शिकायत का सत्यापन किया, जिसमें आरोपी द्वारा पांच हजार रुपए पूर्व में प्राप्त करना सामने आया। इसके बाद शेष 25 हजार रुपए की रिश्वत राशि लेने की पुष्टि होने पर ट्रैप कार्रवाई की योजना बनाई गई।

एसीबी भरतपुर रेंज के उप महानिरीक्षक पुलिस डॉ. रामेश्वर सिंह के सुपरविजन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्ञान सिंह चौधरी के नेतृत्व में टीम ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए डॉ. बतीलाल मीणा को परिवादी से 25 हजार रुपए रिश्वत लेते ही दबोच लिया। कार्रवाई गंगापुर सिटी स्थित कार्यालय में की गई, जहां एसीबी टीम द्वारा दस्तावेजों की जांच, साक्ष्य संकलन और अन्य कानूनी प्रक्रिया जारी है।

सूत्रों के अनुसार आरोपी अधिकारी डॉ. बतीलाल मीणा का कुछ महीनों बाद सेवानिवृत्त होने वाला था। ऐसे में रिटायरमेंट से पहले हुई इस कार्रवाई ने चिकित्सा विभाग में चर्चाओं का दौर तेज कर दिया है।

बीकानेर पहुंचेगा एयरफोर्स से रिटायर फाइटर जेट "मिग-21"

बीकानेर, (निसं)। भारतीय वायुसेना का गौरव रहा मिग-21 विमान अब बीकानेर जिले के श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र में स्थापित किया जाएगा। प्रदर्शन के लिए रखा जाने वाला यह मिग-21, बीकानेर के शहीद कैप्टन चंद्र चौधरी के पैतृक गांव बिग्गाबास रामसरा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के मैदान में स्थापित होगा। इससे आने वाली पीढ़ी को सेना के साहस और शौर्य की प्रेरणा मिलेगी।

कैप्टन चंद्र चौधरी के भाई सीताराम सियाग ने बताया कि मिग-21 श्रीडूंगरगढ़ पहुंचेगा। सेना के चार ट्रकों के काफिले के साथ आने वाले इस विमान का रास्ते में विभिन्न स्थानों पर स्वागत किया जाएगा। श्रीडूंगरगढ़ के मुख्य बाजार स्थित गोल मार्केट में स्थानीय युवा इसका स्वागत करेंगे। इसके बाद यह विमान रींड़ी गांव होते हुए बिग्गा बास रामसरा पहुंचेगा, जहां स्कूल परिसर में इसे स्थापित किया जाएगा। मिग 21 आज बीकानेर से होते हुए श्रीडूंगरगढ़ और वहां से बिग्गा रामसरा जाएगा। इसे फिर से जोड़ने और स्थापित करने का काम मंगलवार को होगा। असेम्बल करने में दो दिन का समय लगेगा। बीकानेर के म्यूजियम सर्किल चौराहे पर कैप्टन चंद्र चौधरी की प्रतिमा के पास भी एक फाइटर जेट एसटीपी 32 स्थापित किया गया है। इसके अलावा नाल में एयरफोर्स स्टेशन गेट पर दो मिग 21 विमान लगाए जा चुके हैं। बीकानेर के इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में भी एक फाइटर प्लेन लगाया गया है। ऐसे में बिग्गा बास रामसरा गांव में स्थापित होने वाला यह पांचवां फाइटर प्लेन है और तीसरा मिग-21 होगा। जानकारी के अनुसार बीकानेर के नाल एयरफोर्स स्टेशन से ही एयरफोर्स ने मिग-21 को साठ साल की सेवा के बाद विदाई दी थी। सभी रिटायर्ड मिग बीकानेर के नाल एयरपोर्ट पर ही आए थे। ऐसे में बिग्गा रामसरा पहुंच रहा मिग 21 भी नाल से ही भेजा जा रहा है।

शेयर बाजार में निवेश के नाम पर 50 लाख की ठगी

जोधपुर, (कासं)। शहर के कालका माताजी मंदिर के सामने मदेरणा कॉलोनी में रहने वाले एक युवक को शेयर बाजार में अच्छा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर 50 लाख का फ्राड कर लिया गया। पीड़ित ने कोर्ट में इस्तगासे के माध्यम से अब माता का थान पुलिस थाने में रिपोर्ट दी है। इसमें पिता-पुत्र को नामजद किया गया है। पुलिस उसके बयान के बाद अब अग्रिम जांच आरंभ करेगी।

माता का थान पुलिस ने बताया कि मदेरणा कॉलोनी स्थित कालका माताजी मंदिर के सामने रहने वाले करण सिंह पुत्र प्रेमासिंह की तरफ से कोर्ट में इस्तगासे के जरिए केस दर्ज कराया गया है। इसमें बताया कि वह वर्ष 2022 में रामगोपाल के संपर्क में आया था, जिसने शेयर बाजार में निवेश से अच्छा मुनाफा कमाने के बारे में जानकारी दी। बाद में इसकी बातों में आकर पहले दस हजार, फिर बीस हजार इस तरह रूपए देने लगा। वर्ष 2025 तक आते आते वह 50 लाख रूपए उसे दे दिए गए, मगर ना तो मुनाफा दिया गया और ना ही रकम को वापिस लौटाया गया। वह रकम लौटाने में भी आनाकानी करने लगा। इसमें रामगोपाल के पिता भी शामिल है। दोनों ने मिलकर उसे फ्रॉड का शिकार बनाकर रकम ऐंठ ली। पुलिस ने बताया कि केस दर्ज किया गया है।

पुलिस टीमों ने 425 स्थानों पर दबिश दी

कोटा, (निसं)। अवैध गतिविधियों की रोकथाम और आदतन अपराधियों पर नियंत्रण करने के उद्देश्य को लेकर ग्रामीण पुलिस की 67 टीमों ने 425 जगह पर दबिश देकर 123 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि जिले में 248 अधिकारियों की 67 टीमों ने 425 स्थानों पर दबिश दी। आर्म्स एक्ट, आबकारी एक्ट, वारंट और गिरोधात्मक कार्रवाई में 123 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान हार्डकोर अपराधी इस्लाम नगर निवासी इमरान उर्फ कालिया, हिस्टीशीटर काजू उर्फ अजाउद्दीन उर्फ इरफान और गुमानपुरा थाना सिमलिया निवासी कोहीनूर अमन मीणा को गिरफ्तार किया, जिनके कब्जे से 3 अवैध पिस्टल भी बरामद की है।

दो वाहनों की टक्कर में एक चालक की मौत

कोटा, (निसं)। नेशनल हाइवे-52 पर दरा घाटी में रविवार देर रात्रि को दो ट्रक कंटेनर की आमने-सामने की भिड़ंत में एक चालक की मौत हो गई है, दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कंटेनर चालक केबिन में बुरी तरह से फंस गया, जिसे निकालने में ही डेढ़ घंटा लग गया। वहीं हादसे के बाद नेशनल हाइवे-52 पर पूरी तरह से जाम लग गया, जिसमें दोनों तरफ पांच-पांच किलोमीटर तक वाहन खड़े हो गए, जिसे खुलवाने में भारी मशक्कत करनी पड़ी।

ग्रामीण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीणा ने बताया कि दरा घाटी के समीप दो ट्रक कंटेनर की आमने-सामने की टक्कर हो गई, हादसे में एक ट्रक कंटेनर चालक की मौत हो गई। कनवास थाना अधिकारी अनूप सिंह ने बताया कि दुर्घटना में कोटा की तरफ से जा रहे कंटेनर और झालावाड़ की तरफ से आ रहे ट्रक कंटेनर में टक्कर हुई है।

दुर्घटना इतनी भयंकर थी कि दोनों ट्रक आगे से पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए, कंटेनर चालक केबिन में ही फंसा हुआ था, जिसे निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी और केबिन की फाटक को तोड़कर उसे निकाला गया। उसके दोनों पैर स्टेयरिंग के नीचे फंस गए थे। हादसे में गंभीर रूप से घायल चालक को मंडाना अस्पताल भेजा गया, जहां पर चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं झालावाड़ की तरफ से आ रहे ट्रक कंटेनर का चालक दुर्घटना के बाद मौके से फरार हो गया।

आनासागर झील में अवैध मत्स्याखेट पर कार्रवाई

- 6 नावें, 12 चप्पू, 40 करंट जाल और करीब 400 किलोग्राम मछली जब्त की

अजमेर, (निसं)। जिला मत्स्य विभाग ने झीलों में अवैध मत्स्याखेट की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत आनासागर झील पर औचक निरीक्षण कर बड़ी कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान 6 नावें, 12 चप्पू, लगभग 40 करंट जाल और करीब 400 किलोग्राम मछली जब्त की गई।

सहायक निदेशक मत्स्य मदनसिंह ने बताया कि विभाग को झील में अवैध गतिविधियों की सूचना मिल रही थी। इसी आधार पर रात में फॉयसागर पुलिस चौकी के सामने वाली गली से चौपाटी क्षेत्र में निरीक्षण किया गया। चौपाटी के निकट 6 नावें और 12 चप्पू लावारिस अवस्था में मिले, जिससे अवैध मत्स्याखेट की आशंका पुष्ट हुई। मौके पर कोई व्यक्ति नहीं मिला। विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए नावों और चप्पुओं को जब्त कर मत्स्य कार्यालय पहुंचाया। पूरी रात निगरानी की गई। रविवार सुबह नगर निगम की सहायता से झील में डाले गए लगभग 40 करंट जाल निकाले गए, जिनमें फंसी करीब 400 किलो मछलियां बरामद की गईं। जब्त मछलियों को सार्वजनिक नीलामी के लिए अजमेर मछली मंडी लाया गया, जिससे लगभग 30 हजार रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध मत्स्याखेट के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ मत्स्य अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। आमजन से भी अपील की गई है कि झीलों में अवैध गतिविधियों की सूचना तत्काल विभाग को दें, ताकि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

मैरिट लिस्ट को लेकर कर्मचारियों का धरना

- पदोन्नति से जुड़ी लंबित मैरिट लिस्ट जारी करने की मांग

अलवर, (निसं)। अलवर में पंचायती राज मंत्रालयिक कर्मचारी संगठन की जिला शाखा ने पदोन्नति से जुड़ी लंबित मैरिट लिस्ट जारी करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। संगठन के पदाधिकारियों और कर्मचारियों ने जिला परिषद परिसर में धरना देते हुए प्रशासन से जल्द निर्णय लेने की मांग की।

कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से मैरिट लिस्ट जारी नहीं होने से पदोन्नति प्रक्रिया अटकी हुई है, जिससे कार्मिकों में नाराजगी बढ़ रही है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर जल्द सूची जारी नहीं की गई तो वे आंदोलन और तेज किया जाएगा और भूख हड़ताल पर बैठेंगे। धरने की सूचना पर जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर मौके पर पहुंचे। उन्होंने कर्मचारियों की बात सुनी और अधिकारियों को प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कर्मचारियों की जायज मांगों पर जल्द कार्रवाई की जाएगी।

जिला अध्यक्ष दीपक यादव ने कहा कि पंचायत राज चुनाव के बाद नए जिलों की जिला परिषद बनने से मौजूदा कर्मचारियों की पदोन्नति में और दिक्कत आ सकती है। संगठन कोषाध्यक्ष तेजपाल चौधरी ने कहा कि जब तक मांगें पूरी नहीं होती, धरना जारी रहेगा। धरने में जिला महामंत्री दयाराम गुर्जर सहित सभी ब्लॉकों के अध्यक्ष और जिलेभर के मंत्रालयिक कर्मचारी मौजूद रहे।

बीमारी से परेशान बुजुर्ग ने आत्महत्या की

- मृतक ने मौके पर सुसाइड नोट भी छोड़ा, जांच शुरु

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी थाना इलाके में बीमारी से परेशान एक 63 वर्षीय बुजुर्ग ने घर में फांसी का फन्दा लगाकर आत्महत्या कर ली। रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा ने बताया कि कृष्णा नगर निवासी 63 वर्षीय पवन कुमार घर की छत पर रेलिंग से फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक सांस की बीमारी से परेशान था, मृतक ने मौके पर सुसाइड नोट भी छोड़ा है, जिसमे बीमारी से परेशान होने के चलते यह कदम उठाया है।

भीलवाड़ा : सनातन मंगल महोत्सव में पहुंचे वासुदेव देवनानी

- विधायक अशोक कुमार कोठारी व कार्यकर्ताओं ने विधानसभा अध्यक्ष का स्वागत किया

भीलवाड़ा, (निसं)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के भीलवाड़ा आगमन पर आयोजित सनातन मंगल महोत्सव एवं दीक्षादान समारोह में श्रद्धा और उत्साह का वातावरण देखने को मिला। हरी सेवा उदासीन आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में भीलवाड़ा विधायक अशोक कुमार कोठारी ने कार्यकर्ताओं के साथ उपस्थित होकर विधानसभा अध्यक्ष का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

कार्यक्रम के दौरान श्रीमद् भागवत पुराण महाकथा के अंतर्गत कृष्ण जन्मोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधायक कोठारी ने आश्रम के महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन सहित संत-महंतों एवं सैकड़ों की संख्या में उपस्थित सनातनी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आध्यात्मिक ऊर्जा और सांस्कृतिक एकता का संचार करते हैं। विधायक कोठारी ने अपने संबोधन में कहा कि सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराएं भारतीय जीवन मूल्यों की आधारशिला हैं, जिनका संरक्षण और संवर्धन हम सभी का दायित्व है। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष देवनानी के भीलवाड़ा आगमन को जिले के लिए गौरव का विषय बताया।

इस अवसर पर भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष लादू लाल तेली, प्रदेश कार्य समिति सदस्य भगवान सिंह चौहान, पूर्व जिला महामंत्री बाबूलाल टाक, सांसद प्रवक्ता विनोद झुरानी, धाम मीडिया प्रभारी पंकज आडवाणी, मूलचंद बहरवानी, रमेश मूंदड़ा, महावीर खंडेलवाल, मोहन दिया सहित आयोजन समिति के सदस्यों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विधायक अशोक कुमार कोठारी ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का आभार व्यक्त करते हुए उनके मार्गदर्शन को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया।

चलती कार में आग लगी, जनहानि नहीं

आग लगने से कार पूरी तरह से जल गई।

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र के बागौर-मांडल सड़क मार्ग पर सोमवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यहां भादू माताजी के समीप एक चलती हुई कार में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने इतना विकराल रूप धारण कर लिया कि कुछ ही मिनटों में कार पूरी तरह जल गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कार जब सड़क से गुजर रही थी, तभी अचानक बोनट से धुआं निकलने लगा। चालक ने तत्परता दिखाते हुए कार को सड़क किनारे रोका। इससे पहले कि आग पूरी कार को अपनी चपेट में लेती, वाहन में सवार सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल गए। चश्मदीदों के अनुसार, आग इतनी तेजी से फैली कि सवारों को अपना सामान निकालने तक का मौका नहीं मिला। हादसे के बाद सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गई और राहगीरों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर मांडल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात सुचारू करवाया। हालांकि आग लगने के कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन प्रथमदृष्टया बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट को ही मुख्य कारण माना जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शराबी देवर ने भाभी के कमरे में आग लगाई, आरोपी गिरफ्तार

- आग से बेड, कूलर, फ्रिज सहित पूरा सामान जलकर राख हुआ, जनहानि नहीं हुई
- बताया जा रहा है कि एक दिन पहले झगड़ा हुआ था, पुलिस ने युवक को समझाया भी था

अलवर, (निसं)। अलवर शहर में घरेलू झगड़े के चलते छोटे भाई (देवर) ने बड़े भाई की पत्नी (भाभी) के कमरे में आग लगा दी। आग लगने से कमरे में रखा बेड, कपड़े, फ्रिज, कूलर सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया। हालांकि, उस समय कमरे में उसके भाई की पत्नी और बच्चे नहीं थे, जिससे बड़ा हादसा टल गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना अरावली विहार थाना क्षेत्र के बनिया का बाग में सोमवार सुबह करीब चार बजे की है।

जानकारी के मुताबिक, आग लगाने के पहले दिन देवर ने अपनी भाई से झगड़ा किया था। उसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने भी युवक को समझाया भी था। फिर भी आरोपी ने उसके कमरे में आग लगाने जैसा गलत कदम उठा ही लिया। आरोपी राजेश सेन (37) की भाभी सरला देवी के पति की दो साल पहले बीमारी के कारण मौत हो गई थी, जिसके बाद से वह घर में अपने दो बच्चों और सास के साथ रहती है। उसी घर में उसका देवर रहता है, जो आए दिन उससे साथ झगड़ा करता रहता है। आए दिन शराब के नशे में तोड़फोड़ कर देता है, जिससे परेशान होकर रविवार को सरला अपने रिश्तेदार के यहां सोनावा डूंगरी पर चल गई थी, लेकिन सोमवार सुबह करीब चार बजे पता चला कि उनके घर में आग लग गई, जिसके बाद वह यहां पहुंचा तो कमरे में सारा सामान राख के ढेर में बदल चुका था। उनके यहां नहीं रहने से बच्ची समेत उसकी जान बच गई। हालांकि, आग लगने की सूचना के बाद मौके पर दमकल ने पहुंचकर आग पर काबू पा लिया था। इस दौरान पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

महिला के रिश्तेदार का कहना है कि गरीब महिला मजदूरी कर बच्चों को पाल रही है, लेकिन उसका ही देवर उसे परेशान करता रहता है, जो अविवाहित है। उस पर गंदी नजर रखता है। पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी गई है।

सायबर फ्रॉड के 50 हजार रूपये रिफण्ड करवाये

तारानगर, (निसं)। तारानगर थाने के कॉंस्टेबल ओमप्रकाश हुड्डा ने सायबर पोर्टल पर प्राप्त शिकायत पर कार्रवाई करते हुये सायबर फ्रॉड के हुए 50 हजार रूपये की राशि वापिस परिवादी के खाते में रिफण्ड करवाई।

थानाधिकारी सतपाल बिश्नोई ने बताया कि 8 दिसम्बर 2025 को कस्बे के कुलवन्त चौधरी ने सायबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवायी कि उसके पास नासिर नाम के एक अनजान आदमी का फोन आया और कहा कि मेरा कजिन भाई जो कोलकाता में रहता है जो एक्सीडेंट में घायल हो गया है और हॉस्पिटल में भर्ती है। मैंने अपने भाई को फोन किया, लेकिन उसका फोन बंद था। फिर नासिर ने मुझसे रुपये भेजने को कहा। मैं डर गया और उसके अकाउंट में 50,000 रुपये ट्रांसफर कर दिए। बाद में मुझे पता चला कि यह एक फ्रॉड कॉल था। जिस पर सायबर पोर्टल पर परिवाद दर्ज की गई। कॉस्टेबल ओमप्रकाश हुड्डा ने परिवाद का अवलोकन कर परिवादी से जांच कर परिवादी के खाते से स्थानान्तरित हुई राशि को ट्रेस कर त्वरित कार्रवाई करते हुये परिवादी के खाते से स्थानान्तरित हुई 50 हजार रूपये की राशि होल्ड करवाई।

निंबार्क आश्रम में पहली बार लठ्ठमार होली खेली

भीलवाड़ा, (निसं)। फाल्गुन की मस्ती और राधा-कृष्ण के अटूट प्रेम का संगम गांधीनगर स्थित निंबार्क आश्रम में देखने को मिला। अवसर था भव्य फाग महोत्सव का, जहां आस्था का ऐसा सैलाब उमड़ा कि समूचा आश्रम परिसर गोकुल-बरसाना के रंग में रंग गया।

इस महोत्सव की खास बात यह रही कि भीलवाड़ा में पहली बार ब्रज की तर्ज पर विविध प्रकार की होली का अनूठा आयोजन किया गया। शुरुआत महंत मोहन शरण महाराज के पावन सानिध्य में हुई। भजन गायक पंडित देवराज व्यास ने जब अपनी टीम के साथ भजनों की अमृत वर्षा शुरू की, तो श्रद्धालु खुद को झूमने से नहीं रोक पाए। आयोजक दिनेश शर्मा व नीलम शर्मा ने बताया कि इस बार महोत्सव को खास बनाने के लिए कई प्रयोग किए गए। कार्यक्रम के दौरान केवल फूलों की ही नहीं, बल्कि कई अन्य रूपों में होली खेली गई। ब्रज की परंपरा को जीवंत करते हुए लठमार होली का प्रदर्शन किया गया, जो शहरवासियों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र रही। भगवान के विग्रहों के साथ भक्तों ने लड्डू और टॉफियों की होली खेलकर एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया। अंत में महकते फूलों और गुलाल के साथ पूरा वातावरण सतरंगी हो उठा। भीलवाड़ा में इस तरह का आयोजन पहली बार हुआ है।

सूरजगढ़ से शुरू हुई खाटू श्याम निशान यात्रा का जगह-जगह स्वागत

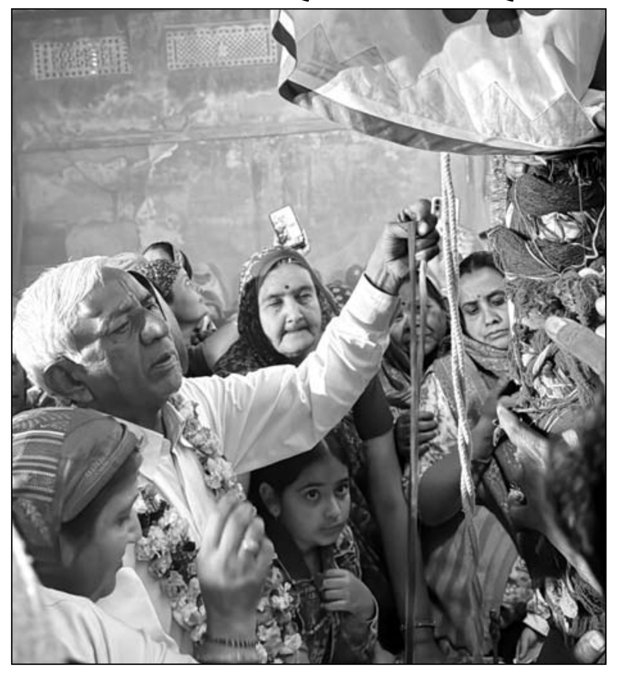
सूरजगढ़ से निकली निशान पदयात्रा का कई जगह स्वागत हुआ।

सूरजगढ़/चिड़ावा, (निसं)। खाटूश्याम जी के लाखों भक्त विश्व भर में फैले हैं, लेकिन सूरजगढ़ से निकलने वाला निशान (ध्वजा) अपनी अनूठी आस्था और इतिहास के लिए विशेष है। मुगल शासनकाल में लगभग 1779 के आसपास जब मुगलों ने खाटू मंदिर को ध्वस्त करने की साजिश रची। तो सूरजगढ़ के ठाकुर सूरजमल सिंह ने अपने जांबाज योद्धाओं, आम जनता और श्रद्धालुओं के साथ तलवारें उठाई। सूरजगढ़ से खाटू तक पदयात्रा कर उन्होंने तीन माह तक मुगलों से युद्ध लड़ा और मंदिर की रक्षा की। इसी प्रकार अंग्रेजी काल में जब अंग्रेजों ने मंदिर के मुख्य द्वार पर ताला लगाकर आस्था पर ठेस पहुंचाने की कोशिश की। तो मांगा भगत ने मोर छड़ी से ताले पर प्रहार कर उसे खोल दिया। डर के मारे अंग्रेज पीछे हट गए। तब से मंदिर कमेटी ने निर्णय लिया कि सूरजगढ़ का निशान पूरे वर्ष मुख्य शिखर पर लहराएगा। यह परंपरा आज भी जीवंत है, जो सूरजगढ़ की भक्ति और बलिदान की प्रतीक बनी हुई है।

378वीं निशान पदयात्रा का शुभारंभ :- फाल्गुन मास में खाटू श्याम के लक्खी मेले के अवसर पर 378वीं सूरजगढ़ निशान पदयात्रा का शुभारंभ हुआ। सूरजगढ़ के श्याम दरबार से भक्त मनोहरलाल सैनी और मोहनलाल सैनी इंदौरिया के सानिध्य में हजारों श्रद्धालु निशान लेकर खाटू के लिए निकले। कस्बे में जगह-जगह निशान का स्वागत हुआ, जयकारों से गूंज उठा। यह ऐतिहासिक पदयात्रा सूरजगढ़ से शुरू होकर सुलताना, गुढ़ा, गुरारा होते हुए खाटू श्याम मंदिर पहुंचेगी। विभिन्न पड़ावों पर रात्रि विश्राम की व्यवस्था है। फाल्गुन मास की द्वादशी को यह पवित्र निशान खाटू श्याम मंदिर के मुख्य शिखर पर चढ़ाया जाएगा, जहां यह पूरे वर्ष भक्ति का प्रतीक बनकर लहराता रहेगा। भक्त महेंद्र बाबूलाल सैनी ने बताया कि यह यात्रा न केवल आस्था की है, बल्कि सूरजगढ़ और खाटू के बीच सदियों पुराने रिश्ते की जीवंत अभिव्यक्ति है।

वहीं श्याम मंदिर सूरजगढ़ धाम से प्रारंभ हुई यह विशाल पदयात्रा खाटू श्याम मंदिर के लिए रवाना हुई। पदयात्रियों का जत्था जब चिड़ावा रेलवे स्टेशन पहुंचा तो वर्मा भवन में श्रद्धालुओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। सूरजगढ़ निशान के तत्वावधान में आयोजित इस स्वागत समारोह में भक्त शिरोमणि हजारीलाल सैनी का अभिनंदन किया गया तथा निशान की विधिवत पूजा-अर्चना कर आरती उतारी गई। श्याम प्रेमी एवं पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा के नेतृत्व में क्षेत्र के व्यापारियों एवं नागरिकों ने पदयात्रियों का स्वागत कर सेवा भाव प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में बाबूलाल वर्मा सह परिवार, राधेश्याम वर्मा, पार्षद मदन डारा, मोहनलाल वर्मा, सोहन वर्मा, विजेंद्र, नीरज वर्मा, पवन मारवाल, डॉ. अशोक कुमार शर्मा, विनोद मंडल, राजू लमोरिया सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं एवं महिलाओं ने सहभागिता निभाई।

भारत को द. अफ्रीका के खिलाफ खेले गए टी-20 विश्व कप के मैच से सबक लेकर अपने अहं का त्याग करना चाहिए और अति आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरकर हर गेंद को बाउंड्री लाइन के बाहर भेजने के बजाय परिस्थितियों के अनुसार खेलना चाहिए। - सुनील गावस्कर

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, भारतीय टीम की हार को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — **महेन्द्र सिंह धोनी**

आईपीएल 2026 सत्र की तैयारियों के बीच एक बार फिर महेंद्र सिंह धोनी के भविष्य को लेकर चर्चा तेज हो गई है कि क्या दिग्गज पूर्व कप्तान इस साल चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सभी मैचों में खेलते नजर आएंगे? फ्रेंचाइजी के एक शीर्ष सूत्र ने इसकी पुष्टि की कि 45 वर्ष के होने जा रहे धोनी आगामी आईपीएल सत्र के लिए चेन्नई सुपर किंग्स के साथ उपलब्ध रहेंगे। टीम में इस बार बड़ी रकम के साथ ट्रेडिंग के जरिए संजू सैमसन के शामिल होने के बाद हालांकि यह संभावना कम मानी जा रही है कि पूर्व भारतीय कप्तान लीग चरण के सभी मुकाबलों में खेलेंगे।

क्या आप जानते हैं ?... टी-20 में अनोखा रिकॉर्ड : फरवरी 2026 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ, सभी 10 भारतीय बल्लेबाज कैच आउट हुए, जो एक रिकॉर्ड है।

ICC MEN'S T20 WORLD CUP

आज के मैच

इंग्लैंड व पाकिस्तान के बीच शाम 7 बजे

दक्षिण अफ्रीका से शर्मनाक हार के बाद चेन्नई पहुंची भारतीय क्रिकेट टीम, अब करो या मरो का मुकाबला

टी-20 विश्व कप

चेन्नई, 23 फरवरी। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम सोमवार को चेन्नई पहुंच गई। टीम 26 फरवरी को एमए चिदंबरम स्टेडियम में जिम्बाब्वे के खिलाफ आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के सुपर 8 के अपने दूसरे मैच के लिए चेन्नई में तैनात है। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम को रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए टी20 विश्व कप 2026 के पहले सुपर 8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 76 रनों की करारी हार का सामना करना पड़ा।

इस बड़ी हार के साथ ही भारत को आईसीसी क्रिकेट के सभी श्वेत-गेंद प्रारूपों में 18 मैचों में पहली हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले 2023 विश्व कप के फाइनल में भी भारत को इसी मैदान - नरेंद्र मोदी स्टेडियम - पर ऑस्ट्रेलिया से हार मिली थी। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में रनों के अंतर से यह भारत की दूसरी सबसे बड़ी हार थी। इससे पहले 2019 में वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ 80 रनों की हार हुई थी। टी20 विश्व कप के इतिहास में भारत को अपनी सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा।

मैच की बात करें तो, डेविड मिलर (63) और देवाल्ड ब्रेविस (45) की चौथी विकेट के लिए शानदार 97 रनों की साझेदारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवरों में 187/7 रन बनाए। ट्रिस्टन स्टब्स ने तेज गति से खेलते हुए नाबाद 44 रन बनाए। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह (2/28), जसप्रीत बुमराह (3/15), वरुण चक्रवर्ती (1/47) और शिवम दुबे (1/32) ने विकेट लिए। 188 रनों का बचाव करते हुए दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया।

भारतीय बल्लेबाजों में से कोई भी अर्धशतक नहीं बना सका। शिवम दुबे ने 42 रन बनाकर सर्वोच्च स्कोर किया और भारत ने मौजूदा चैंपियन को 18.5 ओवरों में मात्र 111 रनों पर ऑल आउट कर दिया और भारतीय टीम को 76 रनों से हरा दिया।

भारत के लिए अर्शदीप सिंह (2/28), जसप्रीत बुमराह (3/15), वरुण चक्रवर्ती (1/47) और शिवम दुबे (1/32) ने विकेट लिए। दक्षिण अफ्रीका के लिए कप्तान एडेन मार्कराम (1/5), मार्को जानसेन (4/22), केशव महाराज (3/24) और कॉर्बिन बॉश (2/12) ने गेंद से शानदार प्रदर्शन किया।

वैभव सूर्यवंशी बिहार की नई उम्मीद-नीतीश कुमार

नई दिल्ली, 23 फरवरी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को 50 लाख रुपये का चेक देकर सम्मानित किया।

सूर्यवंशी की रिकॉर्ड सेंचुरी की मदद से भारत ने छह रिकॉर्ड को आईसीसी अंडर-19 विश्व कप 2026 का खिताब जीता था। समस्तीपुर जिले के रहने वाले 14 साल के इस खिलाड़ी ने 80 गेंद पर 218 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 175 रन बनाए और उन्हें मैच और टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक सूर्यवंशी को मुख्यमंत्री के सरकारी आवास परिसर में 'संकल्प सभागार' में चेक और शॉल देकर सम्मानित किया गया। नीतीश ने कहा, "अपनी कड़ी मेहनत और प्रतिभा से वैभव सूर्यवंशी भारतीय क्रिकेट के लिए एक नई उम्मीद बनकर उभरे हैं। मैं उन्हें राष्ट्रीय टीम के लिए नई उपलब्धियां बनाने और देश का नाम रोशन करने में सफलता की कामना करता हूं।" उन्होंने कहा कि इस युवा क्रिकेटर के प्रदर्शन ने बिहार को गौरवान्वित किया और भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई।

दक्षिण अफ्रीका से हार का साइडइफेक्ट : अभिषेक की होगी छुट्टी, संजू को मिलेसा मौका : रयान टेन

अहमदाबाद, 23 फरवरी। आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण के पहले मैच में अहमदाबाद में दक्षिण अफ्रीका से मिली करारी हार के बाद, भारतीय सहायक कोच रयान टेन डोएस्केट ने कहा कि शीर्ष क्रम में संजू सैमसन जैसे दाएं हाथ के बल्लेबाज का होना "आने वाले कुछ दिनों में चर्चा का विषय" रहेगा। उन्होंने खराब फॉर्म में चल रहे विश्व के नंबर एक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की खराब फॉर्म का भी जिक्र किया, जो लगातार तीन बार शून्य पर आउट होने के बाद अपना पहला रन बनाने के बाद सिर्फ 15 रन ही बना सके।

भारत के बाएं हाथ के बल्लेबाजों से भरे शीर्ष क्रम के दो होनहार सदस्य, अभिषेक और तिलक, एक बार फिर तेज गेंदबाजी और स्पिन गेंदबाजी के सामने बेनकाब हो गए। शीर्ष क्रम के लड़खड़ाने से भारत को 188 रनों के लक्ष्य का पीछा करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। ईशान किशन, तिलक वर्मा और अभिषेक शर्मा के एक-एक करके आउट होने के बाद भारतीय टीम वापसी नहीं कर पाई और शिवम दुबे के कुछ संघर्ष के बावजूद, भारत 111 रनों पर ऑल आउट हो गया। जहां एक ओर ईशान को एक दुर्लभ असफलता का सामना करना पड़ा है, वहीं अभिषेक के लिए भी हालात कुछ खास अच्छे नहीं रहे हैं। उन्होंने चार पारियों में सिर्फ 15 रन बनाए हैं, जिनमें से सभी रन उन्होंने आज ही बनाए हैं। वहीं तिलक ने पांच पारियों में सिर्फ 107 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 118 से अधिक है, जो औसत से कम है। टीम में सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन के होने से एक दाएं हाथ का विकल्प मौजूद है जो बाएं हाथ के बल्लेबाजों से भरी शीर्ष क्रम को तोड़ सकता है।

इससे पहले भारत ईशान और अभिषेक के साथ सलामी बल्लेबाजी कर सकता है और तिलक के बाहर होने की स्थिति में शायद उन्हें तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए बुलाया जा सकता है। संजू अकेले विकल्प हैं। लेकिन समस्या यह है कि संजू लंबे समय से लय में नहीं हैं। उन्होंने 2025 की शुरुआत से अब तक 17 पारियों में सिर्फ 290 रन बनाए हैं, जिनका औसत 17.05 और स्ट्राइक रेट 133.64 है, जिसमें एक अर्धशतक भी शामिल है।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब रयान से पूछा गया कि क्या कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ शीर्ष चार में एक और दाएं हाथ के बल्लेबाज को शामिल करने के लिए संजू को लाने पर चर्चा हो रही है, तो उन्होंने कहा कि हां, बिल्कुल, हमने इस पर चर्चा की है, और अब तक खेले गए पांच मैचों को देखें, तो चार टीमों ने अंशकालिक ऑफ स्पिन से ओपनिंग की है, और हर बार हमें एक विकेट मिला है, सिवाय यूएसए के खिलाफ मैच के जहां हमने अभि को बिना स्कोर किए ही खो दिया।

इंडियन ओपन रेस वॉक : पंजाब के साहिल का बड़ा उलटफेर ओलंपियन परमजीत-अक्षदीप को पछाड़कर जीता स्वर्ण

नई दिल्ली, 23 फरवरी। पंजाब के खिलाड़ी साहिल ने 'इंडियन ओपन रेस वॉक' प्रतियोगिता के अंतिम दिन रविवार को यहां पुरुष हाफ मैराथन में अपने से अधिक चर्चित प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता। मनोरम सुखना झील कोर्स पर रोमांचक मुकाबले में 24 वर्षीय साहिल ने तमिलनाडु के अनुभवी सर्विन सेबेस्टियन की कड़ी चुनौती को पीछे छोड़ते हुए 21 किलोमीटर की दूरी को एक घंटा 25 मिनट 48 सेकंड में पूरा कर पहला स्थान हासिल किया। सेबेस्टियन ने 1:25:50.00 के समय के साथ रजत पदक जीता, जबकि हरियाणा के हरदीप ने 1:26:03.00 का समय लेकर कांस्य पदक अपने नाम किया। पेरिस ओलंपियन परमजीत सिंह बिष्ट (उत्तराखंड) 1:26:07.00 के समय के साथ चौथे स्थान पर रहे। बीस किमी पैदल चाल के ओलंपियन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक पंजाब के अक्षदीप सिंह सातवें स्थान पर रहे। उन्होंने 1:27:37.00 का समय लिया।

वेस्टइंडीज की सुपर-8 में पहली जीत

जिम्बाब्वे को 107 रन से हराया, हेटमायर-पॉवेल की फिफ्टी

मुंबई, 23 फरवरी। वेस्टइंडीज ने टी-20 वर्ल्ड कप के चौथे सुपर-8 मैच में जिम्बाब्वे को 255 रन का टारगेट दिया है। वानखेड़े स्टेडियम में जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। विंडीज ने 20 ओवर में 6 विकेट 254 रन बनाए। यह टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। जवाबी पारी में जिम्बाब्वे ने 14.3 ओवर में 9 विकेट पर 103 रन बना लिए हैं। ब्रैड इवांस और रिचर्ड नगारवा क्रीज पर हैं। ब्लेसिंग मुजरबानी को अकील हुसैन ने कैच आउट कराया। ट्यीम क्रेमर (जीरो) को जेसन होल्डर ने अपनी ही बॉल पर कैच किया।

टोनी मुनयोंगा (14 रन) को गुडाकेश मोती ने शमार जोसेफ के हाथों कैच कराया। मोती को चौथा विकेट मिला है। उन्होंने सिकंदर रजा (27 रन), ताशिंगा मुसेकिवा (जीरो) और डायान मायर्स (28 रन) को भी आउट कर दिया। अकिल हुसैन ने ब्रायन बेनेट (5 रन) और रायन बर्ल (जीरो) को लगातार 2 बॉल पर आउट किया। तदिवानाशे मारुमनी (14 रन) को मैथ्यू फोर्ड ने पवेलियन भेजा।

शिमरन हेटमायर ने रचा इतिहास, टी20 विश्वकप में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले वेस्टइंडीज के बल्लेबाज - टी20 विश्व कप 2026 में सोमवार को वेस्टइंडीज का सामना जिम्बाब्वे से हुआ। वानखेड़े में खेले गए इस मुकाबले में शिमरन हेटमायर ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह टी20 विश्व कप में वेस्टइंडीज की तरफ से सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। इस मैच में जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर वेस्टइंडीज को बल्लेबाजी का न्योता दिया। ब्रैंडन किंग के सस्ते में आउट होने के बाद मैदान पर उतरे हेटमायर ने शुरुआत से ही दमदार शॉट्स लगाए। उन्होंने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 19 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। टी20 विश्व कप में वेस्टइंडीज की तरफ से सबसे तेज फिफ्टी लगाने का रिकॉर्ड भी अब हेटमायर के नाम दर्ज हो गया है।

सकारात्मक तरीके से ही अपना ही रिकॉर्ड तोड़ डाला है। इसी विश्व कप में स्कॉटलैंड के खिलाफ खेलते हुए हेटमायर ने 22 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। हेटमायर की तूफानी बल्लेबाजी के आगे जिम्बाब्वे का गेंदबाजी अटैक बेबस नजर आया। इस मुकाबले में वह 34 गेंदों में सात चौके और सात छक्के की मदद से 85 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने लिया स्टेडियम का जायजा

संबंधित अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

जयपुर, 23 फ़रवरी। प्रदेश के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सोमवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम का जायजा लिया। उन्होंने स्टेडियम के सभी स्टैंड्स का अवलोकन किया और अतिरिक्त मुख्य सचिव पीडब्ल्यूडी प्रवीण गुप्ता और शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग तथा अध्यक्ष, राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद डॉ. नीरज कुमार पवन से स्टेडियम में आवश्यक नवीनीकरण कार्य की जानकारी ली। इस दौरान राजस्थान रॉयल्स के उपाध्यक्ष भी मौजूद थे। डॉ. नीरज कुमार पवन ने बताया कि आईपीएल मैचों के आयोजन से पहले सिविल, वाटर और इलेक्ट्रिक वर्क, नई लिफ्ट लगाने, वीआईपी साउथ स्टैंड्स के साथ नॉर्थ और अन्य स्टैंड्स के वॉशरूम का अपग्रेडेशन, कंटीले तारों को हटाकर नई जालियां लगाने तथा दर्शकों को सुविधा और सुरक्षा की दृष्टि से सभी आवश्यक कार्य पूरे किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि स्टेडियम को आईपीएल मानकों के अनुरूप बनाने के लिए कई बड़े बदलाव किए जाएंगे। सुरक्षा की दृष्टि से सबसे ज्यादा ध्यान स्टेडियम की मजबूती और फायर सेफ्टी पर दिया जा रहा है। सवाई मान सिंह स्टेडियम को आईपीएल मानकों के अनुरूप तैयार करने का काम सार्वजनिक निर्माण विभाग को सौंपा गया है। डॉ. नीरज कुमार पवन ने बताया कि जयपुर में आईपीएल मैचों के लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। स्टेडियम में काफी सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। पीडब्ल्यूडी की टीम स्टेडियम में सभी तरह के अपग्रेडेशन के कार्यों को समय पर पूरा कर स्टेडियम को मैचों के आयोजन के लिए तैयार कर देगी। दर्शकों की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि दर्शक आरामदायक और सुविधाजनक माहौल में मैचों का आनन्द लें।

ब्राजील के टेनिस स्टार जोआओ फोन्सेका का जलवा, रियो ओपन जीतकर हुए भावुक

नई दिल्ली, 23 फरवरी। रियो डी जेनेरियो से एक भावुक पल सामने आया, जहां 19 वर्षीय ब्राजीलियाई टेनिस खिलाड़ी जोआओ फोन्सेका ने इतिहास रचने के बाद अपने आंसू नहीं रोक पाए। घरेलू दर्शकों के बीच खेले गए रियो ओपन में फोन्सेका ने हमवतन मार्सेलो मेलो के साथ पुरुष युगल खिताब अपने नाम किया। गौरतलब है कि इस जीत के साथ फोन्सेका 2001 के बाद एटीपी 250 स्तर से ऊपर किसी टूर्नामेंट में युगल खिताब जीतने वाले पहले किशोर बन गए। इससे पहले यह उपलब्धि महान स्विस खिलाड़ी रोजर फेडरर ने हासिल की थी, जब उन्होंने जोनास ब्योर्कमैन के साथ रॉटरडैम ओपन जीता था।

रियो ओपन के फाइनल में ब्राजील की जोड़ी ने रॉबिन हासे और कॉन्स्टेंटिन फ्रांट्ज़ेन के खिलाफ एक सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी की। मौजूद जानकारी के अनुसार मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और अंतिम अंक तक दर्शकों की सांसें थमी रहीं। जीत के बाद जब फोन्सेका भाषण देने के लिए आगे आए तो जोकी क्लब ब्राजीलियरो में मौजूद हजारों दर्शक खड़े होकर तालियां बजाने लगे।

घरेलू समर्थन से अभिभूत होकर फोन्सेका भावुक हो गए और कुछ पल तक बोल नहीं सके। खुद को संभालने के बाद उन्होंने कहा कि एक दिन वह यहां एकल खिताब भी जीतना चाहते हैं। उन्होंने पुर्तगाली में कहा कि अभी के लिए युगल ट्रॉफी भी खास है, लेकिन सपना सिंगल्स खिताब का है। बता दें कि एकल वर्ग में उनका अभियान उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। उन्हें पेरू के इग्नासियो बुसे ने तीन सेट के मुकाबले में हराया।

सुपर आठ में भारतीय टीम से कहां हुई बड़ी चूक, कप्तान सूर्यकुमार ने पावरप्ले को ठहराया जिम्मेदार

अहमदाबाद, 23 फरवरी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर आठ के पहले मैच में अपनी टीम की हार के बाद, भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि उनकी टीम ने पावरप्ले में बहुत ज्यादा विकेट गंवा दिए, और महत्वपूर्ण साझेदारियां नहीं बना पाई। उन्होंने उम्मीद जताई कि टीम उसी लय में खेलते हुए जोरदार वापसी करेगी। डेविड मिलर के अर्धशतक और मार्को जानसेन और केशव महाराज की शानदार गेंदबाजी की बदौलत प्रोटियाज ने अहमदाबाद में भारतीय टीम को 76 रनों से हराकर 2024 टी20 विश्व कप फाइनल में मिली हार का बदला लिया और नेट रन रेट को नकारात्मक कर दिया।

मैच के बाद प्रस्तुति देते हुए सूर्यकुमार ने कहा कि हालांकि पूरी टीम ने अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन मध्य ओवरों में दक्षिण अफ्रीका द्वारा, खासकर डेविड मिलर और देवाल्ड ब्रेविस की बदौलत, शानदार बल्लेबाजी ने प्रोटियाज को फायदा पहुंचाया। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय टीम ने पावरप्ले में ही तीन विकेट गंवाकर मैच गंवा दिया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि शुरुआत में हम हमेशा मैच में बने रहे। मुझे लगता है कि हमने शुरुआत में बहुत अच्छी गेंदबाजी की, 21 रन पर 3 विकेट, और उसके बाद जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की, 7 से 15 ओवरों तक, मुझे लगता है कि उन्होंने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की, और फिर हम बाद में मैच में वापसी करने में कामयाब रहे। कुल मिलाकर, अगर हम देखें तो हमने बहुत अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन हम थोड़ी बेहतर बल्लेबाजी कर सकते थे।

सूर्यकुमार ने आगे कहा कि मेरा मानना है कि कभी-कभी आपको सोचना पड़ता है, अगर आप 180-185 रनों का पीछा कर रहे हैं, तो आप पावर प्ले में मैच नहीं जीत सकते, बल्कि पावर प्ले में हार सकते हैं। हमने पावर प्ले में बहुत ज्यादा विकेट खो दिए, और फिर हम छोटी-छोटी साझेदारियां नहीं बना पाए जो हमें 180-185 रनों का पीछा करने के लिए चाहिए थीं, लेकिन यह खेल का हिस्सा है। हम इससे सीखते हैं, हम थोड़ा आराम करेंगे और फिर मजबूती से वापसी करेंगे।

सकारात्मक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए, सूर्यकुमार ने जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह की तेज गेंदबाजी की जमकर तारीफ की। उन्होंने आठ ओवरों में सिर्फ 43 रन देकर पांच विकेट लिए। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि सभी जानते हैं कि बुमराह-अर्शदीप की जोड़ी बेहद घातक रही है। दोनों ने साथ में खेला है। अगर आप आज भी देखें, तो उन्होंने 8 ओवर फेंके, लगभग पांच विकेट लिए और लगभग 45-50 रन दिए। अगर मैं गलत नहीं हूं, तो मुझे आंकड़ों की ज्यादा जानकारी नहीं है। लेकिन उन्होंने साझेदारी में बहुत अच्छी गेंदबाजी की, और हम उनसे यही चाहते हैं। दोनों अनुभवी हैं, और दोनों का हमारी टीम में होना अच्छा है।

अंडर-23 सीके नायडू ट्रॉफी राजस्थान-छत्तीसगढ़

राजस्थान के चेतन शर्मा, गणेश सुथार की शानदार गेंदबाज

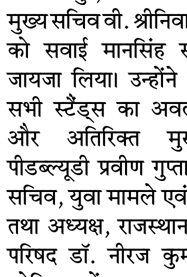

जयपुर, 23 फरवरी। रायपुर में बीसीसीआई द्वारा आयोजित अंडर 23 सी.के.नायडू ट्रॉफी के खेले जा रहे राजस्थान - छत्तीसगढ़ क्वाटर फाइनल मैच के तीसरे दिन का स्कोर : - रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पर राजस्थान- छत्तीसगढ़ टीमों के मध्य खेले जा रहे अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी क्वाटर फाइनल मैच के तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक का स्कोर : - छत्तीसगढ़ पहली पारी, 286 आल आउट। राजस्थान पहली पारी, 181 आल आउट। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक छत्तीसगढ़ दूसरी पारी 154/5, राजस्थान के गेंदबाज चेतन शर्मा 31/3, गणेश सुथार 37/2 विकेट प्राप्त किये। रोपड़ (पंजाब) में राजस्थान - आंध्रा टीमों के मध्य आज खेले गए वीमेन सीनियर एक दिवसीय ट्रॉफी क्वाटर फाइनल में आंध्रा जीती। राजस्थान - आंध्रा मैच (आंध्रा जीती), राजस्थान पारी 165 आल आउट। टीम के लिए आयुषी गर्ग 38, संगीता कुमावत 31, तनुजा वैष्णव 20, सुमन मीणा 23, शानू नाबाद 19 रन। आंध्रा की गेंदबाज अनुषा 26/3, आंध्रा पारी 166/6, टीम के लिए हेन्रित्ता 51 व पदजा नाबाद 47 रन। राजस्थान की गेंदबाज सोनल कलाल 27/3, सुमन मीणा 24/2 व कौशल्या चौधरी 19/1 विकेट।

72वीं सीनियर नेशनल्स पुरुषों की कबड्डी चैंपियनशिप आज से वडोदरा में

जयपुर 23 फरवरी। 72वीं सीनियर नेशनल्स पुरुषों की कबड्डी चैंपियनशिप 2026, 24 से 27 फरवरी, 2026 तक वडोदरा के समा इनडोर कॉम्प्लेक्स में होगी। इस चैंपियनशिप में देश भर से 31 टीमें हिस्सा लेंगी, और लगभग 400 खिलाड़ी खिताब जीतने के लिए एक-दूसरे को कड़ी टक्कर देंगे। अमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एकेएफआई) के तहत होने वाले इस टूर्नामेंट में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ-साथ उभरते सितारे भी भाग लेंगे। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी भी इस चैंपियनशिप के दौरान एक्शन में दिखेंगे। देखने लायक खास नामों में पीकेएल सीजन 12 के टॉप तीन रेडर शामिल हैं - अयान लोहचब (हरियाणा), जिन्होंने शानदार 316 रेड पॉइंट बनाए, देवांक दलाल ने 271 रेड पॉइंट बनाए, और भरत हुड्डा (सर्विसेज), जिन्होंने 230 रेड पॉइंट के साथ सीजन खत्म किया। आशु मलिक, जिन्होंने पिछले सीजन में दबंग दिल्ली को टाइटल जिताने में मदद की थी, रेलवे का प्रतिनिधित्व करेंगे, जबकि अर्जुन देशवाल एक बार फिर कप्तानी करते दिखाई देंगे जब वह उत्तर प्रदेश का नेतृत्व करेंगे। टूर्नामेंट में दीपक शंकर (तमिलनाडु) जैसे उभरती हुई प्रतिभा भी दिखेगी, जिन्होंने बेंगलुरु बुल्स के लिए 64 टैकल पॉइंट बनाए और उन्हें पीकेएल 12 में सीजन का न्यू यंग प्लेयर चुना गया। पुणेरी पल्टन के रेडर आदित्य शिंदे महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व करेंगे, जिन्होंने पांच सुपर रेड समेत 159 रेड पॉइंट बनाए। हरियाणा के डिफेंडर नितेश कुमार, जिन्होंने 65 टैकल पॉइंट्स और पांच हाई-5 के साथ एक और शानदार परफॉर्म किया है, वे भी इस चैंपियनशिप का हिस्सा होंगे। साथ ही, होनहार खिलाड़ी अनिल (हिमाचल प्रदेश) और उदय पराते (मध्य प्रदेश) भी इस चैंपियनशिप का हिस्सा होंगे। डिफेंडिंग चैंपियन सर्विसेज, जिसमें देवांक दलाल, नवीन कुमार, भरत हुड्डा, अंकित जगलान और जयदीप दहिया जैसे स्टार खिलाड़ियों की लाइनअप है, अपना टाइटल बचाने के इरादे से टूर्नामेंट में उतरेगी। रेलवे, हरियाणा और महाराष्ट्र की टीमें भी उतनी ही मजबूत हैं। इन टीमों से उन्हें कड़ी मुश्किल मिलने की उम्मीद है, जिससे एक कड़े मुकाबले वाली चैंपियनशिप का माहौल बनेगा। यह टूर्नामेंट एलीट और उभरते हुए खिलाड़ियों के लिए भी एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म का काम करेगा, जिनके लगातार अच्छे परफॉर्मेंस से अक्सर नेशनल कैंप, इंडियन टीम और प्रोफेशनल लीग में सिलेक्शन का रास्ता बनता है। सीनियर नेशनल्स को गुजरात कबड्डी एसोसिएशन और वडोदरा कबड्डी एसोसिएशन मिलकर आयोजित कर रहे हैं। एकेएफआई के साथ मिलकर एसोसिएशन ने खिलाड़ियों, ऑफिशियल और टीमों के लिए बेहतरीन इंतज़ाम सुनिश्चित किए हैं, जिससे बड़े स्पोर्ट्स इवेंट्स को होस्ट करने के हब के तौर पर गुजरात की बढ़ती पहचान और मजबूत हुई है।

मेसी पर लगे सभी आरोप खारिज, इंटर मियामी मैच के बाद हुए विवाद पर एमएलएस ने दी सफाई

नई दिल्ली, 23 फरवरी। शनिवार रात खेले गए मुकाबले के बाद थोड़ा विवाद जरूर खड़ा हुआ, लेकिन अब तस्वीर साफ हो गई है। लियोनेल मेसी पर इंटर मियामी और लॉस एंजिल्स एफसी के बीच हुए मैच के बाद अधिकारियों के लॉकर रूम में बिना

अनुमति प्रवेश करने का आरोप लगा था। हालांकि जांच के बाद मेजर लीग सॉकर ने स्पष्ट कर दिया है कि मेसी ने लीग की किसी नीति का उल्लंघन नहीं किया। बता दें कि यह मामला तब सामने आया जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें इंटर मियामी के कप्तान को मैच के बाद रेफरी क्षेत्र की ओर जाते हुए देखा गया। मौजूद जानकारी के अनुसार जिस दरवाजे से मेसी अंदर गए, वह रेफरी के आधिकारिक लॉकर रूम का एंट्री डोर नहीं था और वह क्षेत्र लीग द्वारा प्रतिबंधित भी नहीं था। इस पूरे घटनाक्रम के बाद एमएलएस ने मामले की समीक्षा की और निर्णय लिया कि इसे अनुशासन समिति के पास नहीं भेजा जाएगा। प्रोफेशनल रेफरी ऑर्गनाइजेशन के संचार निदेशक क्रिस रिवेट ने भी मीडिया से बातचीत में पुष्टि की कि मेसी अधिकारियों के लॉकर रूम में नहीं गए थे। गौरतलब है कि यह मैच लॉस एंजिलिस के एलए मेमोरियल कोलिजियम में खेला गया था, जिसमें एलएएफसी ने इंटर मियामी को 3-0 से हराया। हार के बाद अटकलें लगाई जा रही थीं कि मेसी मैच अधिकारियों के फैसलों से नाराज थे। हालांकि इंटर मियामी के मुख्य कोच जेवियर माशेरानो ने कहा कि उन्होंने मेसी को नाराज नहीं देखा। उनके मुताबिक मैच खत्म होने के बाद वह सीधे ड्रेसिंग रूम चले गए थे और उन्हें किसी तरह की असामान्य स्थिति नजर नहीं आई। फिलहाल यह स्पष्ट हो चुका है कि मेसी के खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं होगी। इंटर मियामी अब 1 मार्च को ऑरलैंडो सिटी के खिलाफ अपना मुकाबला खेलने उतरेगी, जहां टीम पिछली हार से उबरने की कोशिश करेगी और सभी की नजर एक बार फिर मेसी के प्रदर्शन पर टिकी रहेगी।

अधिवक्ता मौलिक अधिकारों के रक्षक की भूमिका निभाते हैं- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने द बार एसोसिएश्न जयपुर के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ दिलाई

जयपुर, 23 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अधिवक्ता कानून की कठिन भाषा को सरल बनाकर समाज को न्याय दिलाने वाले सेतु हैं।

सोमवार को बनीपार्क स्थित जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में दी बार एसोसिएशन जयपुर के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि अधिवक्ता संविधान एवं मौलिक अधिकारों के रक्षक तथा लोकतंत्र के प्रहरी की भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बार एसोसिएशन अधिवक्ताओं को न केवल पेशेवर मंच प्रदान करता है, बल्कि बौद्धिक विमर्श, नैतिक अनुशासन और सामूहिक शक्ति का भी केंद्र है।

उन्होंने कहा कि यह संस्था विधिक सुधारों की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार अधिवक्ताओं के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। 42 नए न्यायालय स्थापित किए गए हैं। फलौदी, खैरथल-तिजारा सहित कुल 8 जिला एवं सेशन न्यायालयों का सृजन किया गया है। लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण हेतु विशेष अदालतों एवं फास्ट ट्रैक तंत्र को अधिक सशक्त किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं की न्यायसंगत मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को बनीपार्क स्थित जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में दी बार एसोसिएशन जयपुर के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित किया।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बार एसोसिएशन अधिवक्ताओं को न केवल पेशेवर मंच प्रदान करता है, बल्कि बौद्धिक विमर्श, नैतिक अनुशासन और सामूहिक शक्ति का भी केन्द्र है।**

कार्यक्रम में हाईकोर्ट के जस्टिस अनिल उपमन ने कहा कि राज्य के बजट से विधि क्षेत्र को थोड़ी निराशा हुई है। उन्होंने अदालत परिसर और संसाधनों की जरूरत बताते हुए कहा कि सरकार को विधि क्षेत्र के लिए भी ध्यान देने की जरूरत है। यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि अधिवक्ता वर्ग की समस्याएं हैं, उनका निराकरण किया जाएगा।

कार्यक्रम में सीएम ने एसोसिएशन के निर्वाचित अध्यक्ष सोमश चन्द शर्मा व महासचिव उमेश चौधरी एवं जिला बार एसोसिएशन के नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई।

ट्रंप कहा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिए बेहद नुकसानदायक साबित हो सकता है। डेमोक्रेटिक पार्टी इस तथाकथित सर्वशक्तिमान राष्ट्रपति को और घेरने की रणनीति बना रही है। वे लोगों को टैरिफ पेमैंट तुरंत आगे बढ़ाने के लिए कानून बनाने की प्लानिंग कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने डॉनल्ड ट्रंप को एक चिड़चिड़े, आवेगी, बिना सोचे-समझे काम करने वाले और हठी व्यक्ति के रूप में उजागर किया है।

उनके कदमों का जो भी परिणाम हो, वे अपनी प्रतिशोध की योजनाओं को आगे बढ़ाते रहेंगे। इस फैसले के बाद, शी जिनपिंग के साथ डॉनल्ड ट्रंप की आगामी बैठक साफ तौर पर एकतरफा होगी।

बारां में 40 करोड़ रूपए के अवैध विस्फोटक व पटाखे पकड़े गए

बारां, 23 फरवरी (निसं)। अटरू-बारां मेन रोड स्थित मंडोला के पास फर्म आर.डी. ब्रदर्स के तीन गोदामों में अवैध विस्फोटक निर्माण सामग्री और भारी मात्रा में पटाखों का भंडारण मिलने पर पुलिस और प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। संयुक्त टीम ने छापेमारी कर करीब 40 करोड़ रुपये की सामग्री जब्त कर तीनों गोदामों को सील कर दिया।

अभिषेक अंदासु, पुलिस अधीक्षक बारां ने बताया कि 20 फरवरी को सूचना मिली थी कि गोदामों में अत्यधिक मात्रा में अवैध विस्फोटक सामग्री जमा की गई है, जिससे आसपास के रहवासियों की जान को खतरा हो सकता है। सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में कोतवाली पुलिस, नगर परिषद और जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। निरीक्षण के दौरान भारी मात्रा में सूतली बम, पटाखे और विस्फोटक निर्माण सामग्री पाई गई।

- **पुलिस ने आर.डी. ब्रदर्स के तीन गोदाम सील किए।**

पुलिस और प्रशासन ने आर.डी. ब्रदर्स के तीन गोदामों से भारी मात्रा में अवैध विस्फोटक निर्माण सामग्री और पटाखे जब्त किए हैं। जब्त सामग्री की बाजार कीमत करीब 40 करोड़ रुपए आंकी गई है।

अभिषेक अंदासु, पुलिस अधीक्षक बारां ने बताया कि सूचना मिलने पर संयुक्त टीम ने छापा मारकर तीनों गोदाम सील कर दिए। कार्रवाई में 1350 कट्टे सूतली बम (338 क्विंटल), 5500 कार्टन पटाखे (1918 क्विंटल), 12 क्विंटल विस्फोटक कच्चा माल, 130 बोरी जर्दा (45 क्विंटल), पैकिंग मशीन, लाल बत्ती व अन्य सामग्री जब्त की। फर्म के खिलाफ थाना कोतवाली बारां में मामला दर्ज किया गया है। गोदामों में अग्निशमन सुरक्षा उपकरण नहीं मिले।

बांग्लादेश में भारी सैन्य फेरबदल किया नई सरकार ने

बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान एक्शन मोड में आए

नई दिल्ली, 23 फरवरी। तारिक रहमान बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री बन गए हैं। पीएम पद की शपथ लेने के साथ ही रहमान ने देश में कई बड़े फैसलों पर मुहर लगाई है। रहमान ने सेना में टॉप लेवल पर बड़ा फेरबदल किया है।

तारिक रहमान ने ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद हफीजुर रहमान को भारत से बांग्लादेश वापस बुला लिया है। हफीजुर रहमान भारत में बांग्लादेश हाई कमीशन में डिफेंस एडवाइजर के तौर पर काम कर रहे थे।

- **रहमान ने भारत में कार्यरत बांग्लादेश हाईकमीशन के डिफैंस एडवाइज़र हफीज़ुर रहमान को भी वापस बुला लिया है।**

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, इन बदलावों का असर कई अहम स्ट्रेटेजिक कमांड्स के साथ-साथ बांग्लादेश की सबसे बड़ी मिलिट्री इंटेलिजेंस एजेंसी पर भी पड़ेगा।

पीएम रहमान ने भारत में बांग्लादेश हाई कमीशन में डिफेंस एडवाइजर के तौर पर काम कर रहे ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद हफीजुर रहमान को मेजर जनरल के रैंक पर प्रमोट किया है और 55वीं इन्फैंट्री डिवीजन का जीओसी नियुक्त किया है।

आर्मी हेडक्वार्टर की तरफ से जारी किए गए ये बदलाव प्रधानमंत्री तारिक रहमान की नई सरकार के 17 फरवरी को सत्ता संभालने के कुछ दिन बाद हुये हैं।

तारिक रहमान की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने 12 फरवरी को हुए चुनावों में दो-तिहाई बहुमत हासिल किया। तारिक रहमान ने 17 फरवरी को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही मुहम्मद यूनुस का 18 महीने का शासन खत्म हुआ।

महाराष्ट्र में विपक्षी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

(एमवीए) के पार्टनर्स शिवसेना (उद्धव ठाकरे), कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार) के बीच टकराव की अटकलों को जन्म दे दिया है।

महाराष्ट्र से सात राज्य सभा सीटें रिक्त होने जा रही हैं। इन सीटों में से दो कांग्रेस के पास हैं, एक शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के पास और एक एनसीपी के संस्थापक शरद पवार के पास है। राज्य सभा के चुनाव में मतदान विधायक करते हैं और 2024 महाराष्ट्र चुनावों में एनडीए की शानदार जीत के कारण इन सात सीटों में से छह सीटें एनडीए की झोली में जा सकती हैं। इसका मतलब है कि विपक्ष के पास केवल एक सीट बचती है। शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के नेता उद्धव ठाकरे कथित तौर पर दिल्ली यात्रा की योजना बना रहे हैं, ताकि कांग्रेस के उच्च नेतृत्व से बातचीत की जा सके। इस बीच, सूत्रों ने बताया कि एनसीपी (शरद पवार) प्रारंभिक बातचीत का हिस्सा नहीं रही है, जिससे विपक्षी खेमे के भीतर समीकरणों को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।

राज्य सभा की 37 सीटों के लिए चुनाव 16 मार्च को आयोजित होने हैं। इस साल सेवानिवृत्त होने वाले महाराष्ट्र के सांसदों में एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार, शिवसेना (यूबीटी) की प्रियंका चतुर्वेदी, कांग्रेस की डॉ. फौजिया तहसीन अहमद खान और राजानी अशोक राव पाटिल शामिल हैं। अन्य तीन भाजपा के डॉ. भागवत किशनराव कराड, धैर्यशील और सहयोगी रामदास अठावले हैं।

रांची से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसी बीच चतरा जिले के सिमरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत करमाटांड़ गांव के पास स्थित जंगल में स्थानीय लोगों ने विमान का मलबा देखे जाने की सूचना दी। बाद में चतरा जिला पुलिस-प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची स्थानीय लोगों के सहयोग से राहत कार्य चलाया।

'भारत टैक्सी दुनिया की सबसे पारदर्शी कैब सर्विस बनेगी'

केन्द्रीय गृहमंत्री अमितशाह ने भारत टैक्सी के सारथियों (चालक) के साथ संवाद में कहा

नई दिल्ली, 23 फरवरी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि हाल ही में शुरू की गई सहकारी टैक्सी सेवा "भारत टैक्सी" अपने मंच से जुड़े सभी 'सारथियों' (चालकों) के लिए प्रति किलोमीटर न्यूनतम आधार किराया सुनिश्चित करेगी और इस दर से नीचे सेवा संचालित नहीं की जाएगी।

शाह ने कहा, भारत टैक्सी में ऑटो की लागत, पेट्रोल की खपत और न्यूनतम लाभ को जोड़कर बेस रेट निर्धारित किया जाएगा। यह सेवा पारदर्शिता के सिद्धांत पर काम करेगी और किसी भी बदलाव की सूचना एक सप्ताह पहले सारथियों को मोबाइल पर दी जाएगी। अमित शाह ने कहा, भारत टैक्सी में कुछ भी छिपा नहीं होगा। सारथियों को नोटिफिकेशन के ज़रिए हर जानकारी देने से 'भारत टैक्सी' दुनिया की सबसे पारदर्शी कैब सर्विस बनेगी। भारत टैक्सी सारथियों की मिनिमम वायबिलिटी के आधार पर एक बेसलाइन किलोमीटर रेट तय करके चलेगी। भारत टैक्सी में ऑटो के मूल्य, पेट्रोल की खपत और मिनिमम प्रॉफ़िट को मिलाकर एक बेस रेट बनाया जाएगा और सर्विस इस रेट से नीचे नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी का उद्देश्य किसी निजी कंपनी की तरह अधिकतम मुनाफा कमाना नहीं, बल्कि सारथियों को सशक्त बनाना है। इस सहकारी मॉडल में सारथी ही मालिक होंगे और 500 रुपये का शेयर लेकर साझेदार बन सकेंगे। बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के चुनाव में सारथियों के लिए सीटें आरक्षित की जाएंगी, ताकि वे स्वयं अपने हितों की रक्षा कर सकें।

- **शाह ने कहा, यह सहकारी टैक्सी सेवा सभी सारथियों के लिए प्रति किलोमीटर न्यूनतम किराया तय करेगी।**

किश्तवाड़ में सेना ने सात खुंखार आतंकी मारे

जम्मू, 23 फरवरी। किश्तवाड़ जिले के चतरू क्षेत्र में 326 दिनों तक चले एक संयुक्त अभियान में सात खूंखार आतंकवादियों को मार गिराया गया है। सेना की वाइट नाइट कोर ने इस अभियान को वीरतापूर्ण दृढ़ ता बताया और कहा कि किश्तवाड़ के चुनौतीपूर्ण भूभाग और खराब मौसम की स्थिति में अथक और कठिन अभियान चलाए गए।

सेना ने कहा कि वाइट नाइट कोर के जवानों ने जम्मू और कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के समन्वय से नागरिक और सैन्य खुफिया एजेंसियों के सुव्यवस्थित खुफिया नेटवर्क के आधार पर कार्रवाई की। सुरक्षा बलों ने भीषण ठंड और जमा देने वाली ठंड में दुर्गम पहाड़ी इलाकों में आतंकवादियों का पीछा किया, जिसके परिणामस्वरूप कई बार मुठभेड़ हुई और अंततः सभी सात आतंकवादियों को मार गिराया गया।

नीट -पीजी कट-ऑफ कम होने का क्या असर होगा?

नई दिल्ली, 23 फरवरी। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि वह इस बात की पड़ताल करेगा कि नीट-पीजी के कट ऑफ मार्क्स को घटाने से क्या चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होती है या नहीं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली पीठ ने नीट-पीजी के कट ऑफ मार्क्स को घटाने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान ये टिप्पणी की। मामले की अगली सुनवाई 24 मार्च को होगी।

सुनवाई के दौरान केन्द्र सरकार की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि ये फैसला खाली सीटों को ध्यान में रखते हुए लिया गया था। उन्होंने कहा कि नीट पीजी न्यूनतम चिकित्सकीय योग्यता प्रमाणित कने के लिए नहीं है, बल्कि सीमित सीटों के बीच उम्मीदवारों की तुलना कर सेलेक्शन के लिए आयोजित किया जाता है। इसमें सभी अभ्यर्थी पहले से एमबीबीएस डिग्रीधारी डॉक्टर हैं।

- **सर्वोच्च न्यायालय चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता पर इसके प्रभाव की जांच करेगा।**

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से वकील गोपाल शंकरनारायणन ने फीस असमानता का भी मसला उठाया। उन्होंने कहा कि सरकारी मेडिकल कॉलेजों में फीस 9 हजार से 27 हजार रुपये तक होती थी जबकि निजी कॉलेजों में 95 लाख से 1.50 करोड़ रुपये तक पहुंच जाती है। उन्होंने कहा क 50वें पर्सेंटाइल तक लगभग 1.3 लाख छात्र सीट उपलब्ध होने के बावजूद काफी ज्यादा फीस के कारण निजी कॉलेजों में प्रवेश नहीं ले पाते। उन्होंने निजी कॉलेजों की फीस की सीमा तय करने की मांग की।

सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई 26 फरवरी को

नई दिल्ली, 23 फरवरी। उच्चतम न्यायालय ने लद्दाख के कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि की ओर से गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई 26 फरवरी तक टाल दी है। जस्टिस अरविंद कुमार की अध्यक्षता वाली पीठ ने आज की सुनवाई सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता के उपलब्ध नहीं होने की वजह से टाली।

- **हालांकि सोमवार 23 फरवरी को सुनवाई होनी थी पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के नहीं आने से सुनवाई टाल दी गई**
- **यह याचिका सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि ने दायर की है जिनमें कहा है कि जिन चार वीडियो के आधार पर सोनम को गिरप्तार किया गया है, वे उन्हें दिखाए तक नहीं गए हैं।**

गीतांजलि ने 19 फरवरी को उच्चतम न्यायालय से कहा था कि जिन चार वीडियो के आधार पर गिरफ्तार किया गया वो वीडियो सोनम वांगचुक को दिखाया ही नहीं गया। केवल पेन ड्राईव में थंबनेल दिखाया गया और उसे प्ले नहीं किया गया। सुनवाई के दौरान सोनम वांगचुक के वकील कपिल सिब्बल ने कहा था कि वीडियो उपलब्ध नहीं कराना अधिकारों का उल्लंघन है। बिना वीडियो देखे सलाहकार बोर्ड और सरकार के समक्ष कोई अपनी बात कैसे रख सकता है। उन्होंने कहा था कि डीआईजी एक लैपटॉप के साथ आए और चार वीडियो बताया गया। सोनम वांगचुक को 5 अक्टूबर, 2025 को लैपटॉप उपलब्ध कराया गया जिसमें चारो वीडियो नहीं थे, केवल थंबनेल दिखाया गया। इस पर एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) केएम नटराज ने कहा कि एक वीडियो है जिसमें सोनम वांगचुक और डीआईजी के बीच बातचीत हो रही है। उस वीडियो में सब खुलासा हो जाएगा।

उच्चतम न्यायालय ने 16 फरवरी को जोधपुर जेल प्रशासन को निर्देश दिया था कि वो सोनम वांगचुक को हिरासत के दौरान दी गई पेन ड्राईव सीलबंद कर कोर्ट में दाखिल करें। उच्चतम न्यायालय ने इस बात का संदेह जताया था कि केंद्र सरकार ने सोनम वांगचुक के भाषणों से संबंधित जो ट्रांसक्रिप्ट दी है उसके अनुवाद में काफी फर्क है।

सुनवाई के दौरान 8 जनवरी को वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने चौरी-चौरा कांड का जिक्र करते हुए कहा था कि हिंसा के बाद सोनम वांगचुक ने अपनी भूख हड़ताल तत्काल वापस ले लिया था। आपको याद होगा कि गांधीजी ने भी ऐसा ही किया था। जब चौरी-चौरा की घटना के बाद हिंसा हुई थी, तो उन्होंने भी बिल्कुल वैसा ही किया था। सिब्बल ने कहा कि हिरासत में लेने के 28 दिन बाद उनको हिरासत में लेने के आधार बताए गए जो कानूनी समय-सीमा का साफ उल्लंघन है।

भारत की पहली आतंकरोधी नीति "प्रहार" जारी की केन्द्र सरकार ने

नई दिल्ली, 23 फरवरी। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने सोमवार को भारत की पहली व्यापक आतंकवाद-रोधी नीति जारी की। इसे "प्रहार" नाम दिया गया है। इस नीति में सीमा पार से होने वाले आतंकवाद, साइबर हमलों, ड्रोन और उभरती तकनीकों के गलत इस्तेमाल जैसे खतरों का प्रमुखता से जिक्र किया गया है। नीति में यह भी बताया गया है कि केवल सीमा पार से होने वाला आतंकवाद ही खतरा नहीं है, बल्कि आपराधिक हैकर और अन्य राष्ट्र भी भारत को निशाना बना रहे हैं।

मंत्रालय की वेबसाइट पर अपलोड किए गए रणनीति दस्तावेज में कहा गया है कि भारत आतंकवाद को किसी खास धर्म, जाति, राष्ट्रीयता या सभ्यता से जोड़कर नहीं देखता। इसमें यह भी कहा गया है कि देश लंबे समय से सीमा पार से प्रायोजित आतंकवाद का सामना कर रहा है, जिसमें जिहादी आतंकवादी संगठन और उनके मुखौटा संगठन लगातार हमलों की योजना बना रहे हैं।

- **गृह मंत्रालय की ऑफिशियल वेबसाइट पर अपलोड इस नीति में कहा गया है भारत आतंकवाद को धर्म या जाति से जोड़कर नहीं देखता।**

नीति में अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) जैसे वैश्विक आतंकवादी संगठनों के नाम का भी जिक्र किया गया है और कहा गया है कि ये जासूसों (स्लीपर सेल) के जरिये भारत में हिंसा भड़काने का प्रयास कर रहे हैं। नीति में यह भी बताया गया है कि सीमा पार से साजिशकर्ता उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। खासकर पंजाब और जम्मू-कश्मीर में ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ा है। आतंकवादी समूह अब संगठित आपराधिक नेटवर्क का इस्तेमाल अपने संचालन और नई भर्ती के लिए कर रहे हैं।

लोकसभा अध्यक्ष अपने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है, स्पीकर की गलतियों व कृत्यों के कारण उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव दाखिल किया गया है।

लोकसभा स्पीकर ने वैश्विक लोकतांत्रिक संबंधों को मजबूत करने के नाम पर 60 से अधिक देशों के साथ संसदीय मित्रता समूहों का गठन किया है और इसके लिए बड़ी रकम खर्च की जा रही है। लोकसभा स्पीकर के पास एक विवेकाधीन कोष होता है, लेकिन इसका ऑडिट नहीं होता, क्योंकि वह एक संप्रभु अधिकारी हैं, और इस कोष के खर्च पर कोई सवाल नहीं उठाया जा सकता और न ही इस पर चर्चा हो सकती है। यही स्थिति भारत के राष्ट्रपति के कोष के साथ भी है।

विभिन्न राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेता इन समूहों का नेतृत्व करेंगे, जो भारत की लोकतांत्रिक विविधता और शक्ति को 60 से अधिक देशों के सामने उजागर करेंगे।

जो नेता इन प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करेंगे, उनमें पी. चिदंबरम, शशि थरूर, रवि शंकर प्रसाद, टी.आर. बालू, के.सी. वेणुगोपाल, अखिलेश यादव, ओवैसी, अभिषेक बनर्जी, सुप्रिया सुले और अनुराग ठाकुर शामिल हैं।

इसके अलावा, रामगोपाल यादव, गौरव गोगोई, कनिमोई करुणानिधि, मनीष तिवारी, डैरेक ओ ब्रायन, राजीव प्रताप रूडी, संजय सिंह, बैजयंत पांडा, निशिकांत दुबे, भर्तहरी महताब, डी. पुरंदेश्वरी, संजय कुमार झा, हेमा मालिनी और प्रफुल्ल पटेल भी महत्वपूर्ण देशों के साथ मित्रता समूहों का नेतृत्व करेंगे।

यहां बनाए गए मित्रता समूहों में शामिल कुछ महत्वपूर्ण देश हैं:

श्रीलंका, जर्मनी, न्यूज़ीलैंड, स्विट्ज़रलैंड, दक्षिण अफ्रीका, सऊदी अरब, इज़राइल, संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, यूरोपीय संघ, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जापान, इटली, ऑस्ट्रेलिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात।

पहले चरण में, 60 से अधिक देशों के साथ मित्रता समूह स्थापित किए गए हैं, और अतिरिक्त देशों के साथ इसका विस्तार करने की भी योजना है।

जल्दी ही अलवर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को शामिल करता है, तथा इससे राज्य सरकारों के शहरी और नगर निगम विभागों के साथ समन्वित दृष्टिकोण विकसित हो रहा है।

राष्ट्रीय राजधानी रेल परिवहन निगम ने उत्तर प्रदेश सरकार से विचार-विमर्श करके, वित्तीय उपकरणों, जैसे ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट (टीओडी) और वैल्यू कैप्चर फाइनेंस (वीसीएफ) के लिए एक कार्यान्वयन योजना तैयार की है।

नई दिल्ली के सराय काले खान को आरआरटीएस मल्टी-मॉडल हब और प्रारंभिक स्टेशन के रूप में विकसित किया गया है, जिसे भविष्य की आरआरटीएस लाइनों के साथ एकीकृत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिनमें प्रस्तावित दिल्ली-अलवर और दिल्ली-करनाल रैपिड रेल कॉरिडोर शामिल हैं। केन्द्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने रविवार को कहा कि केन्द्रीय मन्त्रिमंडल जल्द ही इन दो नए आरआरटीएस कॉरिडोर के निर्माण के प्रस्तावों को मंजूरी देगा।

असम में कांग्रेस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इनमें से 25 सीटें कांग्रेस ने और 16 सीटें बदरुद्दीन अजमल की पार्टी एआईयूडीएफ ने जीती थीं। लेकिन इस बार कांग्रेस एआईयूडीएफ के साथ गठबंधन करने के पक्ष में नहीं दिख रही है, क्योंकि राज्य में उसकी स्थिति कमज़ोर मानी जा रही है। लोकसभा चुनाव में धुबरी सीट पर खुद बदरुद्दीन अजमल को कांग्रेस के रकीबुल हुसैन ने 10 लाख वोटों से हराया था। कांग्रेस ने एआईयूडीएफ को भाजपा की "बी टीम" भी कहा है। छोटी पार्टियों के अलावा, कांग्रेस इस साल के चुनाव के लिए शिवसागर के विधायक अखिल गोगोई की पार्टी रायजोर दल के साथ गठबंधन की संभावना पर विचार कर रही है। कांग्रेस के लिए राहत की बात यह है कि 2021 में सीटों का अंतर बड़ा था, लेकिन वोट प्रतिशत में अंतर बहुत कम था। एनडीए को 43.9 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि महाजोत को 42.3 प्रतिशत वोट मिले थे, यानी वोट प्रतिशत में केवल 1.6 प्रतिशत का अंतर था।

हालांकि भाजपा के प्रचार अभियान का नेतृत्व कर रहे असम के मुख्यमंत्री हिमन्ता बिस्वा सरमा की आक्रामक शैली कांग्रेस के लिए चिंता का विषय होगी, लेकिन गांधी उनके सामने प्रभावी जवाब बन सकती हैं। यह भी संभावना है कि सरमा प्रियंका पर सीधे हमले से बचें।

कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि राज्य में भाजपा के मजबूत संगठन को देखते हुए, अगर पार्टी चुनाव सीधे तौर पर नहीं भी जीतती है, लेकिन अपनी स्थिति में उल्लेखनीय सुधार करती है, तो भी गांधी के प्रयासों को सफल माना जाएगा।

अनिल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बीडीओ एलएलपी का सिग्नेटरी चार्टर्ड अकाउंटेंट नहीं है, इसलिए कार्रवाई रोक दी जाए। तीनों बैंकों ने इस आदेश के खिलाफ अपील दायर की थी। बैंकों का कहना था कि फोरेंसिक ऑडिट वैध है, रिपोर्ट में फंड के गलत इस्तेमाल की बात है। बैंकों ने दलील दी कि सिंगल जज का आदेश ग़लत और परवर्स है।

डिवीजन बेंच ने अपील स्वीकार करते हुए कहा कि निचली अदालत का आदेश कानूनी रूप से सही नहीं था। कोर्ट ने कहा कि अब बैंकों को आगे की कार्रवाई से रोका नहीं जा सकता।

हरदीप पुरी के बारे में नया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विवाद को और बढ़ाने वाली खबरें यह भी हैं कि रॉबर्ट मिलॉर्ड नामक व्यक्ति, जिसे कुछ रिपोर्टों में एपस्टीन का करीबी बताया गया है, ने कथित तौर पर हिमानी पुरी, जो हरदीप पुरी की बेटी हैं - से जुड़े एक कारोबारी उपक्रम में लगभग 2,400 करोड़ रुपये का निवेश किया।

मीडिया के कुछ हिस्सों और ऑनलाइन मंचों पर फैल रहे इन दावों ने इस राजनीतिक विवाद को आर्थिक पहलू भी दे दिया है। हालांकि, जांच एजेंसियों की ओर से इस कथित निवेश की प्रकृति, आकार या वैधता के संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

हरदीप सिंह पुरी, जिन्होंने पहले भी सार्वजनिक मंचों पर अन्य आरोपों का जवाब दिया है, ने इन ताजा दावों पर अभी तक कोई विस्तृत बयान जारी नहीं किया है। पहले के मामलों में वे यह कहते रहे हैं कि उन्हें किसी भी तरह की गलत गतिविधि से जोड़ने की कोशिश राजनीतिक रूप से प्रेरित है और तथ्यों पर आधारित नहीं है।

इस बीच विपक्षी कांग्रेस पार्टी ने सावधानी भरा रुख अपनाया है। पार्टी के संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने तुरंत कोई आरोप लगाने से परहेज किया। पत्रकारों से संक्षिप्त बातचीत में उन्होंने कहा कि पार्टी की शोध टीम सामने आए नए दस्तावेजों की जांच कर रही है और सभी तथ्यों की पुष्टि के बाद ही पार्टी अपना रुख स्पष्ट करेगी। उन्होंने कहा, "हम किसी निष्कर्ष पर जल्दबाजी में नहीं पहुंचना चाहते। सभी तथ्य स्पष्ट होने के बाद ही पार्टी अपनी स्थिति बताएगी।"

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि दस्तावेजी साक्ष्य की पुष्टि होती है या केन्द्रीय एजेंसियां इन दावों पर संज्ञान लेती हैं, तो यह मुद्दा और गंभीर हो सकता है। संसद सत्र अक्सर आरोप-प्रत्यारोप से गरम रहते हैं, ऐसे में आने वाले दिनों में यह विवाद संसद तक भी पहुंच सकता है।

फिलहाल यह मामला सार्वजनिक मंचों पर दावों और प्रतिदावों तक सीमित है। ये खुलासे औपचारिक जांच का रूप लेते हैं या केवल राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित रहते हैं, यह काफी हद तक ठोस साक्ष्य और आधिकारिक स्पष्टीकरण पर निर्भर करेगा।

असम के सीमावर्ती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देती है। अमित शाह की यात्रा का मुख्य आकर्षण "वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम" (वीवीपी) के दूसरे चरण का औपचारिक लॉन्चिंग है, जो कछार जिले के सीमावर्ती गाँव नाथनपुर से की गई। इस कार्यक्रम के लिए 6,839 करोड़ रुपये का भारी बजट निर्धारित किया गया है, जिसका उद्देश्य दूरदराज़ के क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण करना है, ताकि प्रवासन पर काबू पाया जा सके और यहाँ के निवासियों को सुरक्षा के लिए देश के प्राथमिक "आंख और कान" के रूप में सशक्त बनाया जा सके।

यह सीमा चौकियों की धारणा को "अंतिम गांव" से बदलकर "भारत के पहले गांव" में परिवर्तित करता है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित काचर, भाजपा को घुसपैठ और सीमा सुरक्षा पर अपने मुख्य फोकस को फिर से तेज करने का अवसर प्रदान करता है। ये मुद्दे असम में इसकी राजनीतिक पहचान के केन्द्र बिंदु रहे हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908